@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 12 मई 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 187 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

देश में 60 दिनों का तेल व गैस

• 45 दिनों का रसोई गैस व 703 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत में ईंधन, यानी पेट्रोल-डीजल व गैस, का पर्याप्त भंडार है। देश में फिलहाल 60 दिनों का कच्चा तेल भंडार, 60 दिनों का प्राकृतिक गैस भंडार, तथा 45 दिनों का रसोई गैस भंडार उपलब्ध है। साथ ही, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 703 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर बना हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही सरकार ने बताया कि भारत तेल शोधन करने वाला दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है और चौथा सबसे बड़ा पेट्रोलियम उत्पाद निर्यातक भी है। भारत वर्तमान समय में 150 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है तथा घरेलू मांग भी पूरी की जा रही है। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को पश्चिम एशिया की

स्थिति पर गठित मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की पांचवीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में बताया गया कि पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारत में पिछले 70 दिनों से पेट्रोलियम कीमतों को स्थिर रखा गया है, जबकि कई देशों में कीमतों में 30 से 70 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।

> बैठक में राजनाथ सिंह ने कहा कि वर्तमान में ईंधन संरक्षण केवल तत्काल बचत के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की दीर्घकालिक क्षमता निर्माण और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि संकट लंबा चलता है तो अपनी तैयारी बनाए रखने के लिए अभी से जिम्मेदार तरीके से खपत की संस्कृति विकसित करना आवश्यक है।

हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण भारतीय तेल कंपनियां प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान उठा रही हैं और वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में नुकसान करीब 2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच रहा है। इसके बावजूद सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों का पूरा बोझ आम नागरिकों पर न पड़े।

केरल के सीएम फेस पर सस्पेंस खत्म होने की उम्मीद

• कांग्रेस हाईकमान ने राज्य के नेताओं को दिल्ली किया तलब

एजेंसी
तिरुवनंतपुरम। केरल के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर चल रहा सस्पेंस अब खत्म होने की उम्मीद है, कांग्रेस हाईकमान नई दिल्ली में विचार-विमर्श तेज कर रहा है, और इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अगले 48 घंटों के भीतर अंतिम घोषणा हो सकती है। कई दिनों की अनिश्चितता और पार्टी के कुछ वर्गों के भीतर बढ़ते तनाव के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने अब सीएम पद के लिए सर्वसम्मति से उम्मीदवार को अंतिम रूप देने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। इन महत्वपूर्ण विचार-विमर्शों के केंद्र में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे हैं, जिन्होंने सोमवार को सीएम फेस पर चर्चा की। ऐसा माना जा रहा है कि राहुल गांधी ने अपनी बहन और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से भी सलाह ली है, जबकि अंतिम इस बात का संकेत है कि नेतृत्व अब परामर्श के अंतिम चरण में है।

निर्णय लेने से पहले गठबंधन के सहयोगी नेताओं के साथ टेलीफोन पर परामर्श होने की उम्मीद है। इस बीच हाईकमान ने राज्य कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और राज्य इकाई अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया है, जो

के. सुधाकरन, के. मुरलीधरन, एमएम हसन और तिरुवरूर राधाकृष्णन सहित वरिष्ठ नेताओं के सोमवार रात तक राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने की उम्मीद है। चर्चा का यह दौर ऐसे समय में हो रहा है, जब इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे आगे चल रहे उम्मीदवार के रूप में उभरे हैं। सूत्रों ने बताया कि उच्च कमान की सीधी देखरेख में हुई चर्चाओं में वेणुगोपाल के पक्ष में रुझान बढ़ता जा रहा है। हालांकि, आधिकारिक घोषणा करने से पहले नेतृत्व राज्य इकाई के भीतर परस्पर विरोधी हितों को संभालने के बारे में सतर्क है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि गठबंधन के सहयोगी दल पार्टी द्वारा घोषित किए जाने पर सीएम फेस का विरोध नहीं करेंगे। खबरों के मुताबिक, गठबंधन के सहयोगी दलों ने पार्टी के हाईकमान को यह बता दिया है कि पार्टी अपने नेता को चुनने के लिए स्वतंत्र है।

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने किया विभागों का बंटवारा

पहली कैबिनेट बैठक में लिए कई अहम निर्णय

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के बाद मंत्रियों के बीच पोर्टफोलियो के बंटवारे की खबर सामने आई है। दिलीप घोष को ग्रामीण विकास, पंचायत और पशुधन विभाग दिया गया है, जबकि अग्निमित्रा पॉल को महिला एवं बाल कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। अशोक कीर्तनिया को खाद्य विभाग और खुदीराम टुडू को पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग दिया गया है। इसके साथ ही निसिथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास, खेल और युवा कल्याण विभाग सौंपा गया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गृह विभाग अपने पास रखा है।

इससे पहले पश्चिम बंगाल के नवगठित मंत्रिमंडल की पहली बैठक सोमवार को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में हुई। इसमें बांग्लादेश के साथ वर्तमान में बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कांटेदार बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 45 दिनों के भीतर भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया गया।

कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि नई कैबिनेट के

गठन के 45 दिनों के भीतर बीएसएफ को जमीन सौंपने का वादा भाजपा के संकल्प पत्र में किया गया था और गृह मंत्री अमित शाह ने भी इसकी घोषणा की थी। बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'नई कैबिनेट की पहली बैठक में इस फैसले को मंजूरी दे दी गई।' बैठक में पारित दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय पश्चिम बंगाल में केंद्र प्रायोजित स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत को लागू किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस की पिछली सरकार ने इस योजना को इस आधार पर लागू नहीं किया था कि राज्य की अपनी स्वास्थ्य बीमा योजना 'स्वस्थ साथी' लागू होने के कारण केंद्र सरकार की योजना अनावश्यक थी।

तमिलनाडु में टीवीके विधायक प्रभाकर का विधानसभा अध्यक्ष बनना तय

एजेंसी
चेन्नई। तमिलनाडु की 17वीं विधानसभा के अध्यक्ष पद पर तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के विधायक जेसीडी प्रभाकर का निर्विरोध निर्वाचन तय है। विधानसभा अध्यक्ष पद के चुनाव में नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन सोमवार को सिर्फ प्रभाकर ने नामांकन किया। इस कारण उनके निर्विरोध निर्वाचन की सिर्फ घोषणा बाकी है। सत्तारूढ़ टीवीके के मुताबिक विधानसभा अध्यक्ष पद पर निर्वाचन की घोषणा मंगलवार को आधिकारिक रूप से की जाएगी, जिसके बाद वे सदन की कार्यवाही के संचालन की अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। इसी क्रम में विधानसभा उपाध्यक्ष पद के लिए तुरैयूर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविशंकर के नाम पर भी सहमति बन गई है। ऐसी उम्मीद है कि विधानसभा अध्यक्ष के निर्वाचन की घोषणा के बाद उपाध्यक्ष पद पर रविशंकर के नाम की घोषणा भी कर दी जाएगी।73 वर्षीय प्रभाकर एक अनुभवी राजनेता हैं। उन्होंने इसी वर्ष जनवरी में टीवीके प्रमुख जोसेफ विजय की उपस्थिति में टीवीके की सदस्यता ग्रहण की थी। हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में उन्होंने थाउजेंड लाइट्स निर्वाचन क्षेत्र से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के उम्मीदवार एझिलन नागनाथन को 15,141 मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल की थी। राजनीतिक

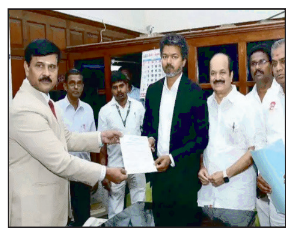

विश्लेषकों का मानना है कि प्रभाकर का निर्विरोध चुना जाना न केवल उनकी राजनीतिक स्वीकार्यता को दर्शाता है, बल्कि विधानसभा में मौजूदा संतुलन और सहमति की स्थिति को भी उजागर करता है। उनके अध्यक्ष बनने के बाद सदन की कार्यवाही अधिक व्यवस्थित, संतुलित और प्रभावी रूप से संचालित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

मोदी सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका
संगरूर, 11 मई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज गांव खुराना स्थित गुरुद्वारा जोतीसर साहिब में संगत के साथ अरदास में शामिल होकर जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम-2026 को लागू करने का बल बख्शने के लिए ईश्वर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि यह सख्त कानून बनने से पंथ काफी राहत और संतुष्टि महसूस कर रहा है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करने की हिम्मत न करे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देशवासी सब देख रहे हैं कि कैसे भारत के फैसले व्हाइट हाउस से लिए जा रहे हैं और कैसे केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए किया जा रहा है। यह कहते हुए कि पंजाबी कभी भी दबाव की चालों के आगे नहीं झुके हैं और न ही कभी झुकेंगे, उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब के लोग लोकतंत्र की आवाज को दबाने की हर कोशिश का उचित जवाब देंगे। अपने एक्स हैंडल पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मुझे आज ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री जोतीसर साहिब (छठवीं पातशाही) में श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के

अवसर पर शामिल होकर माथा टेकने का सौभाग्य मिला। मीरी-पीरी के मालिक श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के इस पवित्र स्थान पर नतमस्तक होकर मैंने बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाकर सेवा करने का बल बख्शने के लिए गुरु साहिब का धन्यवाद किया। इस अवसर पर मैंने पंजाब की चढ़ती कला, सर्वत्त के भले और सूबे को एक बार फिर से %रंगला पंजाब% बनाने की क्षमता और समझ बख्शने का आशीर्वाद मांगा और अरदास की कि गुरु साहिब सब पर अपनी कृपा बनाए रखें। संगत में मौजूदगी दर्ज कराने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब भर की समस्त सिख संगत ऐतिहासिक कानून, जो श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी की घटनाओं पर रोक लगाएगा, के पारित होने पर खुशी और संतुष्टि व्यक्त कर रही है।

शेष पृष्ठ 3 पर

• तमिलनाडु ट्रांसफार्मर खरीद घोटाला केस

सुप्रीम कोर्ट का हाईकोर्ट के आदेश पर हस्तक्षेप करने से इनकार

• सीबीआई ही करेगी जांच

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें तमिलनाडु के पूर्व बिजली मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के कार्यकाल के दौरान 2021 से 2023 के बीच किए गए ट्रांसफार्मर खरीद में कथित तौर पर 397 करोड़ रुपए की अनियमितताओं की सीबीआई जांच का दिया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के सीबीआई जांच के आदेश को चुनौती देने वाली तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन (टैंगेडको) के वित्तीय नियंत्रक वी कासी द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को खारिज कर दिया। सुनवाई के दौरान टैंगेडको के अधिकारी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने तर्क दिया कि मद्रास हाई कोर्ट के समक्ष सीबीआई जांच की मांग करते हुए कोई विशिष्ट अपील नहीं की गई थी, और उन्होंने दावा किया कि कार्यवाही राजनीतिक रूप से प्रेरित थी।

दवे ने कहा, 'हाईकोर्ट के समक्ष सीबीआई जांच की कोई अर्जी नहीं थी। यह राजनीतिक रूप से प्रेरित मामला है।' हालांकि, जस्टिस

विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने टिप्पणी की कि यदि परिस्थितियां ऐसी आवश्यक हों तो संवैधानिक न्यायालय को स्वतंत्र जांच का निर्देश देने का अधिकार है। उन्होंने कहा, 'हमें किसी अर्जी की जरूरत नहीं है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि अदालत क्या सोचती है।' सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा, 'हम विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं।'

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षणों को 'ऑपरेशन शक्ति' नाम दिया था

एजेंसी
गिर सोमनाथ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही उसे दबाव में ला सकती है। उन्होंने कहा कि 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की अटल राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय कराया था।

गुजरात के सोमनाथ मंदिर में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में पहले तीन परमाणु परीक्षण किए थे और उसके बाद दुनिया भर की शक्तियों ने भारत पर विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लगाए थे। उन्होंने कहा, '11 मई के बाद दुनिया हम पर टूट पड़ी थी, लेकिन 13 मई को भारत ने दो और परमाणु परीक्षण किए। इससे दुनिया को पता चला कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी अटल है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह दिखाया था कि भारत के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। मोदी ने कहा, 'दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती, दबाव में नहीं ला सकती। 'प्रधानमंत्री ने कहा कि

भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षणों को 'ऑपरेशन शक्ति' नाम दिया था, क्योंकि शिव और शक्ति की आराधना भारत की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि यही विचार देश की वैज्ञानिक प्रगति का भी प्रेरणास्रोत बना। मोदी ने कहा कि सोमनाथ अमृत महोत्सव केवल अतीत का उत्सव नहीं, बल्कि अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का पर्व है। उन्होंने कहा कि 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद 1951 में सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के समय सरदार वल्लभभाई पटेल ने 500 से अधिक रियासतों का एकीकरण कर आधुनिक भारत की नींव रखी और सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के जरिए दुनिया को संदेश दिया कि भारत केवल स्वतंत्र ही नहीं हुआ, बल्कि अपनी प्राचीन गौरवशाली विरासत को पुनर्स्थापित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इतिहास में महमूद गजनवी और अलाउद्दीन खिलजी जैसे कई आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर को नष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन यह मंदिर हर बार फिर खड़ा हो गया। मोदी ने कहा कि आक्रांता भारत की वैचारिक शक्ति को समझ नहीं सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में उन्हें मंदिर और क्षेत्र की सेवा का अवसर मिला और अब देशभर के तीर्थ स्थलों के विकास का जो अवसर मिल रहा है, वह भगवान सोमनाथ की कृपा है।

शुभेंदु अधिकारी पीए हत्या के तीन आरोपितों को 13 दिनों की सीआईडी हिरासत

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में पुलिस ने बिहार और उत्तर प्रदेश से तीन शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों को सोमवार को उत्तर 24 परगना जिला स्थित बारासात एसीजेएम अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने इन्हें 13 दिनों की सीआईडी हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सीआईडी आरोपितों से पूछताछ कर हत्या की साजिश, फंडिंग, हथियार सप्लाई और संभावित मास्टरमाइंड के बारे में जानकारी जुटाएगी।आरोपितों में एक को बिहार के बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र से पकड़ा गया, जबकि दो को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल पुलिस, बिहार पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस संयुक्त रूप से मामले की जांच में जुटी हुई हैं।जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपितों ने टोल प्लाजा पर ऑनलाइन पेमेंट किया था। इसी डिजिटल लेनदेन के आधार पर पुलिस को आरोपितों तक पहुंचने में सफलता मिली।

असम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का 12 मई को शपथ ग्रहण समारोह

• प्रधानमंत्री सहित कई दिग्गज होंगे

एजेंसी
गुवाहाटी। असम के नव नियुक्त मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां बड़े स्तर पर की जा रही हैं। यह भव्य आयोजन 12 मई को आयोजित होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, 22 राज्यों के मुख्यमंत्री, कई केंद्रीय मंत्री, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शीर्ष नेता तथा बड़े उद्योगपति शामिल होने की संभावना है।

इस अवसर पर असम में भाजपा और राजग के बूथ अध्यक्षों के साथ-साथ पंचायत स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है, जिससे कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप मिला है। आमंत्रित प्रमुख अतिथियों में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा एवं

उपमुख्यमंत्री प्रेस्टन टाइनसोंग, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो एवं उपमुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग सहित भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ मंत्री शामिल हैं।

पंजाब में भाजपा के कई कार्यालयों में तोड़फोड़ व हमला

एजेंसी
चंडीगढ़। पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद पंजाब की स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। रविवार को पंजाब के कई जिलों में आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं तथा भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच टकराव की स्थिति पैदा होने के बाद सोमवार को सीमावर्ती जिला तरनतारन तथा राजधानी चंडीगढ़ से सटे मोहाली जिले में भाजपा कार्यालयों में तोड़फ़ोड़ की गई। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने स्थिति को संभाला। सीमावर्ती जिला तरनतारन में आज भाजपा कायार्लय पर हमला हुआ है। 15 से 20 लोग अचानक ऑफिस में लाठी-डंडे लेकर दाखिल हुए और तोड़फ़ोड़ की। कुर्सियां और अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया व नारेबाजी भी की। इस दौरान कुछ पत्थर फेंकते दिखे। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। भाजपा जिला प्रधान हरजीत सिंह संधू ने बताया कि वह किसी प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे थे, तभी 15 से 20 लोग ऑफिस में घुस आए। उन्होंने कहा कि हमलावर लगातार नारेबाजी कर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे थे।

केवल मंदिरों की दीवारों में नहीं, बल्कि भारत की चेतना में बसता है सनातन: योगी

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में आयोजित सोमनाथ संकल्प महोत्सव में बोले मुख्यमंत्री

एजेंसी
वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि 1000 वर्ष पूर्व विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी सहित अन्य विदेशी आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर 17 बार आक्रमण कर उसके वैभव को खंडित करने का प्रयास किया

था। क्योंकि उन्हें यह भ्रम था कि मूर्तियों को खंडित करके इसके वैभव को लूट कर भारत की सनातनी आत्मा को सदैव के लिए समाप्त कर सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद भारत की सनातनी परंपरा और सांस्कृतिक चेतना आज भी पूरी शक्ति के साथ जीवित है। मुख्यमंत्री सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी के त्रयंबकेश्वर बहुउद्देशीय हाल में आयोजित सोमनाथ संकल्प महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, अटूट आस्था की गौरव गाथा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने सोमनाथ मंदिर पर हुए विदेशी आक्रांताओं के हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि सिर्फ सोमनाथ महादेव मंदिर पर ही नही भारत के हजारों धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के साथ काशी विश्वनाथ धाम पर भी हमला हुआ। इसके बावजूद भारत की सनातनी परंपरा और सांस्कृतिक चेतना आज भी पूरी शक्ति के साथ जीवित है। जिन्होंने सनातन को मिटाने का प्रयास किया, आज वे खुद मिट्टी में मिल चुके हैं।

> • मुख्यमंत्री ने महोत्सव में कहा कि मुहम्मद गौरी और औरंगजेब जैसे आक्रांताओं का अब कोई नाम लेने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर गुलामी का ढांचा यहां खड़ा किया, लेकिन वे भारत की आत्मा को नहीं तोड़ पाया। आक्रांता समझ ही नहीं पाए कि सनातन केवल मंदिरों की दीवारों में नहीं, बल्कि भारत की चेतना में बसता है।

चंबा में गहरी खाई में गिरी कार, 6 लोगों की मौत, 4 गंभीर

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार तड़के सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तुनुहट्टी क्षेत्र के काकीरा घार के पास रात करीब तीन बजे हुआ, जब धर्मशाला से डलहौजी की ओर जा रही एक टैक्सी इनोवा अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरूआती जानकारी के मुताबिक वाहन में कुल दस लोग सवार थे। इनमें अधिकांश पर्यटक गुजरात के बताए जा रहे हैं। हादसे के समय क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी, जिसके चलते सड़क पर फिसलन थी। आशंका जताई जा रही है कि खराब मौसम और फिसलन हादसे का कारण हो सकती है। लोगों ने हादसे की आवाज सुनकर तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे और अंधेरे व बारिश के बीच राहत कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद घायलों और शवों को खाई से बाहर निकाला। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत के चलते मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन मंडी नंबर की टैक्सी इनोवा थी। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। एसपी ने कहा कि विजय कुमार सकलानी ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

राहुल गांधी मानहानि मामले में बहस टली, अब 21 मई को सुनवाई

सुलतानपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े बहुचर्चित मानहानि मामले में सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के दौरान बहस नहीं हो सकी। मामले की सुनवाई मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में हुई, जहां परिवादी पक्ष की ओर से वॉयस सैंपल की मांग खारिज किए जाने के आदेश को सेशन कोर्ट में चुनौती देने हेतु समय मांगा गया। परिवादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अदालत में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर रिवीजन दाखिल करने के लिए अवसर देने की मांग की। वहीं बचाव पक्ष के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने बताया कि अदालत ने परिवादी को एक अवसर प्रदान करते हुए मामले की अगली सुनवाई एवं बहस के लिए 21 मई की तारीख नियत की है। मामला वर्ष 2018 में बेंगलुरु में आयोजित एक जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। भाजपा नेता विजय मिश्र द्वारा इस संबंध में सुलतानपुर की अदालत में मानहानि वाद दायर किया गया था। उल्लेखनीय है कि मामले में राहुल गांधी पूर्व में अदालत में पेश होकर जमानत ले चुके हैं तथा उनका बयान भी दर्ज किया जा चुका है। अब अदालत में 21 मई को आगे की सुनवाई होगी।

चुनाव खत्म होते ही पीएम को याद आया 'संकट' : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जनता से कम खर्च करने और खाने के तेल की खपत कम करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर तंज करते हुए सोमवार को कहा कि यह गुजारिश सरकार की अपनी असफलता की 'स्वीकारोक्ति' है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तेलंगाना में एक रैली में आम जनता से पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे हालात में ईंधन का समझदारी से इस्तेमाल करने और सोने की खरीद तथा विदेश यात्रा को एक साल के लिए टालने जैसे कई उपाय सुझाए जाने पर तंज करते हुए 'एक्स' पर कहा कि चुनाव ख़त्म होते ही, 'संकट' याद आ गया! दरअसल देश के लिए 'संकट' सिर्फ़ एक है और उसका नाम है-'भाजपा'। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी सारी पाबंदियां लगानी पड़ीं तो 'पांच ट्रिलियन डॉलर की जुमलाई अर्थव्यवस्था' कैसे बनेगी? लगता है भाजपा सरकार के हाथ से लगाम पूरी तरह छूट गयी है। डॉलर आसमान छू रहा है और देश का रुपया पातालोन्मुखी हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सोना न खरीदने की अपील जनता से नहीं, भाजपाइयों को अपने भ्रष्ट लोगों से करनी चाहिए क्योंकि जनता तो वैसे भी 1.5 लाख तोले का सोना नहीं खरीद पा रही है। भाजपाई ही अपनी काली कमाई का स्वर्णीकरण करने में लगे हैं। हमारी बात गलत लग रही हो तो 'लखनऊ से लेकर गोरखपुर' तक पता कर लीजिए या 'अहमदाबाद से लेकर गुवाहाटी' तक। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वैसे सारी पाबंदियां चुनाव के बाद ही क्यों याद आईं है? भाजपाइयों ने चुनाव में जो हजारों चार्टर हवाई यात्राएं कीं वो क्या पानी से उड़ रहीं थीं? वो क्या होटलों में नहीं ठहर रहे थे या सिलेंडर की फोटो लगाकर खाना बनाकर खा रहे थे? भाजपाइयों ने चुनाव में वीडियो कॉन्फ्रेंस से ही प्रचार क्यों नहीं किया? सारी पाबंदियां जनता के लिए ही हैं क्या? उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील की आलोचना करते हुए कहा कि ये अपील भाजपा सरकार की अपनी असफलता की स्वीकारोक्ति है। दरअसल वोट मिलते ही भाजपा का खोट सामने आ गया।

धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में तीन शिक्षक निलंबित

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित पीएमश्री स्कूल के तीन शिक्षकों को परिसर में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोपों में निलंबित कर दिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने जलाब सराय गांव में हुई आधिकारिक जांच के बाद प्रधानाचार्य मोहम्मद अंजर अहमद, कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वलेश कुमार और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक शिक्षकों पर स्कूल के अंदर धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और हिंदू छात्रों को टोपी पहनने के लिए कहने और लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप है। इन आरोप में लिप्त होने पर एफआईआर दर्ज की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह विवाद 7 मई को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद, संभल ब्लॉक के शिक्षा अधिकारी अंशुल कुमार ने मामले की जांच के लिए 8 मई को स्कूल का दौरा किया। छात्रों के बयान दर्ज किए गए और बाद में बीएसए को रिपोर्ट सौंपी, जिसके आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वालेश कुमार को वरिष्ठ अधिकारियों को गतिविधियों के बारे में सूचित करने में विफल रहने और अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन न करने के आरोप में निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य मोहम्मद अंज़ार अहमद और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज़ दोनों विद्यालय परिसर में अनुपस्थित पाए गए।

क्या खाली है तमिलनाडु का खजाना.... यहां थलापति कर रहे राजनैतिक बयानबाजी

पूर्व सीएम स्टालिन ने दावों पर उठाए सवाल

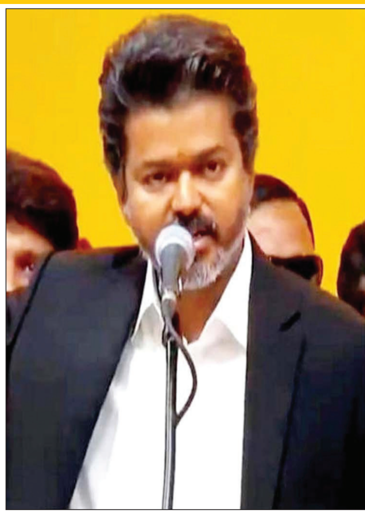

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्री विजय थलापति पहले दिन से ही चुनौतियों और आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम् को लेकर उठे विवाद के बाद, दूसरा और बड़ा मुद्दा राज्य की आर्थिक स्थिति पर उनके दावे से शुरू हुआ है। नए मुख्यमंत्री बने विजय ने आरोप लगाया है कि पूर्ववर्ती डीएमके सरकार ने राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज छोड़ा है और सरकारी खजाने को पूरी तरह से खाली किया है। इन दावों पर पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने तीखा पलटवार कर कहा कि प्रदेश की नई सरकार के पास पैसा है, बस लोगों तक पहुंचाने की इच्छाशक्ति और शासन चलाने की क्षमता की कमी है।

राज्य की राजनीति में नई सरकार आने के बाद पूर्ववर्ती सरकार पर खजाना खाली करने का आरोप लगाना कोई नई बात नहीं है। इसके पहले भी सत्ता में आने वाली डीएमके सरकार ने अपनी पूर्ववर्ती एआईएडीएमके सरकार पर इसतरह के आरोप लगाए थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सच में तमिलनाडु की आर्थिक स्थिति उतनी खराब है जितनी सीएम विजय ने बात दी है, या यह केवल राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा है?

दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु पर भारत के सभी राज्यों में सबसे ज्यादा कर्ज है। वर्ष 2025 के अंत तक, राज्य पर करीब 9.56 लाख करोड़ रुपये की उधारी का अनुमान है। यह पिछले कई वर्षों के दौरान विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा लिया गया कर्ज है। हालांकि, तमिलनाडु देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है, जिसकी विकास दर 2011 के जीडीपी वर्ष आधार पर 10.8 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 11.2 प्रतिशत हो गई है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य इस कर्ज को संभालने और चुकाने की मजबूत क्षमता रखता है।

इसके बाद विशेषज्ञों के अनुसार, मुख्यमंत्री थलापति की सरकार की वास्तविक चिंता कर्ज की मात्रा से अधिक, वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे अनिवार्य खर्चों का बढ़ता बोझ है। एक रिपोर्ट में प्रकाशित पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के विश्लेषण के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में राज्य की अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का लगभग 62 प्रतिशत इन्हीं अनिवार्य खर्चों में जाने का अनुमान है, जिससे विकास कार्यों पर खर्च के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है।

लेकिन विडंबना यह है कि थलापति ने स्वयं चुनावी घोषणापत्र में हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसे कई कल्याणकारी वादे किए हैं, जो उनके सरकारी खर्चे को और भी बढ़ाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में तमिलनाडु पहले ही सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं पर 72,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने की योजना बना चुका है, जो सड़क और बुनियादी ढांचे जैसी विकास परियोजनाओं के लिए निर्धारित राशि से भी अधिक है। अनुमान है कि विजय के सभी चुनावी वादों को पूरा करने से राज्य पर वार्षिक कल्याणकारी खर्च लगभग 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

वहीं तमिलनाडु का खजाना भले ही पूरी तरह से खाली न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से गंभीर वित्तीय दबाव में है। मुख्यमंत्री थलापति को न केवल पूर्ववर्ती सरकार द्वारा छोड़ी गई विरासत का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि अपने स्वयं के चुनावी वादों को पूरा करने के लिए भी एक ठोस वित्तीय रणनीति बनानी होगी, जो राज्य के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बीच संतुलन बिठा सके।

शुभेंदु के पीए की हत्या : बक्सर से विशाल श्रीवास्तव को किया गिरफ्तार

यूपीआई भुगतान से खुला हत्यारों का राज

बक्सर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की सनसनीखेज हत्या के मामले में जांच तेज करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बिहार के बक्सर में बड़ी कार्रवाई की है। एसटीएफ की टीम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेयपट्टी निवासी कुख्यात अपराधी विशाल श्रीवास्तव को हिरासत में लिया है और उसे पूछताछ के लिए कोलकाता ले गई है। विशाल के खिलाफ हत्या, मारपीट और आर्म्स एक्ट जैसे करीब एक दर्जन गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। सूत्रों के अनुसार, एसटीएफ को संदेह है कि चंद्रनाथ रथ की हत्या की साजिश और इसे अंजाम देने से जुड़े कई अहम राज विशाल के पास हो सकते हैं। हालांकि, बक्सर के एसपी शुभम आर्य ने इस पर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की, लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि की है कि पश्चिम बंगाल से आई टीम ने

छापेमारी कर विशाल को हिरासत में लिया है। इस बीच, जांचकर्ताओं को हावड़ा के बल्ली टोल प्लाजा से एक बेहद महत्वपूर्ण सुराग मिला है। वारदात में इस्तेमाल की गई संदिग्ध कार हमले से कुछ देर पहले टोल प्लाजा से गुजरी थी, जहाँ उसमें सवार लोगों ने यूपीआई के माध्यम से टोल का भुगतान किया था। इस डिजिटल ट्रांजैक्शन ने पुलिस को संदिग्धों के मोबाइल नंबर तक पहुँचा दिया है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज में हमलावरों और वाहन की स्पष्ट तस्वीरें भी कैद हुई हैं। ज्ञात हो कि चंद्रनाथ रथ की हत्या 6 मई की रात कोलकाता हवाई अड्डे के समीप मध्यमग्राम के दोहरिया लेन में उस वक्त कर दी गई थी, जब वे अपनी एसयूवी से लौट रहे थे। हमलावरों ने सिल्वर रंग की कार से उनका रास्ता रोका और फिर दोपहिया वाहनों पर सवार होकर आए शूटर्स ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। जांच में पता चला है कि इस हत्याकांड में ऑस्ट्रिया निर्मित अत्याधुनिक ग्लॉक 47 एक्स पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया है, जिसने राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। सीआईडी और एसटीएफ की संयुक्त एसआईटी इस कोण से भी जांच कर रही है कि क्या इस हत्याकांड के पीछे कोई विदेशी नेटवर्क शामिल है, जिसने बांग्लादेश के रास्ते हथियारों की आपूर्ति की हो। विशाल श्रीवास्तव की गिरफ्तारी इस केस की गुत्थी सुलझाने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

रेल मंत्री का बड़ा दावा: बुलेट ट्रेन खत्म करेगी छोटे रूटों पर हवाई सफर

-अश्विनी वैष्णव के बयान ने बढ़ा दी एयरलाइंस के लिए चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आने वाले वर्षों में, भारत का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क कई छोटे घरेलू हवाई मार्गों पर हवाई यात्रा को करीब-करीब समाप्त कर देगा। सीआईआई बिजनेस समिट में रेल मंत्री वैष्णव ने एयरलाइन निवेशकों को आगाह कर संकेत दिया कि मुंबई-पुणे, हैदराबाद-बेंगलुरु और बेंगलुरु-चेन्नई जैसे प्रमुख रूटों पर यात्री अब फ्लाइट के बजाय बुलेट ट्रेन को प्राथमिकता देने वाले है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव का तर्क है कि जिस तरह जापान, चीन और दक्षिण कोरिया में हाई-स्पीड रेल ने घरेलू विमानन बाजार को पूरी तरह बदल दिया है, ठीक उसी तरह भारत में भी एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा।

केंद्रीय रेल मंत्री के अनुसार, मुंबई से पुणे की दूरी बुलेट ट्रेन से केवल 48 मिनट में तय होगी। इसी तरह, पुणे से हैदराबाद की यात्रा 1 घंटा 55 मिनट में, हैदराबाद से बेंगलुरु की यात्रा 2 घंटे 8 मिनट में और बेंगलुरु से चेन्नई की यात्रा महज 78 मिनट में पूरी होगी। इतनी कम यात्रा अवधि के साथ, लोग हवाई अड्डों पर लंबी सुरक्षा जांच, शहर के ट्रैफिक और उड़ानों में होने वाली देरी जैसी परेशानियों से बचने के लिए बुलेट ट्रेन को कहीं अधिक सुविधाजनक पाएंगे। उन्होंने विश्वास जताकर कहा कि भविष्य में इन रूटों पर 99 प्रतिशत यात्रा रेलवे के माध्यम से ही होगी, जिससे हवाई यात्रा की प्रासंगिकता करीब खत्म हो जाएगी। रेल मंत्री वैष्णव ने इस महत्वाकांक्षी योजना के वित्तीय पहलू पर भी प्रकाश डाला, बताया कि भारत सरकार बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर करीब 16 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रही है। इस परियोजना का एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय कंपनियों और सप्लायर्स को मिलेगा, जिससे देश में रोजगार के नए मौके पैदा होने और विनिर्माण क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री-नेताओं के काफिले पर पाबंदी, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद हों

-पीएम मोदी की अपील पर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर, कर दी तीन मांगें

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनियाभर में जारी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में पीएम मोदी ने देशवासियों से सामूहिक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ईंधन का संयमित उपयोग किया जाए, साथ ही अगले एक साल तक सोने की खरीद न की जाए। पीएम मोदी की इस अपील पर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) गुट की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी पीएम मोदी का नाम न लेते हुए कहा कि सेंट्रल एशिया में जारी संघर्ष को संभालने में नीतिगत विफलता के चलते चुनाव संबंधी निर्णयों का बोझ अब नागरिकों पर नहीं डाला जा सकता और उनसे तेल बचाने या यात्रा कम करने को नहीं कहा जा सकता। चतुर्वेदी ने कहा कि नागरिक पहले से ही इस सरकार के चुनावी नीतियों पर केंद्रित शासन और पुरस्कार बटोरने वाली विदेश नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। इसके साथ

शिवसेना नेता अपने एक्स से देश वासियों को कुछ सुझाव भी शेयर किए, जिनमें मंत्री और नेताओं के लंबे काफिले पर पाबंदी लगाना, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद करना, बड़े शपथ ग्रहण समारोह पर पाबंदी हो, सिर्फ उब्ल्यूएचएफ यानी वॉच फ्रॉम होम करना शामिल है।

बता दें पीएम मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया आर्थिक उथल-पुथल, सप्लाई चेन में व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों से जूझ रही है, जिसका असर बढ़ती महंगाई के रूप में सामने आ रहा है। ऐसे समय में भारत को मजबूत बनाए रखने के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद जरूरी है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी दैनिक आदतों में बदलाव लाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। उन्होंने लोगों से एक साल तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने का आग्रह किया, ताकि विदेशी मुद्रा के अनावश्यक बहिर्वाह को रोका जा सके। साथ ही उन्होंने पेट्रोल और डीजल के संयमित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तेल की बचत से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। निजी वाहनों के इस्तेमाल में कार-पूलिंग अपनाएं। माल ढुलाई के लिए रेल परिवहन को प्राथमिकता दें और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दें। पीएम मोदी ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनाए गए कार्यकुशल उपायों को दोबारा लागू करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वर्क-फ्रॉम-होम, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस और वर्चुअल बैठकों जैसी व्यवस्थाएं न केवल समय और संसाधनों की बचत करती हैं, बल्कि ईंधन की खपत भी कम करती हैं।

प्रधानमंत्री ने लोगों से रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं, जैसे जूते, बैग और अन्य सामान, के लिए स्थानीय और 'मेड-इन-इंडिया' उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल देश में रोजगार बढ़ेगा, बल्कि विदेशी आयात पर निर्भरता भी कम होगी। पीएम मोदी ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को 50 फीसदी तक कम करने और प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील की।

कहीं आंधी-बारिश और ओलावृष्टि तो कहीं हीटवेव की चेतावनी

उत्तर भारत में फिर करवट ले रहा मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में दोपहर के समय बढ़ती तपिश के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आज से 14 मई के बीच उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में बारिश, कड़कती बिजली और 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज आंधी का नया दौर शुरू होगा। पश्चिमी विक्षोभ और अन्य भौगोलिक कारणों से होने वाले इस बदलाव से जहां कुछ राज्यों को गर्मी से राहत मिलेगी, वहीं कई हिस्सों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आज से 14 मई के दौरान व्यापक स्तर पर बारिश और गरज के साथ बिजली चमकने का अनुमान है। विशेष रूप से सोमवार और मंगलवार को जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में, और 12 व 13 मई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 11 से 14 मई और उत्तर प्रदेश में 12 से 14 मई के बीच बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

एक तरफ जहां उत्तर भारत में बारिश की तैयारी है, वहीं दूसरी ओर 15 मई तक पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में भीषण हीटवेव (लू) चलने की आशंका है। दक्षिण भारत की बात करें तो अगले सात दिनों तक केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। 11 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की भी संभावना है, जिसका असर तटीय क्षेत्रों के मौसम पर पड़ेगा।पूर्वोत्तर भारत और पूर्वी राज्यों में भी मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेगा। असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15 मई तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। बिहार, झारखंड, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के मैदानी इलाकों में भी गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति की सबसे अस्वीकृत वस्तु : फडणवीस का तीखा हमला

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला कर उन्हें भारतीय राजनीति में सबसे अस्वीकृत वस्तु करार दिया। सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी को सभी राज्यों के मतदाताओं ने बार-बार नकारा है, जबकि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह आलोचना राहुल गांधी द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों की आलोचना करने के बाद की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी भारतीय राजनीति में सबसे ज्यादा नकारे गए व्यक्ति हैं, हर राज्य में सभी ने उन्हें नकार दिया है। उन्होंने गांधी को एक ऐसा उत्पाद जो कि जनता ने किनारे कर दिया है। फडणवीस ने जोर दिया कि लोकतंत्र में केवल वही मायने रखता है जिसे जनता स्वीकार करती है, और राहुल गांधी जैसे लगातार नकारे जा रहे व्यक्ति को कोई महत्व नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रधानमंत्री मोदी के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्हें बार-बार अपना आशीर्वाद देता है।

ये टिप्पणियाँ प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों पर राहुल गांधी की आलोचना के बाद आईं, जो पश्चिम एशिया संकट के जवाब में की गई थीं। पीएम मोदी की अपीलों में खाद्य तेल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और प्राकृतिक खेती अपनाने जैसे अनुरोध शामिल थे, जिनका उद्देश्य वैश्विक आर्थिक दबावों से निपटना था। राहुल गांधी ने पोस्ट में इन अपीलों को उपदेश के बजाय विफलता करार दिया था। उन्होंने प्रधानमंत्री को समझौतावादी बताकर अपनी आलोचना तेज की और दावा किया कि देश का शासन अब उनके नियंत्रण में नहीं है।

इस बीच, दिल्ली में आयोजित सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 में फडणवीस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के अगले युग के लिए महाराष्ट्र की तैयारियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई और भविष्य के विकास के लिए बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और विनिर्माण पर महाराष्ट्र के विशेष ध्यान पर जोर दिया।

बंगाल चुनाव हार पर टीएमसी का नया दावा: एसआईआर के कारण गई 31 सीटें

अदालत ने दिया अलग याचिका का सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद सत्ता से बाहर हुई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सुप्रीम कोर्ट में नतीजों को लेकर एक नया दावा पेश किया है। ममता की पार्टी ने सोमवार को एसआईआर (स्ट्राइक-आउट, इनएलिजिबल और रिजेक्टेड) से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इसी प्रक्रिया के चलते 31 सीटों पर चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ और पार्टी को हार का सामना करना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार के लिए पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील में कहा कि इन 31 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का अंतर एसआईआर में हटाए गए मतदाताओं की संख्या से भी कम है। उन्होंने कहा कि यदि एसआईआर के कारण मतदाताओं का नाम सूची से नहीं हटाया जाता, तब इन सीटों का परिणाम निश्चित रूप से कुछ और हो सकता था और इससे चुनाव का रुख बदल सकता था। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कई सीटें ऐसी भी हैं, जहां कटे हुए वोटों की संख्या और जीत का अंतर करीब बराबर है। उन्होंने कहा कि एक सीट पर, तब तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार मात्र 862 वोटों से हार गया, जबकि उसी सीट पर एसआईआर प्रक्रिया के तहत 5432 वोट हटा दिए गए थे।

तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि राज्य के चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच कुल 32 लाख वोटों का अंतर रहा है, जबकि वोटर सूची से नाम हटाने संबंधी 35 लाख अपीलें फिलहाल विभिन्न न्यायाधिकरणों (ट्राइब्यूनल्स) के समक्ष लंबित हैं, जिन पर अभी फैसला आना बाकी है। ममता के वकील ने इस दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची की एक पुरानी टिप्पणी का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि डिलीट हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा रहती है, तब इसतरह के मामलों का न्यायिक परीक्षण अवश्य किया जाना चाहिए। इन दलीलों पर सुनवाई कर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने टीएमसी को सलाह दी है कि वे इस मामले को लेकर अलग से याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट बेंच ने स्पष्ट रूप से कहा कि ममता बनर्जी सहित इन 31 सीटों के सभी उम्मीदवार इस दावे के साथ अलग से याचिकाएं दायर कर सकते हैं। अदालत ने ममता बनर्जी का नाम विशेष रूप से इसलिए लिया क्योंकि भवानीपुर सीट भी उन्हीं सीटों में शामिल है, जहां एसआईआर में कटे वोटों से जीत का अंतर कम बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल 294 सीटों में से 207 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया था और राज्य में पहली बार सरकार बनाई। इस जीत को भाजपा ने एक ऐतिहासिक सफलता माना था। हालांकि, अब टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी हार के पीछे एसआईआर प्रक्रिया को एक बड़ा कारण बताते हुए कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है।

चार घंटे की आग, मेहनत पानी, चपेट में आए फ्लैटों में रखी गृहस्थी हुई राख

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसायटी में लगी आग ने सिर्फ घरों की दीवारें और सामान ही नहीं जलाया, बल्कि कई परिवारों की भविष्य की योजनाओं और सपनों को भी राख में बदल दिया। आग की चपेट में आए सात फ्लैटों में से छह में परिवार रह रहे थे। अब ये परिवार रिश्तेदारों के यहां शरण लेने के लिए मजबूर हैं। इन फ्लैटों में रहने वाले परिवारों ने अपनी जिंदगी की जमा पूंजी लगाकर घर बनाए थे। हर कमरे में जरूरत और पसंद का सामान धीरे-धीरे जोड़ा गया था। कुछ ही मिनटों में इन घरों का फर्नीचर, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, जरूरी दस्तावेज, बच्चों की किताबें सब कुछ जलकर खाक हो गया। कई परिवारों के आधार कार्ड, पासपोर्ट, शैक्षणिक प्रमाण पत्र और बैंक से जुड़े दस्तावेज भी आग में जल गए। आग बुझने के बाद जब लोग अपने फ्लैटों में लौटे तो सामने सिर्फ जली हुई दीवारें और राख का ढेर था। जिन घरों में सुबह तक सामान्य दिनचर्या चल रही थी, वहां अब सन्नाटा पसरा हुआ था। कई लोग अपने जले हुए घरों के बाहर खड़े होकर रोते नजर आए। कोई राख में अपना सामान ढूंढ रहा था तो कोई खामोशी से टूटे सपनों को देख रहा था। फ्लैट संख्या 1145 में रहने वाले डॉ. डार सिंह ने बताया कि घर बनाने में वर्षों लग जाते हैं लेकिन एक झटके में सब खत्म हो गया। अब फिर से शुरुआत कैसे होगी, समझ नहीं आ रहा। फ्लैट संख्या 942 भी आग की भेंट चढ़ गया। इसके मालिक अनूप शर्मा ने बताया कि लंबे समय से फ्लैट को सजाने-संवारने में लगे थे लेकिन अब सब राख हो चुका है। फ्लैट संख्या 1043 के मालिक अशोक कुमार वर्मा ने भी हादसे में सब खो दिया। कमल पालीवाल के सामने वाले फ्लैट संख्या 942 में रहने वाली रुचि शर्मा ने बताया कि उन्हें लगभग साढ़े आठ बजे सोसायटी में ही रहने वाली एक दोस्त ने फोन करके आग की सूचना दी। उस समय वह बच्चों को स्कूल भेजने की तैयारी कर रही थीं। उन्होंने दरवाजा खोला तो सामने वाले फ्लैट से आग की तेज लपटें उनकी ओर आईं। पिता ने उन्हें पकड़कर पीछे खींचा और दरवाजा बंद किया। उन्होंने बताया कि आग की लपटें इतनी तेज थी कि पिता उन्हें पीछे नहीं खींचते तो वह झुलस जातीं।

मयूर विहार इलाके में युवक को चाकू से हमला कर किया घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के मयूर विहार इलाके में देर रात चाकूबाजी की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। दो लोगों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसे गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना 30 अप्रैल की रात को हुई है। इस संबंध में करीब 10 बजे मयूर विहार पुलिस स्टेशन में कॉल आई। पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और अस्पताल गए। घायल व्यक्ति की मेडिकल जांच की गई और बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया।

हौज खास डियर पार्क से घटाई जाए हिरणों की भीड़, सुप्रीम कोर्ट का अहम आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के हौज खास स्थित ए एन झा डियर पार्क में हिरणों की बढ़ती संख्या और सीमित संसाधनों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश जारी किया है। 27 अप्रैल को दिए गए फैसले में अदालत ने स्पष्ट किया कि पार्क में अधिकतम 38 हिरण ही रखे जा सकते हैं, जबकि शेष को चरणबद्ध तरीके से उपयुक्त वन्यजीव अभयारण्यों में स्थानांतरित किया जाएगा। यह प्रक्रिया केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की निगरानी में तय वैज्ञानिक मानकों के अनुसार पूरी की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि हिरण जैसे वन्यजीवों को सामान्य परिस्थितियों में पिंजरों या सीमित बाड़ों में रखना न तो कानूनी रूप से उचित है और न ही पारिस्थितिक दृष्टि से। अदालत ने कहा कि केवल अत्यंत विशेष परिस्थितियों में ही ऐसी व्यवस्था स्वीकार्य हो सकती है। यह टिप्पणी वन्यजीव संरक्षण के व्यापक सिद्धांतों को रेखांकित करती है, जिनमें जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित रखना प्राथमिकता माना जाता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व आदेश को बरकरार रखते हुए उसे अंतिम रूप दे दिया। अदालत ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को निर्देश दिया कि वह पार्क में बचे हिरणों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित स्टाफ सुनिश्चित करे। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि डियर पार्क का संरक्षित वन का दर्जा कायम रहना चाहिए और इसे किसी भी स्थिति में कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह सीईसी द्वारा तैयार किए गए वन्यजीव स्थानांतरण संबंधी वैज्ञानिक दिशानिर्देशों की समीक्षा करे और आवश्यक संशोधनों के साथ उन्हें छह महीने के भीतर लागू करने पर विचार करे। इन दिशानिर्देशों में पशुओं की पहचान और टैगिंग, सुरक्षित परिवहन, पशु चिकित्सा देखभाल, उपयुक्त आवास का चयन और स्थानांतरण के बाद निगरानी जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं। ये मानक अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ के दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं, जो वैश्विक स्तर पर वन्यजीव संरक्षण के लिए मान्यता प्राप्त संस्था है।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि डियर पार्क का मिनी जू का दर्जा केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण पहले ही रद्द कर चुका है और 2021 में इसका लाइसेंस समाप्त हो गया था। ऐसे में बिना वैध मान्यता के बड़ी संख्या में वन्यजीवों को रखना कानूनी रूप से भी उचित नहीं माना गया। सीईसी ने स्थानांतरण के लिए राजस्थान के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व और मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व का निरीक्षण भी किया है, जिन्हें संभावित पुनर्वास स्थलों के रूप में देखा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया तय मानकों के अनुसार और मानवीय तरीके से की जानी चाहिए।इस मामले में अगली सुनवाई 19 जनवरी 2027 को निर्धारित की गई है, जिसमें अदालत निर्देशों के पालन की स्थिति की समीक्षा करेगी। यह फैसला एक बार फिर इस सिद्धांत को मजबूत करता है कि वन्यजीवों का संरक्षण उनके प्राकृतिक आवास में ही सबसे प्रभावी और टिकाऊ तरीके से संभव है। अदालत ने 26 नवंबर 2025 को सीईसी को डियर पार्क का विस्तृत सर्वे करने का निर्देश दिया था। 6 मार्च 2026 को सौंपी गई रिपोर्ट में पार्क की वहन क्षमता (इकोलॉजिकल कैपेसिटी) यानी किसी क्षेत्र में सीमित संसाधनों के आधार पर कितने जीव सुरक्षित रह सकते हैं, का आकलन किया गया। रिपोर्ट में पाया गया कि हिरणों की संख्या अनियंत्रित रूप से बढ़ गई है, क्योंकि जन्म नियंत्रण और नसबंदी जैसे उपाय प्रभावी रूप से लागू नहीं किए गए। इसके अलावा चारे की उपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं और बाड़ों की स्थिति भी पर्याप्त नहीं पाई गई।

सरकारी स्कूल के 10 लाख छात्रों को एक महीने बाद भी नहीं मिलीं किताबें, हाईकोर्ट का शिक्षा सचिव को नोटिस

नई दिल्ली। कैसी विडंबना है कि सरकारी स्कूल के 10 लाख छात्रों को अभी तक किताबें नहीं मिली हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग के सचिव को अवमानना नोटिस जारी किया है। यह अवमानना नोटिस सरकारी स्कूलों के करीब 10 लाख छात्रों को पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध ना कराए जाने पर जारी किया है। दिल्ली हाईकोर्ट की एकलपीठ न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ सोशल ज्यूरिस्ट की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि कोर्ट के पिछले आदेशों और सचिव द्वारा दिए गए स्पष्ट वादों के बावजूद दिल्ली सरकार के स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक पढ़ने वाले लगभग 10 लाख छात्रों को नई शैक्षणिक सत्र 2026-27 शुरू होने के एक महीने बाद भी पाठ्यपुस्तकें और नोटबुक नहीं पहुंचाई गई हैं। अधिवक्ता अशोक अग्रवाल और कुमार उत्कर्ष ने याचिका में तर्क दिया कि कोर्ट के आदेशों की जानबूझकर अवहेलना की जा रही है, जिससे बच्चों की शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हो रही है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकारी स्टैंडिंग काउंसल से सवाल किया और गंभीर लापरवाही पर नाराजगी जताई। स्टैंडिंग काउंसल ने कोर्ट को बताया कि किताबें ग्रीष्म अवकाश शुरू होने से पहले सभी छात्रों को वितरित कर दी जाएंगी। कोर्ट ने इस सबमिशन को बाध्यकारी मानते हुए नोटिस जारी किया और जवाबदेह पक्षकारों को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। 8 अप्रैल 2024 को दिल्ली हाईकोर्ट ने सचिव (शिक्षा) के उस आश्वासन को रिकॉर्ड पर लिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि किताबें, नोटबुक, लेखन सामग्री और फर्नीचर सभी छात्रों को समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि फंड की कोई कमी नहीं है। इसके बाद 4 जुलाई 2024 के आदेश में कोर्ट ने शिक्षा निदेशालय को बुनियादी ढांचे से संबंधित सभी दिशानिर्देशों और समय-सीमाओं का पालन करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने इन वादों को स्वीकार कर निदेशालय को बाध्य किया। इसके बाद 22 अप्रैल 2024 को दाखिल हलफनामे और 9 मई 2024 की अनुपालन रिपोर्ट में विभाग ने कहा कि टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और किताबों का वितरण शुरू हो चुका है। सचिव (शिक्षा) ने 16 अप्रैल 2024 के पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किताबें मार्च के अंतिम सप्ताह या 1 अप्रैल को सत्र शुरू होते ही छात्रों को वितरित कर दी जाएं। शैक्षणिक सत्र को शुरू हो चुका है, लेकिन अब तक लाखों छात्रों को किताबें नहीं मिली हैं। स्कूल 9 मई को ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए बंद हो जाएंगे और एक जुलाई को ही दोबारा खुलेंगे। ऐसे में छात्र तीन महीने तक बिना किताबों के रह जाएंगे, जिससे बुनियादी साक्षरता-संख्यात्मकता पाठ्यक्रम पूरा करना और पढ़ाई की निरंतरता बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

सेना के जवान पर चाकू से हमला करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास एक बस स्टैंड पर सेना के जवान पर चाकू से हमला करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। चांदनी चौक इलाके में रहने वाले और दिल्ली के प्रह्लादपुर के मूल निवासी गणेश नामक एक व्यक्ति द्वारा किए हमले में जवान के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार 25 अप्रैल को शाम करीब सात बजे रात्रि गश्त पर तैनात दो पुलिस अधिकारियों ने चांदनी चौक इलाके में एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। पुलिस को देखते ही संदिग्ध ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसका पीछा किया। थोड़ी देर की मशक्कत के बाद उसे काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से बटन वाला चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि पुलिस को बताया कि उसने सेना के जवान पर भी हमला किया है। सेना का जवान जो राजस्थान जाने के लिए सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन जाने वाली बस में सवार हुआ था। बताया जाता है कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास बस के अंदर आरोपी और जवान के बीच कहासुनी हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने सेना के जवान पर चाकू से हमला किया, जिससे उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। उन्होंने बताया कि बाद में शिकायतकर्ता और प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोपी की पहचान कर ली।

कार की टक्कर से फ्लाईओवर से नीचे गिरा डिलीवरी एजेंट, अस्पताल में मौत; चालक फरार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली में गुरुवार सुबह एक फूड डिलीवरी एजेंट की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, उसकी स्कूटर को कथित तौर पर एक कार ने टक्कर मार दी, जिसके बाद वह डाबड़ी फ्लाईओवर से नीचे गिर गया। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार सुबह 7:35 बजे पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि पंखा रोड स्थित डाबड़ी फ्लाईओवर से एक व्यक्ति नीचे गिर गया है और उसे तुरंत चिकित्सा सहायता की जरूरत है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फ्लाईओवर पर एक क्षतिग्रस्त स्कूटर और कार मिली। स्कूटर सवार गंभीर रूप से घायल था, जिसे एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान झारखंड के गोड्डा जिले निवासी राजकुमार के रूप में हुई है। वह दिल्ली में एक निजी फूड डिलीवरी कंपनी में डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करता था। हादसे में शामिल कार का दिल्ली नंबर है और वह डाबड़ी निवासी एक व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया है और फरार चालक को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मोदी सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने आगे कहा कि ईश्वर का शुक्रिया अदा करने के लिए आज ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब का भोग डाला गया और वे संगत के साथ अरदास में शामिल होने के लिए यहां आए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून लागू होने के बाद पंजाब के लोग सूबे के कोने-कोने में धन्यवाद समारोह करवा रहे हैं क्योंकि यह कानून लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए रोजाना कई निमंत्रण मिल रहे हैं। उन्होंने कहा सर्वशक्तिमान ईश्वर ने मुझे जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम-2026, जो बेअदबी के लिए सख्त सजा का प्रावधान करता है, लागू करने का अवसर देकर मानवता की सेवा की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा पारित यह कानून यह सुनिश्चित करेगा कि अब भविष्य में कोई भी बेअदबी जैसा अक्षम्य अपराध करने की हिम्मत न करे। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की मान-मर्यादा और सम्मान को बनाए रखने के प्रति %आप% सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि बेअदबी की घटनाओं में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने पुष्टि की कि उनकी सरकार सिख मर्यादा और लोगों की भावनाओं के प्रति पूरी तरह से सुहृद है और यह कानून भविष्य में ऐसी घटनाओं के खिलाफ मजबूत निवारक के रूप में काम करेगा। प्रधानमंत्री द्वारा लोगों से की गई हालिया अपीलों के संबंध में एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जुमलों के बादशाह को देश के सामने सच बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि देश की लगाम आज व्हाइट हाउस के हाथ में है, जिसके कारण सभी बड़े फैसले उनकी सहमति के बाद ही लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि भारत-पाकिस्तान तनाव जैसे मुद्दों के दौरान भी अमेरिकी अधिकारियों द्वारा फरमान सुनाए गए थे, जो देश की संप्रभुता के प्रति गंभीर चिंताएं पैदा करता है। उन्होंने कहा, भारत को विश्व गुरु बनाने का दावा करने वाले वास्तव में विश्व चेला बनने की ओर बढ़ रहे हैं क्योंकि आज अंख मूंदकर व्हाइट हाउस के निर्देशों की अंधाधुंध पालना की जा रही है। केंद्र की आर्थिक नीतियों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मेक इन इंडिया के संबंध में लंबे-चौड़े दावों के बावजूद रक्षा क्षेत्र में भी एफडीआई की अनुमति देने जैसी नीतियों ने देश के हितों को कमजोर कर दिया है।

NAME CHANGE
I, JC-784071W Rank-NB SUB Name-PRASANNA P Residing at VPO-ATHIYUTHU, TEH & DIST-RAMANATHAPURAM, TAMIL NADU-623513 have changed my father's name from PUTHISIKAMANI to PUTHISIGAMANI for all future purposes vide Affidavit dated 11/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I SHAHEERA SIDDIQUI W/0 Nayyar Ali Siddiqui R/0 514-B-2 Sehkarita Marg Punjabi Saudagar Apartment Amity International School Mayur vihar Phase 1 Extension Delhi 110091 Changed my name to SHAHEERA JAMAL

NAME CHANGE
I JAYA W/0 Yash Goyal R/0 D-52 East Uttam Nagar Near Holy Public School New Delhi 110059 Changed my name to JAGRITI

NAME CHANGE
I MAIRAJ W/0 Niyaz Ahmed R/0 A-58 Near Santoshi Mata Mandir Om Vihar Uttam Nagar Delhi 110059 Changed my name to MAIRAZ

NAME CHANGE
I, Ankur Rastogi S/O Bipin Kishor Rastogi R/O C 29 Indian Oil Nagar, Sector 55 Noida, Noida Sec 55, Indian Oil Nagar Site 2, Noida , PO: Noida , Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201301, have changed the name of my minor Son Virat Rastogi aged 03 years and he shall hereafter be known as Agasttya Rastogi

NAME CHANGE
I SURENDER KAUR W/0 Karamjeet Singh R/0 8737/2 Shidipura East Park Road Gali No 14/2 Karol Bagh Delhi 110005 Changed my name to SAVINDER KAUR

NAME CHANGE
I BHOITE NITA KIRAN legally wife of Army No - JC-701813P, Rank - SUB, Name - BHOITE KIRAN ATMARAM, Presently Residing, At - WAGHOLI Post- WAGHOLI, Teh - KOREGAON, Dist - SATARA, State - MAHARASHTRA, Pin - 415525 have changed my name from BHOITE NITA KIRAN to NITA KIRAN BHOITE for all future purposes. Vide affidavit dated 11/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I Army No- Jc707360L, Rank-Nb/Sub(RGR), Name- DEEPAK GAUTAM, father of DRISTI, Presently Residing At- Kalapahar, Post - Kalapahar , Teh- Kangpokpi, Dist- Senapati, Pin - 795122 have changed my minor daughter's name from Dristi to Drishti for all future purposes, Vide Affidavit dated 11/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, HANIFFA, is legally mother of Army No. JC 462713F, Rank – Nb/Sub, Name – MOHD KALEEM, presently residing at Vill – Nerallapally, Post – Gunded, Teh – Jadcharla, Dist – Mahabub Nagar, State – Telangana, Pin – 509202, have changed my name from HANIFFA to HANEEFA BEE and date of birth from 22/07/1963 to 01/01/1950 for all future purposes. Vide affidavit dated 11/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHD GHOUSE, is legally father of Army No. JC 462713F, Rank – Nb/Sub, Name – MOHD KALEEM, presently residing at Vill – Nerallapally, Post – Gunded, Teh – Jadcharla, Dist – Mahabub Nagar, State – Telangana, Pin – 509202, have corrected my date of birth from 22/07/1958 to 19/02/1955 for all future purposes. Vide affidavit dated 11/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I RAM JI THAKUR S/O JAGDAYAL THAKUR R/O SADALPUR BCHCHHAWAN BACHHAON VARANASI UTTAR PRADESH 221011 have changed my name to RAMJEE THAKUR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SARABJIT SINGH S/O JOGINDER SINGH R/O B-285,THIRD FLOOR,CHHATTAR PUR ENCLAVE PHASE -2, DELHI-110074 have changed my name to SARABJEET SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CORRECTION
I, BIBHA THAKUR W/o MAHA SHANKAR THAKUR, R/o A-357, GULAB BAGH, UTTAM NAGAR, DELHI-110059, hereby declare that my correct name is BIBHA THAKUR. That BIBHA THAKUR and BIBHA DEVI are one and the same person.

NAME CHANGE
I NAVJOT SINGH SUDAN S/O JASPAL SINGH R/O, A-90 CHANDER VIHAR NILOTHI EXTENTION DELHI 110041 have changed my name to NAVJOT SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, NIBEDITA MUKHOPADHYAY wife of No.15750923A, Rank-NK Name-RAHUL MUKHERJEE Residing at-VPO-SUNIA, TEHSIL-ARAMBAGH, DIST-HOOGHLY, WEST BENGAL-712614, have changed my name from NIBEDITA MUKHOPADHYAY to NIBEDITA MUKHERJEE for all future purposes vide Affidavit dated 11/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, T PRIYANKA wife of No.15711322Y, Rank-NK Name-T MURALI residing at- H.No. 21/515/201, AMBEDKAR NAGAR, ADONI MANDAL, KURNOOL DISTRICT, ANDHRA PRADESH-518301, have changed my name from T PRIYANKA to BESTHA PRIYANKA for all future purposes vide Affidavit dated 11/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I NAEEMUL HAQ S/O MOHD HUSSAIN R/O G-50/6- ABUL FAZAL ENCLAVE-2 SHAHEEN BAGH JAMIA NAGAR OKHLA SOUTH DELHI-110025 HAVE CHANGED MY NAME TO NAIMMUL HAQ

NAME CHANGE
I, No-7245503H Rank-SWR(NAVET) Name-DHUMAL SUBHASH ARJUN residing at VILL-AT. KALEGAON(HAVELI), PO-NALWANDI, TEHSIL & DIST-BEED, MAHARASHTRA-431122 have changed my mother's name from RUKMIN to RUKMIN ARJUN DHUMAL for all future purposes vide Affidavit dated 11/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I,TAHIRA PARVEEN W/O MOHD ASHIQEEN R/O 940, HAVELI AZAM KHAN CHITLI QABAR, JAMA MASJID, DELHI 110006, CHANGED MY NAME TO TAHIRA PARVIN.

NAME CHANGE
I, Sachin Dev S/O Girish Chand R/O D-129, Sector-9, New Vijay Nagar, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201009, have changed the name of my minor son Kiyansh aged 01 year and he shall hereafter be known as Aryavrat Chaudhary

NAME CHANGE
It is for general information that I, Fardeen S/o Mauhammad R/o Bhoorgarhi, Dasna Dehat, Dasna, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201302 declare that name of my father has been wrongly written as Mohammad in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my father is Mauhammad.

NAME CHANGE
I hitherto known as Harvansh S/o Lakshman R/o House No.-101, Pipal Wali Gali No.-5, Guldhar-2, Sector-23, Sanjay Nagar, Ghaziabad, Kavi Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Harvansh Kumar.

NAME CHANGE
It is for general information that I LYBANOOR D/o GULZAR AHMAD R/o A – 83 , Sangam Vihar , Deoli , PO : Deoli , Dist : South Delhi Delhi 110062 declare that the name of my Father and my Mother has been wrongly written as GULZAR and SHABNAM in my 10th and 12th Class Educational Documents . The actual name of my Father and my Mother are GULZAR AHMAD and SHABANAM Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as GEETA W/o DHIRENDER R/o 131 , Badwala Chowk , PO : Pooth Kalan , Dist : North West Delhi , Delhi – 110086 have changed my name and shall hereafter be known as LALITA .

NAME CHANGE
I hitherto known as ANJANA D/o SATBIR SINGH W/o VIKAS MATHUR R/o H.No. 880 , Devi Wada Panna , Karala , North West Delhi , Delhi - 110081 have changed my name and shall hereafter be known as ANJANA MATHUR .

NAME CHANGE
It is for general information that I MEETU VERMA D/o ASHWANI BABBAR , Ex-wife of DEEPAK VERMA R/o 396 2nd Floor, Block-BH, Near Raghunath Mandir, Shalimar Bagh East , North West Delhi, Delhi – 110088 declare that I got divorce from my husband vide court decree HMA No. 1/513-B dated 11.08.2016. Further I have changed my name and shall hereafter be known as MEETU BABBAR.

NAME CHANGE
I hitherto Known as LEELA alias MEENU D/o KALYAN SINGH W/o HARI SINGH , Residing at House No.- 790 ,H- Block , Mangolpuri, PO : Mangolpuri N - Block ,North West Delhi, Delhi - 110083 have changed my name and shall hereafter be known as MEENU .

NAME CHANGE
I, KINZA MAHAK W/O FARAZ AHMED residing at FLAT -206, OZONE APARTMENT, HAZIPUR, SECTOR-104, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201304 Have changed my name to KINZA MAHEK, for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Bhawna Madhan, D/o Shri Tilak Raj Madhan, R/o D-39, Naraina Vihar, New Delhi-110028, holder of Passport No. H4009150, hereby declare that my correct name is Bhawna Madan instead of Bhawna Madhan. Likewise, my father's correct name is Tilak Raj Madan instead of Tilak Raj Madhan and my mother's correct name is Rajni Madan instead of Rajni Madhan. Henceforth, all concerned may treat the above corrected names for all purposes.

NAME CHANGE
I PRAVEEN KUMAR S/O FAQIR CHAND R/O H. No -284 POCKET 5 OPP AMAN VIHAR SECTOR -22 ROHINI DELHI - 110086 have changed my name to PARVEEN KUMAR GOYAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I MINAKSHI W/O PARVEEN KUMAR GOYAL R/O H.NO 284 POCKET 5 OPP. AMAN VIHAR SECTOR -22 ROHINI DELHI 110086 have changed my name to MINAKSHI GOYAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I CHANDER MOHAN S/O KAILASH CHAND R/O 2965 BAHADURGARH,BERI MAIN ROAD NEAR RADHA KRISHNA TEPLE BAHADUR GARH HARYANA 124507 have changed my name to CHANDRA MOHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I RASID KHAN S/O REHMAN R/O VILLAGE PADHENI (78) MEWAT HARYANA 122105 have changed my name to RASID Permanently for all Future purpose

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री अभिषेक कुमार मिश्रा, खसरा संख्या 82 में से 70 वर्ग गज (अर्थात 58.52 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल का एक आवासीय भूखंड, जो कि विद्या पति कॉलोनी, ग्राम जपुरा, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को श्रीमती अंजली कुमारी से क्रय करना चाहते हैं। श्रीमती अंजली कुमारी ने उक्त संपत्ति को श्रीमती नेहा कुमारी झा से विक्रय विलेख दिनांक 28.04.2025, दस्तावेज संख्या 22564 के माध्यम से क्रय किया था। उन्होंने हमें सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय विलेख, दस्तावेज संख्या 10460, पुस्तक संख्या I, वॉल्यूम संख्या 3555, पृष्ठ संख्या 263 से 274, दिनांक 29.06.2011, जो कि एस.आर.ओ. दादरी में पंजीकृत है, खो गया/गुम हो गया है। उक्त दस्तावेज को खोजने के लिए पर्याप्त प्रयास किए जाने के बावजूद वह उपलब्ध नहीं हो पाया है। उक्त दस्तावेज के गुम होने के संबंध में एक ऑनलाइन एफआईआर (एल.आर. संख्या 20260000417520) दिनांक 06.05.2026 दर्ज कराई गई है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा नोएडा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, Archana Das W/o Inamur Rahman, residing at House No-496, Gali Tikewali Churiwalan, Jama Masjid, Delhi-110006, have embraced ISLAM and renounced CHRISTIANISM with effect from 03.04.1994 and also have changed my name from Archana Das to Shaheen Begum.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client 1. Mrs. Bhawna Gupta, 2. Mr. Satish Gupta, 3. Mr. Pramod Kumar Gupta, 4. Mr. Ghanshyam Gupta, 5. Mrs. Seema Gupta and 6. Mrs. Manju Gupta in respect of **Northern Side Portion of Second Floor without Roof Rights, of Freehold Built-UP property bearing Municipal No. A-271/B, area measuring 65.5 Sq, yards, i.e, 54.76 Sq. meter, out of Khasra no. 481/179, Situated at Shastri Nagar, Delhi-110052** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री आशीष पुत्र श्री राम कुमार, निवासी ई-151, सेक्टर-12, विजय नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201009, एक आवासीय पार्ट प्लॉट नंबर 14, क्षेत्रफ़ल 103.333 वर्ग गज, खसरा संख्या 97, स्थित आकाश नगर, ग्राम डासना, परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज दान विलेख दिनांक 29.10.2025, क्रमांक 12567, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 22562, पेज 127-150, सब रजिस्ट्रार-1, गाजियाबाद, द्वारा है। उक्त कथित संपत्ति का पीछे का ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 19.09.2005, क्रमांक 5953, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 6204, पेज संख्या 191-212 और ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 04.10.2011, क्रमांक 6313, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 9188, पेज संख्या 249-274, कही खो गया, जिसके बावत खोने की रिपोर्ट दिनांक 23.07.2025, को थाना विजय नगर, गाजियाबाद में दर्ज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित मुविकल उक्त संपत्ति को श्रीमती अंजली पत्नी श्री आदेश कुमार को बेच रहे हैं/बेच दिया, जो आधार हाउसिंग फाइनेंस लि0, शाखा निठारी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है/किया गया है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेंस लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003

NAME CHANGE
I Anurag Agrwal s/o Badri Prasad Agrawal R/ o F 3/64 First Floor Sector 11 Rohini Sector 7 a north west Delhi 110085 have changed my name to Anurag Agrawal for all future purpose.

NAME CHANGE
I Anupam Singh w/o Pardeep kumar R/o 272 Gali No 5 ,Nahar Singh Colony Ballabgarh Faridabad 121004 Haryana have changed my name to Anupama Rana for all future purpose.

NAME CHANGE
I Gajender kumar S/o Shiva Prasad R/o Dholna Kashganj UP -207001 have changed my name to Gajendra kumar for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHMMAD ZAID S/O ZAHID R/O VPO NAHAL GHAZIABAD UP 201302, CHANGED MY NAME TO MOHD ZAID.

NAME CHANGE
I, MAHESH SINGH S/O LAXMAN SINGH R/O D-985/JKR GALI NO 20 D-BLOCK BHAJANPURA DELHI 110053, CHANGED MY NAME TO MAHESH CHAND CHAUHAN.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण की सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल श्री सैयद नादिर अली पुत्र सैयद नाज़िर अली, नि0 म0 न0 287/20, गली न0 10, अपोजिट रेड बिल्डिंग, ग़फ्फ़ार मंज़िल, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 ने अपनी पुत्री कु0 सहबा नादिर, उम्री 47 वर्ष को आज दिनांक 9/5/26 को उसके गलत आचरण के कारण अपने सारे संबंध विच्छेद कर लिए हैं। और उसे अपने समस्त चल-व-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मेरा मुवक्किल व उसका परिवार आज से कोई जिम्मेदार नहीं होगा।
SYEDA RIFAT SULTANA
Advocate
Ch.No. F-714, 7th Floor
Karkardooma Courts, Delhi.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT 1. ORIGINAL ALLOTMENT LETTER, 2. ORIGINAL POSSESSION LETTER, 3. ORIGINAL CONVEYANCE DEED ALL THREE EXECUTED BY HOUSING BOARD HARYANA IN FAVOUR OF NANAK CHAND JAIN, 4. ORIGINAL SALE DEED DT. 29.09.1992 EXECUTED BY MR. NANAK CHAND JAIN IN F/O MR. NARENDER KUMAR & 5. ORIGINAL TRANSFER / MUTATION LETTER IN F/O MR. PRASHAN SINGH ALL DOCUMENTS EXECUTED FOR HOUSE NO. 1190/LIG, AREA 85 SQ. YARDS, SITUATED AT SECTOR-18, HOUSING BOARD, FARIDABAD, HARYANA HAVE BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER'S MRS. BAVITA SHARMA W/O MR. RAVI KANT AND MR. RAVI KANT C/O CHANDI RAM NOTH R/O H.NO J-4, NEHAR COLONY, SEC-16-A, FARIDABAD, HARYANA AND SAID OWNER'S MRS. BAVITA SHARMA AND MR. RAVI KANT PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 21.07.2025 EXECUTED BY MR. DURG SINGH AND MRS. RADHA. NOW MRS. RENCY MAKHIJANI D/O MR. BALDEV RAJ KHATRI R/O H. NO. 23, HOUSING BOARD COLONY, SECTOR-18, FARIDABAD, HARYANA IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER'S MRS. BAVITA SHARMA AND MR. RAVI KANT, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEEDS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE
I Pawan kumar s/o Chander Bhan 2268 First Floor Raja Park Shakur Basti Saraswati Vihar -North West Delhi 110034 have changed my name to Pawan kumar Aggarwal for all future purpose.

NAME CHANGE
I Ram Nivas Goel s/o Bhajan Lal R/o C-32 Kailash Apartments Plot No -2 Sector 4 Dwarka New Delhi -110078 have changed my name to Ram Niwas Goel for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, KYAMUDDIN ANSARI S/O ISLAMUDDIN ANSARI R/O HOUSE NO-135/A CHOUDHERY MEER SINGH MARG LADO SARAI MEHRAULI PO: MEHRAULI DIST: SOUTH DELHI DELHI-110030 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as KAYAMUDDIN ANSARI and ASMA KHATOON in my minor son namely DILSHER ANSARI aged 16 years in his 10th class education documents.The actual name of mine and my wife are KYAMUDDIN ANSARI and RUBI KHATOON respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MANJU THAKUR W/O KAUSHAL THAKUR R/O 6D,ROW HOUSE,SURYA VIHAR,SECTOR-21,GURGAON, HARYANA-122016, HAVE CHANDGED MY NAME TO MANJU KUMARI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, KAUSHAL KISHORE THAKUR S/O RAM UPEKH THAKUR R/O 6D,ROW HOUSE,SURYA VIHAR,SECTOR-21,GURGAON, HARYANA-122016, HAVE CHANDGED MY NAME TO KAUSHAL THAKUR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I Sinh priyankakumari umashankar w/o Ravi kumar singh R/o House no -7 smt raja bala society near choti Mata Mandir Gurgaon village Harayana 122001 India have changed my name to Priyanka sinh.

NAME CHANGE
I, NARENDER PAL BHANDARI S/O MAHINDER SINGH residing at D-137, 1ST FLOOR, SURAJ MAL VIHAR, DELHI-110092 Have changed my name to NARENDER KUMAR BHANDARI, for all future purposes.

NAME CHANGE
I HEM NARAYAN MANJHI S/O CHANDRIKA R/O Y-16/2 L, ADARSH ENCLAVE 40, FOOT ROAD PREM NAGAR -2 KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI-110086 have changed my name to HEM NARAYAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I IGNATIOUS ALEXADER S/O ALEXANDER RAPHAEL R/O H.NO B-9 STREET NO -6 NEAR D D A FLATS NEW MORDEN SHAHDARA DELHI -110032 have changed my name to IGNATIUS ALEXANDAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I YOGITA RANI W/O DAULAT RAM MAHAUR R/O 187 AKASH GANGA APARTMENT POCKET -04 SECTOR -24 ROHINI DELHI -110085 have changed my name to YOGITA Permanently for all Future purpose

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बहु से तंग आकर सास ससुर ने की आत्महत्या

एजेंसी
पानीपत। पानीपत के गांव नारा में सास-ससुर ने अपनी बहू के व्यवहार, पहनावे और आए दिन होने वाले झगड़ों से परेशान होकर सल्फास निकल कर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान 46 वर्षीय राजेश और उनकी 44 वर्षीय पत्नी सुमन के रूप में हुई है। थाना मतलौडा पुलिस ने बहू व उसके माता पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया है। परिजनों ने आरोप लगाया कि बहू स्नेहा अक्सर अपनी सास सुमन के साथ बदतमीजी और मारपीट करती थी। इकलौता बेटा होने के बाद भी आशीष अपनी मां का साथ देने के बजाय अपनी पत्नी स्नेहा का ही साथ देता था। माता-पिता को बेटे का यह व्यवहार अंदर ही अंदर खाए जा रहा था। शनिवार दोपहर के बाद घर में फिर से इसी बात को लेकर काफी विवाद हुआ, जिसके बाद राजेश और सुमन ने मानसिक तनाव में आकर सल्फास की गोली निगल ली। तबीयत बिगड़ने पर दोनों को तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद सुमन को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया। वहीं, राजेश की हालत बेहद गंभीर थी, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया।

लंबित पड़ी मांगों को लेकर बिजली पैंशनरों ने बैठक कर सरकार के प्रति जताया रोष

गुरुग्राम। बिजली पैंशनरों की लंबित पड़ी मांगों को लेकर हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा बिजली निगम के महरौली रोड स्थित विश्राम गृह परिसर में पूर्व अकाउंटेंट रामअवतार गोयल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारियों व सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बैठक का संचालन प्रधान राजन शर्मा ने किया। महासचिव बनवारीलाल शर्मा का कहना है कि प्रदेश के बिजली पैंशनरों की लंबित पड़ी मांगों पर प्रदेश सरकार बिल्कुल ध्यान नहीं दे रही है, जिसको लेकर पैंशनरों में भारी रोष व्याप्त है। उनकी मांग है कि प्रदेश सरकार कैशलेस मेडिकल सुविधा को क्रियान्वित करे, पेंशनरो को एलटीसी, मेडिकल बिल्स एवं नोशनल इंक्रीमेंट, कॉम्युटेशन पेंशन, पेंशनर सेवा केंद्र आदि मांगों को पूरा करे। राजन शर्मा ने संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया और प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि सरकार समय रहते लंबित पड़ी मांगों को पूरा करे, ताकि पैंशनरों को समस्याओं का सामना न करना पड़े।

एटक ने बैठक कर लिया निर्णय

महिला श्रमिकों के सम्मान के लिए शीघ्र किया जाएगा महिला सम्मेलन का आयोजन

गुरुग्राम। औद्योगिक क्षेत्रों, मिड-डे मील, आंगनबाड़ी, आशा वर्कर तथा भवन निर्माण जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यरत हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से तय नहीं है। एटक संगठन हमेशा से महिला श्रमिकों की आवाज उठाता रहा है। उक्त विचार एटक की राज्य सचिव अनीता यादव ने जिला कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को संगठित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। एटक संगठन लगातार महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए कार्य कर रहा है, जिसमें लिंग भेदभाव, असमान वेतन, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न और यूनियन नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी जैसे गंभीर मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जा रहा है। राज्य महासचिव कामरेड अनिल पवार एडवोकेट ने कहा गया कि अब समय आ गया है कि महिलाएं अपने अधिकारों के लिए खुद आगे आएं, संगठित हों और अपने हक की आवाज बुलंद करें। हर महिला को यह समझना होगा कि समान कार्य के लिए समान वेतन उनका अधिकार है, सुरक्षित कार्यस्थल उनका मौलिक हक है। निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उनकी भागीदारी आवश्यक है। उनका कहना है कि महिला श्रमिकों के अधिकार और सम्मान की लड़ाई को और मजबूत करने के उद्देश्य से महिला संगठन एटक द्वारा शीघ्र ही महिला सम्मेलन का आयोजन गुरुग्राम में किया जाएगा। महिला सम्मेलन की तैयारियों को लेकर व्यापक स्तर पर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

वैदिक संस्कृति के प्रचार को लेकर जिला झज्जर में वेद प्रचार मंडल समिति का गठन

बहादुरगढ़। जिलेभर के विभिन्न आर्य समाजों से सलाह-मशविरा करने के बाद वेद प्रचार मंडल समिति जिला झज्जर का गठन किया गया। आर्य प्रतिनिधि सभा जिला झज्जर के अध्यक्ष आर्य हरिओम दलाल ने बताया कि समिति में समाजसेवा और आर्य समाज के कार्यों से जुड़े कर्मठ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।उन्होंने बताया कि समिति का उद्देश्य जिले के प्रत्येक व्यक्ति तक वैदिक संस्कृति और वेदों का संदेश पहुंचाना है, युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करना तथा समाज को सामाजिक कुरीतियों से बचाना रहेगा। इसकी शुरुआत जल्द ही विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर छात्र-छात्राओं व आमजन से सीधा संपर्क स्थापित कर की जाएगी। नवगठित समिति में अजीत सिंह आर्य बादली को उपप्रधान, संतलाल मलिक को मंत्री, जयकरण को सहमंत्री, रविंद्र आर्य कुलासी को प्रचार मंत्री, सोमवीर आर्य को युवा अध्यक्ष, आर्य हरिओम दलाल को मीडिया प्रभारी, डॉ. प्रीति को महिला प्रमुख तथा खेमचंद आर्य खेडी आसरा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने पिहोवा के अरुणाय में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' कार्यक्रम में की शिरकत

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कुरुक्षेत्र के पिहोवा के अरुणाय स्थित श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंदिर के गर्भगृह में विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान अरुणाय में 101 महिलाओं की कलश यात्रा को रवाना किया। धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच निकाली गई इस कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 48 कोस के विभिन्न तीर्थ स्थलों से पहुंचे संत-महात्माओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी समृद्ध परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के दौरान श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में अरुणाय लंगर हॉल का उद्घाटन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा द्वारा 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' विषय पर लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत तथा देश की आस्था और स्वाभिमान से जुड़े विभिन्न पहलुओं को आकर्षक चित्रों एवं जानकारियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी नई पीढ़ी को अपने इतिहास एवं संस्कृति से जोड़ने का कार्य करती है।

इससे पहले मुख्यमंत्री सैनी ने पवित्र तीर्थस्थल ज्योतिसर पहुंचकर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने ज्योतिसर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें।

हरियाणा में शुरू होगा पशुधन सुरक्षा का महाअभियान

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार प्रदेश के पशुधन को जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए 11 मई सोमवार से राज्यव्यापी विशेष टीकाकरण महाअभियान शुरू करने जा रही है।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि पशुपालकों को अपने पशुओं को लेकर अस्पतालों के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि विभाग के कुशल पशु चिकित्सक और सहायक घर-घर जाकर इस सेवा को सुनिश्चित करेंगे।सरकार के निर्देशानुसार, पशुपालन विभाग की टीमें मुंह खुर और गलघोंटू जैसी खतरनाक छूत की बीमारियों से पशुओं की सुरक्षा के लिए विभाग की टीमें घर-घर जाकर निशुल्क टीकाकरण करेंगी। एक महीने तक चलने वाले इस अभियान में चार महीने से अधिक आयु की सभी गायों और भैंसों को शामिल किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य पशुधन को सुरक्षा कवच प्रदान कर पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से बचाना और डेयरी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। यह टीकाकरण-सेवा पूरी तरह से निःशुल्क प्रदान की जाएगी, ताकि प्रदेश के छोटे से छोटे पशु पालक पर भी कोई आर्थिक बोझ न पड़े। टीकाकरण अभियान के तहत 4 महीने से अधिक आयु की सभी गायों और भैंसों का टीकाकरण किया जाएगा।

पहले इन रोगों के लिए अलग-अलग टीके लगाए जाते थे, लेकिन अब हरियाणा देश का पहला और एकमात्र ऐसा राज्य बन गया है जहां इन दोनों बीमारियों से बचाव के लिए एक ही संयुक्त टीके का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे पशुओं को बार-बार होने वाली पीड़ा से राहत मिली है और पशुधन का प्रबंधन भी सुगम हुआ है।

कर्मचारियों को सरकारी खजाने से मिलेगा लोन

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार अब अपने कर्मचारियों को किसी प्रकार का लोन आदि सरकारी खजाने के माध्यम से देगी। सरकार ने ऋण सुविधा के लिए पंजाब नेशनल बैंक की मध्यस्थता को समाप्त करने का फैसला किया है। हाल ही में हरियाणा में निजी क्षेत्र के कई बैंक घोटालों को लेकर चर्चा में हैं। सरकार द्वारा एक के बाद एक बैंकिंग व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। अब सरकार ने कर्मचारियों के लिए दी जाने वाली ऋण व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए पंजाब नेशनल बैंक के माध्यम से लोन देने की व्यवस्था समाप्त करने का फैसला किया है। आगामी एक जून से कर्मचारियों को मकान, वाहन, कंप्यूटर और विवाह ऋण सीधे राज्य सरकार के बजट से उपलब्ध करवाया जाएगा। बीते दिनों मंत्रिमंडल ने भी इसकी मंजूरी दे दी थी। अब वित्त विभाग ने इस व्यवस्था को अगले महीने से लागू करने की घोषणा कर दी है। हरियाणा सरकार ने वर्ष 2016 में इन ऋणों का पोर्टफोलियो पीएनबी को सौंप दिया था। इसके बाद लगभग दस वर्षों तक कर्मचारियों को बैंक के जरिए ही लोन मिलता रहा। अब वित्त विभाग ने इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया है।वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि पात्र कर्मचारियों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक फंड विभागों को उपलब्ध करवाया जाएगा।

हरियाणा निकाय चुनाव : मतदान शांतिपूर्वक संपन्न

एजेंसी
चंडीगढ़,। हरियाणा के सात नगर निगमों और पंचायती राज संस्थाओं के 528 पदों के लिए मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। चुनाव आयोग के अनुसार शाम सात बजे तक पूरे प्रदेश में 54.1 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। कुल 8 लाख 73 हजार 177 मतदाताओं में से शाम 7 बजे तक चार लाख 72 हजार आठ मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव आयुक्त कार्यालय के अनुसार, प्रदेश के सांपला नगर पालिका क्षेत्र में सर्वाधिक मतदान हुआ जबकि अन्य स्थानों पर मतदान औसत ही रही। प्रदेश के तीन नगर निगमों-पंचकूला, सोनीपत तथा अंबाला के शहरी क्षेत्रों में अधिकतर मतदाता अपने मतदान केंद्र से दूर ही रहे। जबकि निगमों के अंतर्गत आने वाली कॉलोनियां, ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान प्रक्रिया सुबह से ही तेज रही। सुबह आठ बजे मतदान शुरू होने के बाद शाम छह बजे मतदान केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए। जो लोग छह बजे तक कतारों में खड़े थे उन्हें वोट डालने का अवसर प्रदान किया गया।

अंबाला, सोनीपत व पंचकूला में मेयर पद के लिए कुल 18 तथा रेवाड़ी में नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए आठ प्रत्याशी मैदान में हैं। प्रदेश के सभी सात निकायों में इस समय वार्ड सदस्यों के लिए कुल 557 तथा पंचायत राज संस्थाओं के लिए 601 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

रेवाड़ी में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक युवक फर्जी वोट डालते हुए पकड़ा गया। प्रत्याशियों के हंगामे के बाद पुलिस की टीम ने युवक को हिरासत में ले लिया। यहीं के वार्ड नंबर 4 में कुछ लोगों ने एक महिला को घेर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह महिला सुबह से 4 बार वोट डालकर जा चुकी है। उसकी उंगली पर स्याही का निशान भी नहीं है। धारूहेड़ा में चेयरपर्सन पद के लिए कांग्रेस उम्मीदवार कुमारी राज ने भाजपा पर पैसे बांटने के आरोप लगाए। सांपला में भी फर्जी मतदान को लेकर भाजपा तथा निर्दलीय प्रत्याशी समर्थकों के बीच झड़प हुई। अंबाला में नगर निगम के बाहर कांग्रेस ने हंगामा किया। वार्ड-8 से कांग्रेस प्रत्याशी कुलजीत कौर के समर्थकों ने बताया कि सुबह से ही गड़बडियां शुरू हो गई थीं। एक महिला को पकड़ा गया, जिसका नाम तो वोटर लिस्ट से मेल खाता था, लेकिन पता और फोटो अलग था। उकलाना के बूथ नंबर 5 पर 80 वर्षीय दादा का वोट डलवाने आई युवती ने पुलिसकर्मियों पर दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। युवती ने कहा कि उन्होंने अंदर ले जाने के लिए व्हीलचेयर तक नहीं दी। सोनीपत के डीएवी स्कूल में बनाए गए बूथ नंबर 61 के बाहर वोट करने आई 91 वर्षीय भवानी देवी सडक़ पर ही गिर गई।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने इंदौर में नगरीय निकायों की व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने इंदौर पहुंच नगर निकाय की आदर्श व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने विधान मंडल की तर्ज पर संचालित नगर निगम के सदन की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने निगम के अटल परिषद सदन का अवलोकन किया और नवाचार पर आधारित विकास कार्यों और स्वच्छता के मॉडल पर प्रेजेंटेशन भी देखी इससे पूर्व शुक्रवार को उन्होंने उज्जैन पहुंच महाकाल के दर्शन भी किए। विस अध्यक्ष कल्याण ने इंदौर नगर निगम के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए इस शहर को स्वच्छता, सुशासन और सशक्त शहरी प्रशासन का राष्ट्रीय मॉडल बताया। उन्होंने निगम अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि इंदौर जैसे गौरवशाली शहर के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष जुलाई में हरियाणा विधान सभा की ओर से गुरुग्राम में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के महापौर सम्मेलन में इंदौर नगर निगम की कार्य प्रणाली और उपलब्धियों ने देश का ध्यान आकृष्ट किया था। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने यहां के नगर निगम के सदन में स्पीकर पद का विशेष रूप से उल्लेख किया था। तब से ही वे यहां की व्यवस्थाओं को निकट से देखना चाहते थे।

विस अध्यक्ष कल्याण ने बताया कि विधान सभा की तर्ज पर नगर निगम के सदन का संचालन अपने आप में आदर्श व्यवस्था का परिचायक हैं। यहां महापौर की अनुशंसा पर अध्यक्ष की ओर से दो माह में सत्र बुलाया जाना आवश्यक है। इसकी अधिसूचना सभी सदस्यों को कम से कम 7 दिन पूर्व दी जाती है। अगर सदन के एक तिहाई सदस्य चाहे तो इससे कम अवधि पर भी विशेष सत्र आहुत किया जा सकता है। इसकी सूचना कम से कम 3 दिन पूर्व दी जाती है। निगम सदन के स्पीकर की अध्यक्षता में विधान सभा की तर्ज पर प्रश्नकाल और विकास कार्यों पर चर्चा होती है। एक पार्षद 2 प्रश्न पूछ सकता है। साल में एक बार बजट सत्र बुलाया जाता है। सदन की 3 कमेटियां भी विधान सभा की तर्ज पर कार्य करती हैं। इनमें पीएसी, अपील कमेटी तथा मेंबर इन काउंसिल कमेटी शामिल हैं। मेंबर इन काउंसिल कमेटी 10 दिन में एक बार बैठक करती है। इस बैठक में सदन में पारित किए गए विषयों के क्रियान्वयन का अवलोकन किया जाता है।

नई नीतियों तथा जनकल्याण के विषयों पर भी यह कमेटी चर्चा करती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती से भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के माध्यम से प्रवीणता से कर्म करने का संदेश दिया है। इंदौर कर्म, सेवा, भक्ति और विकास का अद्भुत संगम है। इसलिए उन्हें इस शहर में हरियाणा और मध्य प्रदेश का संगम दिखाई देता है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की पुण्यभूमि और बाबा महाकाल के आशीर्वाद से यह शहर स्वच्छता और सुशासन के क्षेत्र में देश के लिए प्रेरणा बना है।

सोनीपत में पुलिस की मानवीय पहल, चुनाव में बुजुर्गों और दिव्यांगों के बने सहयोगी

एजेंसी
सोनीपत। सोनीपत नगर निगम आम चुनाव 2026 के दौरान मतदान केंद्रों पर पुलिस की मानवीय पहल चर्चा का विषय बनी। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ पुलिस ने दिव्यांग, बुजुर्ग और जरूरतमंद मतदाताओं की मदद कर लोकतंत्र के इस पर्व को सुगम बनाने में अहम भूमिका निभाई। पुलिस आयुक्त ममता सिंह के निर्देश पर सभी मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मियों को विशेष रूप से सेवा भाव के साथ ड्यूटी करने को कहा गया था, जिसका सकारात्मक असर पूरे शहर में दिखाई दिया। मतदान के दिन कई केंद्रों पर बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई। पुलिसकर्मियों ने मतदाताओं को वाहन से उतरने से लेकर मतदान कक्ष तक सुरक्षित पहुंचाने में सहयोग दिया। लाइन में खड़े होने में असमर्थ लोगों को प्राथमिकता देकर मतदान करवाया गया। कई स्थानों पर पुलिस जवान बुजुर्गों को सहारा देकर बूथ तक ले जाते दिखाई दिए, जिससे मतदाताओं में सम्मान और भरोसे की भावना मजबूत हुई। एक मतदान केंद्र पर दिव्यांग मतदाता को परिवार के साथ बूथ तक पहुंचाने में पुलिस ने सक्रिय सहयोग किया। दूसरे केंद्र पर महिला पुलिसकर्मियों ने व्हीलचेयर पर आई बुजुर्ग महिला को मतदान कक्ष तक पहुंचाया। बूथ संख्या 37 पर एक बुजुर्ग महिला को सुरक्षित मतदान कराने में पुलिस की तत्परता देखने को मिली।

ऐसे कई दृश्य पूरे दिन शहर के अलग-अलग केंद्रों पर नजर आए।पुलिस का कहना है कि चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुगम बनाना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी थी, लेकिन हर मतदाता की सुविधा सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी समझा गया। आम नागरिकों ने पुलिस के सहयोगात्मक और संवेदनशील व्यवहार की सराहना की। चुनाव ड्यूटी के दौरान अनुशासन, संवेदनशीलता और सेवा भाव के निर्देशों का असर स्पष्ट दिखा।

बायो गैस प्लांट के विरोध में मुखर हुए लोग, संसद और प्रदेश की विधानसभा में गूंजेगा मामला

एजेंसी
जींद। जींद के गोहाना रोड पर रिहायशी क्षेत्र में बने बायो गैस प्लांट के विरोध का मसला संसद व हरियाणा प्रदेश की विधानसभा में गूंजेगा। कांग्रेस के सांसद और विधायक, लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा सत्र में इस मसले को उठाएंगे। बायो गैस प्लांट के विरोध में महापंचायत का आयोजन किया गया। इसमें कांग्रेस की और से सांसद दीपेंद्र हुड्डा के प्रतिनिधि के तौर पर पहुंचे बरौदा विधायक इंदुराज नरवाल सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी, आप नेता, किसान संगठनों, खापों, पार्षदों, सरपंचों ने शिरकत की। विधायक इंदुराज सिंह नरवाल ने कहा कि सांसद दीपेंद्र हुड्डा को इस महापंचायत में आना था। किंतु दिल्ली में अचानक विशेष मीटिंग तय होने के कारण उन्होंने मुझे अपने प्रतिनिधि के तौर पर यह कह कर भेजा है कि बायो गैस प्लांट के रूप में बनाये गये मौत के चेंबर को रिहायशी क्षेत्र से उठवाने का काम करेंगे कांग्रेस के सांसद जहां इस मसले पर लोकसभा में गूंजेंगे वहीं आने वाले विधानसभा सत्र में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में आवाज बुलंद कर सरकार को मजबूर कर देंगे की वे इस प्लांट को यहां से हटाने का कार्य करें। कांग्रेस विधायक ने कहा कि लोगों को अपनी और अपने बच्चों, बुजुर्गों की जिंदगी की सुरक्षा करने का अधिकार है। यह अधिकार संविधान ने दिया हुआ है। ब्राह्मण सभा के पूर्व प्रधान पंडित सियाराम शास्त्री और माजरा खाप के प्रवक्ता समुंद्र सिंह फोर की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित इस महापंचायत में खाप नेता, भाकियू नेता, सामाजिक संगठनों से जुड़े नेता, पार्षद और अनेकों सरपंच शामिल हुए।महापंचायत को समर्थन देने के लिए कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सरपंच रिषिपाल हैबतपुर, सोनीपत सांसद प्रतिनिधि वजीर गांगोली, आम आदमी पार्टी की महिला प्रदेशाध्यक्ष डा. रजनीश जैन, व्यापार मंडल के जिला प्रधान राजू लखीना, बीज एवं कीटनाशक एसोसिएशन के जिला प्रधान एवं समाज सेवी पवन गर्ग, हरियाणा व्यापार मंडल के प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार गोयल, पार्षद सतीश हरियाणवी ईशाक भट्टी सहित अनेक लोग शामिल हुए। सफीदों के पूर्व विधायक सुभाष गांगोली ने कहा कि बायो गैस प्लांट का रिहायशी क्षेत्र में लगाना बेहद खतरनाक है। यह सीधे तौर पर लोगों की हैल्थ पर डाका है।

विधायक ने किया सड़क निर्माण का शिलान्यास

एजेंसी
नारनौल। महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने गांव झूक से पाथेड़ा तक बनने वाली नई सड़क का शिलान्यास किया। इस सड़क का निर्माण करीब दो करोड़ 32 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। मार्केटिंग बोर्ड महेंद्रगढ़ द्वारा बनाई जाने वाली यह सड़क लगभग साढ़े तीन किलोमीटर लंबी और 12 फुट चौड़ी होगी। सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से आवागमन पहले की तुलना में अधिक आसान और सुरक्षित हो जाएगा। विधायक कंवर सिंह यादव ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य को लगभग तीन महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह सड़क किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों के लिए काफी लाभदायक साबित होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत सड़क नेटवर्क विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है, ताकि लोगों को बेहतर यातायात सुविधाएं मिल सकें।झूक से पाथेड़ा सड़क बनने के बाद आसपास के गांवों की कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी और लोगों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों को शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। सड़क, पेयजल, बिजली और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूरा किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कंवर सिंह यादव ने कहा कि बेहतर सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। सड़क बनने से न केवल स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि व्यापार और कृषि गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी। सड़क शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया।

चोरी की घटनाओं के खिलाफ ग्रामीणों ने दिया धरना, दुकानें रखी बंद

एजेंसी
सिरसा। जिले के कस्बा डिंग मंडी क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं को लेकर ग्रामीणों और दुकानदारों ने प्रशासन के खिलाफ धरना देकर रोष जाहिर किया। विरोधस्वरुप दुकानें बंद रखी गई। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाया कि पुलिस वारदातों को रोकने में नाकाम साबित हुई है जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। धरने और बाजार बंद की सूचना मिलते ही डीएसपी राजेश कुमार व डिंग थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि गांव में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि चोर अब छोटी-मोटी चोरी तक सीमित नहीं रहे, बल्कि बड़ी घटनाओं को अंजाम देने लगे हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि इससे पहले गांव में कई चोरी की वारदातें हो चुकी हैं जिसमें चोर पकड़े जाने के बावजूद चोरीशुदा सामान की पुलिस रिकवरी नहीं हो सकी है। इस तरह की घटनाओं से लोगों का पुलिस प्रशासन पर भरोसा कमजोर हो रहा है।

ग्रामीणों की शिकायतें सुनने के बाद अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान के लिए 15 दिन का समय मांगा और प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद डीएसपी राजेश कुमार ने गांव के करीब 20 मौजिज व्यक्तियों के साथ बैठक कर चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विस्तृत चर्चा की। बैठक में गांव में पुलिस गश्त बढ़ाने, मुख्य चौक-चौराहों पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखने जैसे महत्वपूर्ण सुझावों पर सहमति बनी। डीएसपी ने ग्रामीणों से पुलिस कार्रवाई में सहयोग की अपील की, जिस पर ग्रामीणों ने भी पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया।

हरियाणा में बढ़ता अपराध और नशा युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा : कुमारी सैलजा

एजेंसी
चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा में लगातार बढ़ रहे अपराध, नशे और युवाओं के अपराध की ओर बढ़ते रुझान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए भाजपा सरकार को चेतावनी दी है कि यदि समय रहते हालात पर नियंत्रण नहीं किया गया तो प्रदेश की सामाजिक व्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। कुमारी सैलजा ने जारी बयान में कहा कि कभी देश में विकास, भाईचारे और खुशहाली की पहचान रहा हरियाणा आज अपराध, रंगदारी, फिरौती, हत्या और गोलीबारी की घटनाओं से भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हो गया है। प्रदेश के गांवों से लेकर शहरों तक संगठित अपराधी गिरोह सक्रिय हैं और सबसे चिंताजनक बात यह है कि बेरोजगार युवाओं को अपराध के रास्ते पर धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि मामूली पैसों और झूठी चमक-दमक का लालच देकर युवाओं को अपराधी गिरोहों का औजार बनाया जा रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध का जाल फैलाया जा रहा है और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति ने हालात को और गंभीर बना दिया है। यह केवल कानून व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सरकार की नीतिगत असफलता का परिणाम है। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह विफल रही है। बेरोजगारी और निराशा का फायदा उठाकर आपराधिक गिरोह युवाओं को अपने जाल में फंसा रहे हैं। सरकार को युवाओं को भड़काने और झूठे प्रचार में उलझाने के बजाय रोजगार, शिक्षा, खेल और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध करवाने चाहिए ताकि वे अपराध और नशे से दूर रह सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय हरियाणा विकास, निवेश, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल था, लेकिन आज प्रदेश अपराध के मामलों में लगातार बदनाम हो रहा है। प्रदेश की कानून व्यवस्था पर जनता का भरोसा कमजोर पड़ता जा रहा है और आम नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा है। सांसद सैलजा ने कहा कि बेरोजगारी अपराध की सबसे बड़ी जननी है, अपराध से जुड़े गिरोह ऐसे बेरोजगारी युवाओं को 10 से 15 हजार रुपये देकर उनसे अपराध करवा रहे है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर महाराष्ट्र में लगाएगी नया संयंत्र, 2029 से उत्पादन

जापानी मीडिया के अनुसार करीब 1.9 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश

नई दिल्ली ।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र में एक नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस संयंत्र से 2029 की पहली छमाही में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। जापानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मूल कंपनी टोयोटा मोटर भारत में क्षमता विस्तार के लिए लगभग 300 अरब येन (लगभग 1.9 अरब अमेरिकी डॉलर) का भारी निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि यह नया संयंत्र महाराष्ट्र के बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा। इस प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता एक लाख वाहनों की होगी और इससे लगभग 2,800 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के अनुसार इस संयंत्र में एक नया एसयूवी मॉडल तैयार किया जाएगा, जिसमें स्टैम्पिंग, वेल्डिंग, पेंटिंग और असेंबली जैसी प्रमुख प्रक्रियाएं शामिल होंगी। वर्तमान में, टीकेएम के कर्नाटक में दो संयंत्र हैं जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 5.52 लाख इकाई है। यह नया प्लांट कंपनी की भारतीय बाजार में अपनी कारोबारी बुनियाद को और मजबूत करने की रणनीति का अहम हिस्सा है।

भारत की आर्थिक वृद्धि 6.7 फीसदी रहने का अनुमान बीएमआई

चालू वित्त वर्ष में वैश्विक अस्थिरता और अल नीनो से जोखिम

नई दिल्ली ।

फिच समूह की इकाई बीएमआई ने ईरान युद्ध, बढ़ती तेल कीमतों और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों के कमजोर पड़ने के चलते चालू वित्त वर्ष (2026-27) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर को घटाकर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में 7.7 प्रतिशत थी, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों से इस पर नकारात्मक असर पड़ा है। बीएमआई की रिपोर्ट के अनुसार ईरान-अमेरिका संघर्ष के बढ़ने की आशंका भारत के वृद्धि अनुमानों के लिए एक बड़ा जोखिम है। ऐसे में भारत को रक्षा खर्च, ईंधन कीमतों और राजकोषीय स्थिति के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती होगा। हालांकि, 2025 में किए गए कर सुधार लागत-आधारित महंगाई के असर को कुछ हद तक कम करने में सहायक हो सकते हैं। संस्था ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.7 प्रतिशत के अनुमान को बरकरार रखा है। बीएमआई का कहना है कि पिछले वर्षों के कर सुधारों का प्रभाव नए वित्त वर्ष में बढ़ती लागत से घटता जाएगा। ऊर्जा एवं खाद्य आपूर्ति में संभावित बाधाएं और भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अनुमानित 'अल नीनो' के कारण सामान्य से कम मानसून भी खपत वृद्धि को धीमा कर महंगाई बढ़ाएगा। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती है, तो भारत की जीडीपी वृद्धि दर 0.4 से 0.7 प्रतिशत तक घट सकती है। भारत की अर्थव्यवस्था एशिया में ऊर्जा कीमतों के प्रति सबसे संवेदनशील मानी जाती है, जिससे बाहरी झटकों का उस पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

पश्चिमी एशिया में तनाव से महंगे हो सकते हैं पेट्रोल और डीजल

सरकारी तेल कंपनियों को 30,000 करोड़ का मासिक नुकसान

नई दिल्ली ।

पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष और कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के कारण भारत में पेट्रोल और डीजल महंगा हो सकता है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की बिक्री पर हर महीने 30,000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेल रही हैं, जिससे सरकार पर अब कीमतों में वृद्धि का दबाव बढ़ गया है। पहले कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार करने वाली सरकार अब यह मान रही है कि अब तक की कोशिश कीमतों को स्थिर रखने की रही है, जो संभावित वृद्धि का संकेत है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के खतरे और अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं, लेकिन भारतीय खुदरा बाजार में ईंधन के दाम लंबे समय से अपरिवर्तित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत और तेल कंपनियों के मुनाफे पर भारी पड़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1312 , निफ्टी 360 अंक फिसला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1312.91 अंक नीचे आकर 76,015.28 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी50 360.30 अंक गिरकर 23,815.85 पर बंद हुआ। आज व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.05 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक में 1.13 फीसदी की गिरावट रही। क्षेत्रवार देखें तो आज सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी उपभोक्ता उत्पादों में 3.73 फीसदी और निफ्टी रियल्टी में 3.05 फीसदी रही। इसके अलावा निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑयल एंड गैस के शेयर भी 2 फीसदी नीचे आये जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी मेटल और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर भी गिरे। निफ्टी पैक में सबसे ज्यादा टाटा कंज्यूमर के शेयरों में 8 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इसके बाद मैक्स हेल्थ के शेयरों में 2.7 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा कोल इंडिया, सन फार्मा, एचयूएल, ग्रासिम, ओएनजीसी, अदाणी पोर्ट्स और एसबीआई लाइफ के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर

टाइटन, इंडिगो, एसबीआई, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 467 लाख करोड़ रुपए ही रहा जबकि पिछले सत्र में ये 473 लाख करोड़ रुपए था।

रुपया 139 पैसे टूटकर 94.90 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया पिछले कारोबारी दिन 93.51 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 139 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.90 पर पहुंच गया। अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खारिज करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की भारी निकासी ने रुपये पर और दबाव डाला।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर खुला। फिर मामूली बढ़त के साथ 94.90 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 139 पैसे की भारी गिरावट है। रुपया शुक्रवार को 71 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.20 पर रहा।

सीनियर सिटिजन कोटे और बुकिंग के खास विकल्पों से पाएं ट्रेन में निचली बर्थ

बुजुर्गों और 45 वर्ष से अ धिक की महिलाओं के लिए विशेष कोटा

नई दिल्ली ।

ट्रेन में आरामदायक सफर के लिए लोअर बर्थ की चाहत हर यात्री को होती है, खासकर बुजुर्गों को, जिन्हें ऊपर की बर्थ पर चढ़ने में खासी परेशानी होती है। भारतीय रेलवे (आईआरसीटीसी) ने अब ऐसे यात्रियों के लिए लोअर बर्थ सुनिश्चित करने के खास तरीके बताए हैं, जिससे उनकी यात्रा सुगम बन सके। रेलवे के नियमों के अनुसार 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष, 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं और 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए लोअर बर्थ का एक संयुक्त कोटा निर्धारित है। यह कोटा स्लीपर से लेकर एसी क्लास तक उपलब्ध होता है, जिससे इन यात्रियों को प्राथमिकता मिलती है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए टिकट बुकिंग करते समय बुजुर्ग नागरिक विकल्प का चयन करना अनिवार्य है। आइआरसीटीसी के अनुसार एक पीएनआर पर केवल 1 या 2 बुजुर्ग यात्रियों के लिए ही लोअर बर्थ मिलने की संभावना अधिक होती है। लोअर बर्थ की गारंटी हेतु रिजर्वेशन चाइस में बुक ऑनली लोउर बर्थ इज एलाउउ विकल्प चुनें। यह विकल्प सुनिश्चित करेगा कि यदि लोअर बर्थ उपलब्ध नहीं है, तो आपका टिकट बुक नहीं होगा। ध्यान रहे कि सामान्य कोटे में लोअर बर्थ का आवंटन पूरी तरह उपलब्धता पर निर्भर करता है। यदि बुकिंग के दौरान लोअर बर्थ नहीं मिल पाती है, तो यात्रा के दौरान आप ड्यूटी पर मौजूद कोच टीटीई से संपर्क कर सकते हैं। उन्हें ज़रूरतमंद यात्रियों की सहायता करने का अधिकार है और वे सीटों की उपलब्धता के आधार पर मदद कर सकते हैं।

तेल कीमतों में उछाल, कच्चा तेल 104 डॉलर के पार

हॉर्मुज में आपूर्ति बाधित, ट्रंप की चीन यात्रा पर नजर, 10 हफ्तों से जारी संघर्ष गहराया

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर बातचीत विफल होने के बाद सोमवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड 104.47 डॉलर प्रति बैरल जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 98.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। दुनिया के महत्वपूर्ण तेल व्यापार मार्ग, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जारी तनाव के कारण तेल आपूर्ति सामान्य नहीं हो पा रही है, जिससे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर संकट गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान की ओर से दिए गए जवाब को अस्वीकार्य करार दिया, जिससे पिछले 10 हफ्तों से जारी संघर्ष के जल्द खत्म होने की उम्मीदें कम हो गईं। अब बाजार की नजर इस हफ्ते होने वाली ट्रंप की चीन यात्रा पर टिकी है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से ईरान मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं, इस उम्मीद के साथ कि चीन, ईरान पर दबाव डालकर युद्धविराम की दिशा में मदद कर सकता है। इस बीच सऊदी अरामको के मुख्य कार्याधिकारी अमीन नासिर ने चिंता व्यक्त की है कि पिछले दो महीनों में दुनिया को लगभग 1 अरब बैरल तेल की कमी झेलनी पड़ी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तेल की आपूर्ति फिर से शुरू भी हो जाए,

तब भी बाजार को सामान्य होने में समय लगेगा। हालिया शिपिंग डेटा से पता चला है कि पिछले हफ्ते दो तेल टैंकर बिना ट्रैकिंग सिस्टम चालू किए स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से निकले, जिसे ईरानी हमलों से बचने की कोशिश माना जा रहा है। इस घटना ने पश्चिम एशिया से तेल निर्यात को लेकर वैश्विक चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

डाक विभाग का 4,000 करोड़ रुपए राजस्व वृद्धि का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

पेम्मासानी ने बताया, नवाचार, जवाबदेही और सेवा विस्तार के दम पर दोगुनी होगी अतिरिक्त आय

नई दिल्ली।

संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने घोषणा की है कि डाक विभाग का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में अपनी अतिरिक्त राजस्व वृद्धि को दोगुना कर 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। यह उपलब्धि नवाचार, जवाबदेही और विभिन्न खंडों में तय लक्ष्यों की प्राप्ति के माध्यम से हासिल की जाएगी। मंत्री पेम्मासानी ने बताया कि डाक विभाग ने बीते वित्त वर्ष में 2,100 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राजस्व वृद्धि दर्ज की, जो पिछले चार दशकों में सर्वाधिक है। इस अवधि में विभाग का कुल राजस्व 13,218 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,296 करोड़ रुपये हो गया। उनका दीर्घकालिक लक्ष्य अगले तीन से चार वर्षों में डाकघरों को लागत केंद्र से लाभ केंद्र में बदलना है। इस सफलता के लिए विभाग ने विभिन्न चुनौतियों का गहन अध्ययन किया, बाजार हिस्सेदारी की पहचान की, परिचालन बाधाओं को दूर किया और जवाबदेही सुनिश्चित की। मंत्री ने नियमित मासिक समीक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदर्शन में कमी पर पहले 15 अधिकारियों को पत्र भेजे गए थे, लेकिन अब प्रभावी निगरानी और प्रोत्साहन के कारण यह संख्या घटकर एक रह गई है। ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए 24 और 48 घंटे में स्पीड पोस्ट वितरण, उन्नत ट्रैकिंग प्रणाली और ओटीपी आधारित अलर्ट जैसी नवाचारी सेवाएं शुरू की गई हैं।

निजी क्षेत्र से प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर, 214 डाकघरों में

चौबीसों घंटे और लगभग 4,000 डाकघरों में विस्तारित कार्य घंटे की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिसे भविष्य में और बढ़ाया जाएगा। मंत्री ने जोर दिया कि आईटी के उपयोग और लक्ष्य-आधारित प्रणाली से ग्राहक संतुष्टि में सुधार आया है।

रेलवे की रफ्तार- रिकॉर्ड बजट व्यय, हवाई यात्रा को मिलेगी कड़ी टक्कर

मंत्री वैष्णव बोले- कई मार्गों पर ट्रेनें विमान सेवाओं से आगे निकलेंगी, यात्रा समय में भारी कमी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को भारतीय रेलवे की तीव्र प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रेलवे ने चालू वित्त वर्ष में अपने निर्धारित बजट का 98 प्रतिशत फरवरी के अंत तक खर्च कर दिया है, जो परियोजनाओं के तेज क्रियान्वयन को दर्शाता है। वैष्णव ने दावा किया कि आगामी समय में देश के कई प्रमुख मार्गों पर ट्रेन सेवाएं हवाई यात्रा को पीछे छोड़ देंगी। मंत्री ने बताया कि 49,000 किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण और 36,000 किलोमीटर नई पटरियों के जुड़ने से यात्रा समय में अभूतपूर्व कमी आएगी। उन्होंने कहा कि 49,000 किलोमीटर विद्युतीकरण जर्मनी के पूरे रेल नेटवर्क से अधिक है, जबकि 36,000 किलोमीटर नई पटरियां स्विट्जरलैंड के नेटवर्क का लगभग छह गुना हैं। उदाहरण के लिए, मुंबई-पुणे (28 मिनट), पुणे-हैदराबाद (1 घंटा 55 मिनट), हैदराबाद-बेंगलुरु (लगभग 2 घंटे), बेंगलुरु-चेन्नई (78 मिनट), दिल्ली-वाराणसी (3 घंटे 50 मिनट) और दिल्ली-लखनऊ (लगभग 2 घंटे) में पूरी होगी। वैष्णव ने विमानन कंपनियों को आगाह करते हुए कहा कि इन मार्गों पर 99 प्रतिशत यातायात रेलवे से होगा और निवेशकों को इस सच्चाई को अभी से समझ लेना चाहिए।

ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स 750 करोड़ के आईपीओ की तैयारी में

सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज किए दाखिल

नई दिल्ली ।

ऑडियो-विजुअल सिस्टम एकीकरण (एवीएसआई) समाधान प्रदान करने वाली कंपनी ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड ने पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए 750 करोड़ रुपये जुटाना है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार इस निर्गम में नए शेयरों के माध्यम से 750 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, प्रमोटर और मौजूदा शेयरधारक 57.10 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी करेंगे। बेंगलुरु स्थित यह कंपनी आईपीओ से पहले 150 करोड़ रुपये तक का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट भी कर सकती है, जिससे नए शेयर निर्गम का आकार उसी अनुपात में कम हो जाएगा। कंपनी ने बताया कि नए निर्गम से प्राप्त 750 करोड़ रुपये में से 160 करोड़ रुपये का उपयोग कुछ ऋणों के पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान के लिए किया जाएगा। वहीं, 330 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने में लगाए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग संभावित अधिग्रहणों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए आरक्षित की जाएगी। ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स ऑडियो-विजुअल सिस्टम एकीकरण (एवीएसआई) समाधानों में विशेषज्ञता रखती है और बेंगलुरु में इसके तीन

विनिर्माण संयंत्र हैं। कंपनी ने भारत सहित सिंगापुर, मलेशिया, ताइवान, यूएई, अमेरिका और फ्रांस जैसे कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी एवीएसआई परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं।

एलपीजी कंपनियों ने ग्राहकों को ठगों से रहें सावधान रहने की दी सलाह

फर्जी ओटीपी मैसेज से बचें, जानें असली संदेश की पहचान और शहर अनुसार कीमतें

नई दिल्ली ।

एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी अब डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) सिस्टम के जरिए हो रही है, जिससे सुरक्षा बढ़ी है पर साइबर ठग इसी का फायदा उठाकर फर्जी मैसेज भेजकर उपभोक्ताओं को धोखा दे रहे हैं। एलपीजी कंपनियों ने ग्राहकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यह सिस्टम सुनिश्चित करता है कि सिलेंडर सही ग्राहक तक पहुंचे, जिससे गलत डिलीवरी और गड़बड़ी की संभावना कम हुई है। हालांकि, इसी सिस्टम का फायदा उठाकर साइबर ठग फर्जी मैसेज भेज रहे हैं। एचपीसीएल और भारत गैस ने चेताया है कि असली मैसेज केवल वीएम-एचपीगैस-एस जैसे आधिकारिक सेंडर आईडी से 4 अंकों के ओटीपी के साथ आते हैं, जिसे सिर्फ सिलेंडर डिलीवरी के समय साझा करें। कोई भी कर्मचारी फोन वाटसएप या लिंक से ओटीपी नहीं मांगेगा। इंडेन ने भी ग्राहकों को पहले बुकिंग जांचने की सलाह दी है और कहा है कि सही मैसेज (वीके-इंडेन या वीएम-इंडेन) से 6 अंकों का डीएसी कोड) डिलीवरी बॉय के घर पहुंचने पर

ही शेयर करें।

वहीं एक तरफ सुरक्षा बढ़ रही है, दूसरी ओर एलपीजी सिलेंडर की कीमतें शहर-शहर अलग-अलग हैं। बेंगलुरु में घरेलू सिलेंडर 915.50 रुपये, हैदराबाद में 965 रुपये और इंदौर में 941 रुपये में उपलब्ध है। पटना में यह 1002.50 रुपये तक पहुंच गया है। ये दरें डिस्ट्रीब्यूशन और स्थानीय लागत के आधार पर निर्भर करती हैं।

फ्लिपकार्ट का एआई बूस्टर, छोटे शहरों के कारोबा रियों को बना रहा बड़ा सेलर

ई-कॉमर्स दिग्गज 1.4 मिलियन विक्रेताओं को सशक्त बनाकर अपनी बाजार स्थिति कर रहा है मजबूत

मुंबई ।

ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट छोटे शहरों के विक्रेताओं को देशभर में अपने कारोबार का विस्तार करने में मदद करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल का उपयोग कर रही है। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाला यह प्लेटफॉर्म अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करने और आगामी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) से पहले अपने 14 लाख विक्रेताओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। फ्लिपकार्ट ने एआई-संचालित ऐसे डैशबोर्ड विकसित किए हैं, जो हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में तत्काल जानकारी प्रदान करते हैं।

यह उपकरण विक्रेताओं को मांग का पूर्वानुमान, मूल्य निर्धारण संबंधी सलाह और बाजार के रुझानों का विश्लेषण करने में सक्षम बनाते हैं, जो पहले उनके लिए अनुपलब्ध थे। वॉयस-एनेबल्ड प्रणाली के माध्यम से, विक्रेता अब यह पूछ सकते हैं कि क्या बनाना है, कब स्टॉक करना है और उत्पादों का सही मूल्य कैसे निर्धारित करना है। फ्लिपकार्ट के मार्केटप्लेस और किराना प्रमुख के अनुसार, इस मार्गदर्शन ने कई व्यवसायों को हफ्तों के भीतर ही

उल्लेखनीय वृद्धि हासिल करने में सहायता की है। यह पहल भारतीय ई-कॉमर्स में एक बड़े संरचनात्मक बदलाव को दर्शाती है।

गूगल और डेलॉयट की रिपोर्ट के अनुसार यह उद्योग 2030 तक मौजूदा 90 अरब डॉलर से बढ़कर 250 अरब डॉलर का अनुमानित बाजार बन जाएगा। इस वृद्धि का मुख्य चालक महानगर नहीं, बल्कि मझोले और छोटे शहर हैं, जहां पहली बार के उद्यमी और कारीगर देशव्यापी पहुंच के साथ डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड बना रहे हैं।

रिपोर्ट बताती है कि एआई इस विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, क्योंकि यह खरीदारों की मांग को अत्यधिक व्यक्तिगत बनाता है, संचालन को सुव्यवस्थित करता है और लाभ में 30 से 35 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है।

भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद भारतीय एमएंडए बाजार मजबूत

आउटबाउंड अधिग्रहण में रिकॉर्ड उछाल, फार्मा, टेक और वित्तीय सेवा क्षेत्र बने मुख्य आकर्षण

नई दिन्ली ।

वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता और असामान्य उथल-पुथल के बावजूद, भारत का विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) बाजार अपनी पकड़ बनाए हुए है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार देश में सौदों की गतिविधियां सालाना 200 अरब डॉलर की रफ्तार से जारी रहने की उम्मीद है। यह सौदे देश और विदेश में समान रूप से बंटे होंगे, जो भारतीय बाजार में निरंतर विश्वास को दर्शाता है। सिंघी ने वैश्विक एमएंडए परिदृश्य को दो हिस्सों की कहानी बताया, जहां अमेरिका और यूरोप में बड़े सौदे और घरेलू एकीकरण हावी हैं, वहीं भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम एशिया में ऊर्जा परिवर्तन और बुनियादी ढांचा प्रमुख चालक हैं। सबसे उल्लेखनीय बदलावों में से एक विदेश में भारतीय कंपनियों के अधिग्रहण में तेजी है। हाल में घोषित सन फार्मा का विदेशी अधिग्रहण इस नई रुचि का प्रमुख संकेत है, जिसे अब तक के सबसे बड़े भारतीय अधिग्रहणों में से एक माना जा रहा है। इस प्रवृत्ति को तीन प्रमुख कारकों से बढ़ावा मिल रहा है- विनिर्माण में प्रौद्योगिकी तक पहुंच, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन, और भारतीय कंपनियों का घरेलू विकास में नरमी के बावजूद विदेशों में अपनी ऐतिहासिक विस्तार गति बनाए रखने की क्षमता, क्योंकि उनके पास मजबूत बैलेंस शीट है। दवा, स्वास्थ्य सेवा, इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाएं (ईएमएस) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विदेशी सौदों में रुचि वाले मुख्य क्षेत्र हैं। देश के भीतर, वित्तीय सेवाएं लगातार विदेशी रणनीतिक रुचि आकर्षित कर रही हैं। पश्चिम एशियाई निवेशक भारत में सक्रिय हैं, और एमिरेट्स एनबीडी-आरबीएल बैंक सौदा एक रणनीतिक कदम का उदाहरण है, जो जीडीपी वृद्धि हासिल करने का एक प्रभावी तरीका है।

75 वर्षों में राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बना सोमनाथ

सौरभ वार्ष्णेय

सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत के संघर्ष, आक्रमणों और पुनर्जागरण की कहानी कहता है। विदेशी आक्रांताओं द्वारा कई बार ध्वस्त किए जाने के बाद भी यह मंदिर भारतीय आस्था का केंद्र बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौहपुरुष सरदार पटेल ने इसके पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। वर्ष 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिसने स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान को नई पहचान दी।

भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आस्था के प्रतीक सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होना केवल एक धार्मिक अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की ऐतिहासिक चेतना, आत्मसम्मान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का भी महत्वपूर्ण क्षण है। आज जब देश इस गौरवपूर्ण यात्रा को स्मरण कर रहा है, तब यह भी स्पष्ट दिखाई देता है कि केंद्र की भारत सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारतीय विरासत और सांस्कृतिक धरोहरों के पुनर्स्थापन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है। सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की अदम्य शक्ति और सनातन परंपरा की अमर गाथा है।

सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत के संघर्ष, आक्रमणों और पुनर्जागरण की कहानी कहता है। विदेशी आक्रांताओं द्वारा कई बार ध्वस्त किए जाने के बाद भी यह मंदिर भारतीय आस्था का केंद्र बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौहपुरुष सरदार पटेल ने इसके पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। वर्ष 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिसने स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान को नई पहचान दी।

इन 75 वर्षों में सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं रहा, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक बन गया। विशेष रूप से पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने तीर्थ स्थलों के विकास और धार्मिक पर्यटन को जिस प्रकार गति दी है, वह उल्लेखनीय है। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, अयोध्या में राम मंदिर और केदारनाथ पुनर्विकास जैसे अनेक प्रकल्प इस सोच को मजबूत करते हैं कि भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर ही विश्व में नई पहचान बना सकता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सोमनाथ बारह ज्योतिलिंगों में प्रथम माना जाता है। कहा जाता है कि चंद्रदेव ने भगवान शिव की आराधना कर यहां अपने श्राप से मुक्ति पाई थी, इसी कारण इसका नाम सोमनाथ पड़ा। अरब सागर के तट पर

स्थित यह मंदिर प्राचीन काल से श्रद्धा और व्यापार दोनों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा। इतिहासकारों के अनुसार इसका उल्लेख अनेक प्राचीन ग्रंथों और यात्रावृांतों में मिलता है।

सोमनाथ का इतिहास जितना गौरवपूर्ण है, उतना ही संघर्षपूर्ण भी। 11वीं शताब्दी में महमूद गजनी ने इस मंदिर पर आक्रमण कर इसकी अपार संपदा लूटी और मंदिर को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद भी विभिन्न कालखंडों में कई विदेशी आक्रांताओं ने इसे निशाना बनाया। लेकिन हर विनाश के बाद भारतीय समाज ने इसे फिर से खड़ा किया। यही तथ्य दशार्ता है कि किसी राष्ट्र की आत्मा को केवल पत्थरों को तोड़कर समाप्त नहीं किया जा सकता। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। आधुनिक सुविधाओं और भव्य स्थापत्य ने इसकी गरिमा को और बढ़ाया है। साथ ही यह मंदिर भारत को यह स्मरण कराता है कि हमारी संस्कृति ने हर संकट के बाद स्वयं को पुनर्जीवित करने की क्षमता दिखाई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं कई बार यह कहा है कि विकास और विरासत साथ-साथ चल सकते हैं। यही कारण है कि सरकार ने एक ओर आधुनिक आधारभूत संरचना पर बल दिया, वहीं दूसरी ओर प्राचीन मंदिरों, तीर्थों और सांस्कृतिक केंद्रों के संरक्षण को भी महत्व दिया। सोमनाथ मंदिर परिसर का आधुनिकीकरण, पर्यटन सुविधाओं का विस्तार और आसपास के क्षेत्र का विकास इसी दृष्टि का हिस्सा है।

हालांकि, इस अवसर पर यह भी आवश्यक है कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित न रह जाए। मंदिरों और तीर्थ स्थलों के विकास के साथ-साथ देश को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर भी समान गंभीरता से आगे बढ ?ा होगा। राष्ट्रीय गौरव तभी सार्थक होगा, जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सोमनाथ के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष भारत की उस अटूट चेतना का प्रमाण हैं, जिसने सदियों के संघर्ष के बाद भी अपनी पहचान को जीवित रखा। यह अवसर केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की सांस्कृतिक दिशा तय करने का भी है। यदि विरासत और विकास का संतुलन बना रहा, तो भारत विश्व मंच पर अपनी सभ्यतागत शक्ति के रूप में और अधिक मजबूती से उभरेगा। आज जब भारत विश्व मंच पर अपनी नई पहचान बना रहा है, तब सोमनाथ जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक केंद्र देश की सांस्कृतिक शक्ति को मजबूत करते हैं। पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में भी ऐसे तीर्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी धरोहरों के संरक्षण, स्वच्छता और ऐतिहासिक महत्व को आने वाली पीढि ?ों तक पहुँचाने का कार्य गंभीरता से करें।

सोमनाथ मंदिर के 75 वर्ष हमें यह याद दिलाते हैं कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना और आत्मविश्वास में निहित होती है। समय बदलता है, चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन जो सभ्यता अपनी जड़ों से जुड़ी रहती है, वह सदैव मजबूत बनी रहती है। सोमनाथ इसी अमर भारतीय चेतना का प्रतीक है। वर्तमान समय में जब इतिहास और सांस्कृतिक पहचान को लेकर नई बहसें चल रही हैं, तब सोमनाथ का इतिहास हमें संतुलित दृष्टि अपनाने की प्रेरणा देता है। यह मंदिर प्रतिशोध का नहीं, बल्कि पुनर्निर्माण, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव का संदेश देता है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है, और सोमनाथ उसी निरंतरता का जीवंत प्रतीक है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

संपादकीय

सोनार बांग्ला का संकल्प

यह भाजपा के लिए आह्लादित होने का वक्त है कि आजादी के बाद पहली बार बंगभूमि में उसकी सरकार बनी है। जिस धूमधाम व उल्लास संग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा व एनडीए के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में पश्चिम बंगाल में शुभेंदु सरकार का शपथग्रहण समारोहपूर्वक संपन्न हुआ, उससे इसके महत्व का पता चलता है। भाजपा के लिए यह मौका इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उसकी पूर्ववर्ती मातृ पार्टी जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि में सरकार बनाने का सपना पौन सदी बाद पूरा हुआ। दशकों तक वामपंथी दलों का गढ़ रहे बंगाल में दक्षिणपंथ का उदय एक विस्मयकारी घटना है। डेढ़ दशक से सत्ता में

काबिज तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने में भाजपा ने साम-दाम-दंड-भेद के मुहावरे को हकीकत बनाया। कई दशकों के योजनाबद्ध अभियानों के बाद बंगाल में कमल खिला है। आक्रामक प्रचार तंत्र, मजबूत संगठन व संघ के वरदहस्त के चलते आज पश्चिम बंगाल भाजपामय हुआ है। यह पल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा ने कभी वामगढ़ रहे प्रदेश में अपनी यात्रा शून्य से शुरू की है। एक दशक में सुनियोजित अभियान से भाजपा का सत्ता पर काबिज होना भारतीय राजनीति की ऐतिहासिक घटना कही जा सकती है। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि शुभेंदु विपक्ष में रहते दिखाए गए आक्रामक तेवरों को छोड़, प्रतिशोध की राजनीति में न उलझकर, इस परिवर्तन को सार्थक बनाएंगे। कुछ ऐसा करें कि देश में शुभेंदु विकास मॉडल की चर्चा हो।

निस्संदेह, बंगाल में मिली बड़ी कामयाबी का श्रेय केंद्रीय नेतृत्व व पार्टी संगठन के साथ ही शुभेंदु अधिकारी को दिया जाना चाहिए, जिन्होंने सत्ता के दमन का सामना करते हुए न केवल संगठन को मजबूत बनाये रखा, बल्कि नंदीग्राम से लेकर भवानीपुर तक बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी को सीधी लड़ाई में परास्त भी किया। वे पिछले पांच वर्ष से सड़क से विधानसभा तक में आक्रामक ढंग से टीएमसी का प्रतिरोध करते रहे। लेकिन अब जब उन्हें राज्य की बागडोर सौंपी गई है तो उम्मीद करें कि वे राज्य की कानून व अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाएंगे। उद्योग विरोधी नीतियों को दूर कर, राज्य में भारी निवेश को आमंत्रित करके बेरोजगारी संकट को दूर करने का प्रयास करेंगे। राज्य में कानून व्यवस्था, खासकर महिला सुरक्षा का बड़ा मुद्दा रहा है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद राज्यव्यापी आक्रोश पनपा था। संदेशखाली में महिलाओं से दुर्व्यवहार व हिंसा की घटनाएं लोगों को याद हैं। राष्ट्रवादी नीतियों को लेकर अगुवा रहने वाली भाजपा के लिए बांग्लादेश सीमा से घुसपैठ रोकना प्राथमिकता होगी, लेकिन इसका खमियाजा भारतीय नागरिकों को न भुगतना पड़े। उम्मीद की जानी चाहिए कि शुभेंदु सरकार राज्य में राजनीतिक व चुनावी हिंसा पर लगाम लगाने की ठोस पहल करेगी। साथ ही उन हिंसा करने वाले दबंग तत्वों पर लगाम लगाएगी, जो चोला बदलकर हर नई सरकार की छतरी के नीचे खड़े हो जाते हैं। जो कालांतर राज्य में अराजक राजनीतिक संस्कृति को जन्म देते हैं। कानून व्यवस्था सुधरने से ही पश्चिम बंगाल पटरी पर लौटेगा।

चिंतन-मनन

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए।

प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है। चेतना के उस शुद्ध स्वभाव को देखो जहां जानने-देखने के सिवाय कुछ भी नहीं है। वही परम दर्शन है।

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

योगेश कुमार गोयल

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 206 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आईं। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यो के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से 'लेडी विद द लैंप' कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी।

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी वालों के फिरेंगे दिन

उमेश चतुर्वेदी

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे आ चुके हैं। शुभेंदु अधिकारी की अगुआई में राज्य में नई सरकार बन चुकी है। ममता बनर्जी की सरकार इतिहास के पन्नों में सिमट गई है। यूं तो हर चुनाव अभियान के साथ तमाम घटनाएं इतिहास में समाती रहती हैं। उनमें से कुछ का प्रभाव बरसों तक रहता है। पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव अभियान में एक घटना ऐसी घटी, जिसने ना सिर्फ पश्चिम बंगाल के वोटरों पर अमिट छाप छोड़ी, बल्कि बांग्ला खान-पान और संस्कृति से उन लोगों को भी परिचित करा दिया, जो उससे अब तक सर्वथा अपरिचित थे।

पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं-बच्चों के साथ मिलकर खाया था। इसके साथ ही झालमुढ़ी इंटरनेट सर्च की दुनिया में पहले नंबर पर पहुंच गई।

झालमुढ़ी में कई बार भुने हुए चने भी मिलाए जाते हैं तो कई बार भीगे हुए कच्चे चने तो कई बार उस चने से बनी घुघनी। जिन्हें घुघुनी के बारे में पता नहीं है, उनकी जानकारी के लिए बता दें कि भीगे हुए चने को जीरा, हरी मिर्च के सरसों तेल में छौंक लगाने के बाद सूखा और कई बार प्याज-टमाटर आदि मिलाकर मसालों को साथ भी पकाया जाता है। पश्चिम बंगाल ही क्यों, पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में मुढ़ी को विशेषकर शाम की चाय के वक्त खाया जाता है। इन इलाकों के स्कूलों, कॉलेजों के बाहर, कचहरियों में स्टेशन के सामने झालमुढ़ी के ठेले और खोमचे खूब दिख जाएंगे। विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है। पश्चिम बंगाल और मिथिलांचल में तो मुढ़ी को पकौड़े के साथ भी खाया जाता है। पश्चिम बंगाल में तो इसे आलूचप के साथ विशेष रूप में पसंद किया जाता है। अब सवाल उठ सकता है कि आलूचप क्या होता है। दरअसल उबले आलू को मसलकर उसमें नमक, मसाले आदि मिलाकर उसकी टिक्की को बनाया जाता है। फिर उसे बेसन में डुबोकर छाना जाता है। इसे ही आलूचप कहा जाता है। वैसे आलूचप पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा में खूब प्रचलित है। विशेषकर शाम की चाय के वक्त।

झालमुढ़ी का पश्चिम बंगाल की राजनीति से खास रिश्ता है। राजनीतिक, चुनावी आदि चचाओं में चाय के साथ सहज उपलब्ध झालमुढ़ी ही होती है। कई बार सिर्फ मुढ़ी भी खाया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शादी-विवाह मुंडन-जनेऊ के हल्दी और मंडप बनाने के दिन विशेषरूप से लोगों को सिर्फ मुढ़ी मिठाई या गुड़ के साथ नाश्ते में दी जाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता के एक मैदान पर ममता बनर्जी ने बाबुल सुप्रियो के संग झालमुढ़ी खाया था। इसके जरिए उन्होंने अपनी विजय, भाजपा से बेफिक्री और अपने लोगों को संदेश दिया था। उन्नीस अप्रैल को झारग्राम में झालमुढ़ी खरीदते वक्त पता नहीं प्रधानमंत्री मोदी को यह पता था कि नहीं, लेकिन उन्होंने इसके जरिए इतिहास रच दिया। गांधी जी के बारे में कहा जाता है कि वे बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर थे। प्रधानमंत्री मोदी भी बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर हैं। मात्र दस रूपए की झालमुढ़ी के जरिए उन्होंने पश्चिम बंगाल के आम लोगों के दिलों तक जगह बना ली। उन्होंने अपनी पार्टी का संदेश सीधे हर घर तक पहुंचा दिया। जिन इलाकों में झालमुढ़ी खाई जाती है, उन इलाकों में देखेंगे तो हर राजनीतिक सम्मेलन, रैली आदि के दौरान बाहर इसके ठेले और खोमचे लगे होते हैं। कई बार नेताओं के इंतजार में वक्त काटने तो कई बार तात्कालिक भूख मिटाने का जरिया यह झालमुढ़ी ही होती है। स्कूलों, कॉलेजों और कचहरियों के आसपास झालमुढ़ी और चने-चबेने के खोमचे और ठेले आपको पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुतायत से मिल जाएंगे। हाट-बाजार में भी शाम की चाय के वक्त का इन इलाकों का सबसे आसानी से सस्ते में उपलब्ध और पसंदीदा स्नैक यह झालमुढ़ी ही है। झालमुढ़ी आम लोगों और आम दुकानदारों से जुड़ने का भी सबसे बड़ा जरिया है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने झारग्राम में सड़क किनारे की झालमुढ़ी की दुकान को चुना और महज दस रूपए की झालमुढ़ी के ठोंगे यानी लिफाफे के जरिए पश्चिम बंगाल के करोड़ों दिलों तक जगह बना ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। झालमुढ़ी उनके इन दोनों नारों का भी प्रतिनिधित्व करता है। झालमुढ़ी और उसमें शामिल किए जाने तत्वों को स्थानीय स्तर पर ही तैयार किया जाता है, स्थानीय लोगों में यह सर्वाधिक लोकप्रिय है और इसके जरिए स्थानीय स्तर पर एक पूरी श्रृंखला की रोजी-रोटी चलती है। इसलिए यह आत्मनिर्भर भारत का भी प्रतीक है। चूंकि इसे खरीदने और खाने से स्थानीय रोजगार और पैदावार को सहयोग मिलता है, इसलिए यह वोकल फॉर लोकल के भी नजदीक है।

पश्चिम बंगाल में अब सरकार बन चुकी है। सरकार बनने और जीत हासिल करने के बाद बीजेपी और उसके नेताओं ने झालमुढ़ी की पार्टियां की हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की सरकार राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी और उस पर निर्भर लोगों की भलाई की दिशा में जरूर कदम उठाएगी।

संक्षिप्त समाचार

हॉलीवुड निर्माता व वॉर्नर ब्रदर्स के पूर्व कार्यकारी टोनी का निधन

न्यूयॉर्क , एजेंसी। टेलीविजन निर्माता और वॉर्नर ब्रदर्स के पूर्व प्रोडक्शन वाइस प्रेसिडेंट टोनी अमतुलो का 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार के अनुसार, एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया से जूझने के बाद 3 मई को न्यूयॉर्क में उन्होंने अंतिम सांस ली। 14 जुलाई 1949 को मैनहट्टन में जन्मे अमतुलो ने फेम और मियामी वाइस जैसे लोकप्रिय शो में बतौर सहयोगी निर्माता काम किया। उन्होंने स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्मों द गूनीज और द कलर पर्पल में मैनेजर की भूमिका निभाई।

कनाडा : दंपती की हत्या में 3 भारतवंशी दोषी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की एक अदालत ने एबॉट्सफोर्ड में एक बुजुर्ग दंपती की बर्बर हत्या के मामले में भारतीय मूल के तीन लोगों को फर्स्ट-डिग्री मर्डर का दोषी ठहराया है। ब्रिटिश कोलंबिया सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस ब्रेंडा ब्राउन ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि गुरकरण सिंह, अभिजीत सिंह और खुशवीर तूर ने इस हत्याकांड में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अर्नाल्ड और जोआन डी जोंग मई 2022 में अपने घर में मृत पाए गए थे। अभियोजकों ने अदालत को बताया कि तीनों आरोपियों ने मिलकर लूटपाट और हत्या की साजिश रची थी। उन्होंने घर से क्रेडिट कार्ड, चेक और एक पावर वॉशर चुराया था। ये तीनों आरोपी अभिजीत सिंह की सफाई कंपनी में काम करते थे, जिसने पहले इस दंपती के घर काम किया था। दंपती के शव अलग-अलग कमरों में मिले थे। अर्नाल्ड का चेहरा डक्ट टेप से लिपटा था, जबकि जोआन खून से लथपथ मिली थीं। दोनों के हाथ-पैर रस्सी से बंधे थे। अदालत में पेश साक्ष्यों में घटनास्थल से मिला डीएनए, हत्या में इस्तेमाल रस्सी और संदिग्धों की गाड़ी से बरामद मेटल का बेसबॉल बैट शामिल है। फोन डाटा से पता चला कि हत्या के बाद अभिजीत ने इंटरनेट पर सजा संबंधी कानून भी सर्च किए थे। दोषियों को सजा 28 मई को सुनाई जाएगी।

हैकर समूह शाइनीहंटर्स ने ली हमले की जिम्मेदारी

मिसिसिपी , एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी स्टेट यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार की अंतिम परीक्षाएं स्थगित कर दीं ताकि छात्र अपना संभावित रूप से खोया हुआ कार्य दोबारा प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान के छात्र ऑब्री पामर ने बताया कि वह और अन्य छात्र लगभग 2,900 शब्दों का परीक्षा निबंध पूरा कर चुके थे, तभी अचानक स्क्रीन पर फिरौती वाला संदेश दिखाई देने लगा।

ऑस्ट्रेलिया से कनाडा तक विश्वविद्यालय प्रभावित

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सिडनी यूनिवर्सिटी ने छात्रों को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि कैनवस फिलहाल उपलब्ध नहीं है और छात्र लॉगिन करने की कोशिश न करें। विश्वविद्यालय ने स्वीकार किया कि सेमेस्टर के बेहद महत्वपूर्ण समय में यह व्यवधान छात्रों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर रहा है। विश्वविद्यालय ने बताया कि वह दुनिया भर के लगभग 9000 प्रभावित संस्थानों में शामिल है और इंस्ट्रक्चर से आगे की सलाह का इंतजार कर रहा है।अमेरिका में आइडाहो स्टेट यूनिवर्सिटी ने दोपहर बाद होने वाली परीक्षाएं रद्द कर दीं, जबकि पेन स्टेट यूनिवर्सिटी ने छात्रों को संदेश भेजकर बताया कि फिलहाल किसी को भी कैनवस तक पहुंच नहीं मिल पा रही।

कांगो संकट में अमेरिका की भूमिका पर सवाल

किंशासा , एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो के विद्रोहियों ने अमेरिका पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। विद्रोही गुट 'एम-23' ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को पत्र लिखकर कहा कि अमेरिका शांति के लिए सही से मध्यस्थता नहीं कर रहा है। उनका कहना है कि अमेरिका केवल उन पर पाबंदियां लगा रहा है, जबकि कांगो सरकार की गलतियों को नजरअंदाज कर रहा है। कांगो का यह इलाका खनिज संपदा से भरपूर है और यहां दशकों से हिंसा चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले इस विवाद को सुलझाने का दावा किया था, लेकिन जमीन पर अभी भी लड़ाई जारी है। इस संघर्ष में अब तक हजारों लोग प्रभावित हो चुके हैं।

पाकिस्तान के बन्नू में आतंकी हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों ने एक पुलिस स्टेशन को निशाना बनाया। हमलावरों ने पहले विस्फोटक से लदी गाड़ी से धमाका करने की कोशिश की और फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई ने एक बड़े आत्मघाती हमले को टाल दिया, लेकिन धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के कई घरों की छतें गिर गईं।

यूएई ने रातों-रात हजारों पाकिस्तानियों का बोरिया-बिस्तर बांधा ; ना कारण बताया, ना मोहलत दी

अबू धाबी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान में जारी जंग के बीच खुद को मध्यस्थ यानी बिचौलिए के तौर पर पेश करने की पाकिस्तान की कोशिश उसी पर भारी पड़ गई है। पाकिस्तान के इस कदम से मुस्लिम देश संयुक्त अरब अमीरात (‹श्व) के साथ उसके कूटनीतिक संबंध बिगड़ गए हैं। यूएई से बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी कामगारों को डिपोर्ट (निर्वासित) किया जा रहा है।

यूएई क्यों है पाकिस्तान से खफा : खाड़ी में कई हफ्तों तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने में पाकिस्तान ने अहम भूमिका निभाई है। अब न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई इस बात से बेहद नाराज है कि पाकिस्तान ने अमीराती क्षेत्र को निशाना बनाकर किए गए ईरानी हमलों की कड़ी निंदा नहीं की। इसी नाराजगी के चलते यूएई की तरफ से पाकिस्तानियों पर यह सख्त कार्रवाई की जा रही है।

बिना कारण बताए हजारों पाकिस्तानियों को किया डिपोर्ट : न्यूयॉर्क टाइम्स ने कई पाकिस्तानी कामगारों और समुदाय के नेताओं से बातचीत के आधार पर बताया है कि हाल के हफ्तों में हजारों पाकिस्तानी शिया मुसलमानों को यूएई से निकाल दिया गया है। कई लोगों का दावा है कि उन्हें डिपोर्ट करने से पहले बिना कोई कारण बताए हिरासत में रखा गया था।

पाकिस्तानी शिया नेताओं का कहना है कि उनके समुदाय के लोगों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि उनके ईरान के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। सामुदायिक संगठनों का अनुमान है कि मध्य-अप्रैल से लेकर अब तक हजारों परिवार इस निर्वासन से प्रभावित हो चुके हैं।

हालांकि, यूएई ने अभी तक इन आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भी ऐसे किसी सामूहिक निर्वासन अभियान के दावों को खारिज किया है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका : इस मुद्दे ने पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि यूएई से आने वाला पैसा पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी जीवन रेखा है। वर्तमान में 20 लाख से अधिक पाकिस्तानी यूएई में रहते और काम करते हैं। अकेले पिछले साल ही इन पाकिस्तानी कामगारों ने 8 अरब डॉलर से ज्यादा की रकम अपने देश भेजी थी। पाकिस्तान की कूटनीति और डगमगाती अर्थव्यवस्था इस समय खाड़ी देशों के बदलते रुख के बीच फंसी हुई है। एक तरफ जहां पाकिस्तान ने सऊदी अरब से अपनी नजदीकियां बढ़ाई हैं, वहीं दूसरी तरफ यूएई (‹श्व) का रवैया उसके प्रति बेहद सख्त हो गया है। दशकों से पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को कर्ज का 'रोल-ओवर' करके सहारा देने वाले यूएई ने अपना 3.5 अरब डॉलर का कर्ज तुरंत वापस ले लिया है। अप्रैल 2026 में पाकिस्तान को मजबूरन यह भारी-भरकम कर्ज यूएई को चुकाना पड़ा, जिसके लिए उसे सऊदी अरब से मिली नई आर्थिक मदद (डिपॉजिट) का सहारा लेना पड़ा। यूएई का यह कदम साफ दर्शाता है कि पाकिस्तान का सऊदी की तरफ अधिक झुकाव और ईरान विवाद में उसकी मध्यस्थता वाली भूमिका के चलते अबू धाबी का रुख अब 'मुफ्त मदद' से बदलकर 'सख्त वसूली' वाला हो गया है।

अमेरिका 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' की तैयारी में : यह निर्वासन का मामला ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े संकेत दिए हैं। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ बातचीत विफल होती है, तो वॉशिंगटन 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को फिर से शुरू कर सकता है। यह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा के लिए बनाई गई एक समुद्री सुरक्षा पहल है। खाड़ी में जारी अस्थिरता के बीच ट्रंप ने साफ किया है कि इस ऑपरेशन को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' के नाम से और भी व्यापक रूप में वापस लाया जा सकता है।

बिना आईडी नेपाल में नहीं मिलेगी एंट्री, बालेन सरकार ने भारतीयों पर लगा दिया नया नियम

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की बालेन सरकार ने भारतीयों पर नया नियम लगा दिया है। दरअसल, भारत से नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। यही नहीं, नेपाल से भारत में प्रवेश करने वालों को भी परिचय पत्र दिखाना होगा। आधार या सरकार से जारी वैध पहचान पत्र मान्य हैं। इसे लेकर नेपाल प्रशासन शनिवार को एक्टिव हो गई। नई व्यवस्था लागू होने के बाद शनिवार को जोगबनी स्थित भारत-नेपाल सीमा पर दिनभर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पहचान पत्रों की सघन जांच के कारण सीमा पर वाहनों और राहगीरों की लंबी कतारें लग गईं। कोलकाता से आने वाली ट्रेन के जोगबनी स्टेशन पहुंचते ही बड़ी संख्या में यात्री नेपाल जाने के लिए सीमा पर पहुंच गए। नेपाल पुलिस के जवान पहचान पत्र जांचने के बाद ही लोगों को नेपाल में प्रवेश दे रहे थे। जिन लोगों के पास वैध पहचान पत्र नहीं था, उन्हें वापस लौटा दिया गया।

नेपाल के प्रमुख जिलाधिकारी युवराज कटेल ने स्पष्ट कहा कि सीमा पार करने के लिए पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। उधर, बहराइच से सटी नेपाल की करीब 17 किलोमीटर सीमा पट्टी में बड़ी संख्या में मधेशी समुदाय के लोग रहते हैं। नेपाली क्षेत्र के जमुनहा गांव में इस फैसले को लेकर तनाव का माहौल बताया जा रहा है। नेपाली

आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान आने-जाने वालों से पूछताछ और जांच के नाम पर सख्ती कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

चीनी घुसपैठ की आशंका लेकर पुलिस और एसएसबी अलर्ट : उधर, नेपाल की सीमा से चीनी नागरिकों की घुसपैठ के मामलों के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों की पुलिस और एसएसबी को अलर्ट किया गया है। बिहार के बेतिया, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी समेत उत्तर बिहार के अन्य जिलों की पुलिस को इलाके के सभी प्रमुख होटलों और लॉज की नियमित जांच कराने का निर्देश दिया गया है। तीन दिनों पहले अररिया के जोगबनी बॉर्डर से भारत में घुसे चीनी नागरिक को बिना वैद्य दस्तावेज के पकड़ा गया था। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि बीते चार मई को चीन के हुनान प्रांत का नागरिक झोउ हुआन नेपाली नंबर की स्कूटी से भारत में प्रवेश किया। बॉर्डर के पास में ही एसएसबी जवानों ने उसे रोक लिया। स्थानीय पुलिस ने उससे गहन पूछताछ की थी।

अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों पर साइबर हमला, परीक्षाओं के बीच मांगी बिटकॉइन फिरौती

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के विश्वविद्यालयों और स्कूलों पर बड़े पैमाने पर हुए साइबर हमलों ने शिक्षा व्यवस्था को हिला दिया है। हैकर समूह शाइनीहंटर्स ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले का निशाना बना कैनवस नाम का ऑनलाइन शैक्षणिक मंच, जिसका इस्तेमाल दुनिया भर के हजारों विश्वविद्यालय और स्कूल पढ़ाई, असाइनमेंट और परीक्षाओं के संचालन के लिए करते हैं। हमले के कारण अंतिम परीक्षाओं और असाइनमेंट के महत्वपूर्ण दौर में व्यापक अव्यवस्था फैल गई। कई विश्वविद्यालयों को परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ीं, जबकि छात्रों और शिक्षकों को अपने डाटा और कार्य के सुरक्षित रहने को लेकर चिंता सताने लगी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार कैनवस की मालिक कंपनी इंस्ट्रक्चर ने शुक्रवार देर रात अपनी वेबसाइट पर बताया कि अधिकांश उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाएं बहाल कर दी गई हैं, लेकिन शनिवार तक भी कई संस्थानों में भारी व्यवधान बना रहा। रिपोर्टों के अनुसार इस साइबर हमले से दुनिया भर के लगभग 9000 शैक्षणिक संस्थान प्रभावित हुए। कई उपयोगकर्ताओं की स्क्रीन पर बिटकॉइन में फिरौती मांगने वाला संदेश दिखाई दिया, जिसमें दावा किया गया कि शाइनीहंटर्स ने इंस्ट्रक्चर के सिस्टम में सेंध लगा ली है और यदि भुगतान नहीं किया गया तो चोरी किया गया डेटा सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

मियामी में नाव में जोरदार धमाका, 11 लोग अस्पताल में भर्ती : मियामी , एजेंसी। अमेरिका के मियामी में हौलओवर सैंडबार के पास शनिवार दोपहर एक नाव में भीषण विस्फोट होने से हड़कंप मच गया। धमाका इतना जोरदार था कि नाव पर सवार कई लोग सीधे पानी में जा गिरे। मियामी-डेड फायर रेस्क्यू ने इस घटना को 'लेवल 2 मास कैजुअल्टी' घोषित करते हुए 25 से अधिक बचाव इकाइयों को मौके पर भेजा। इस हादसे में घायल हुए 11 लोगों को तुरंत पास के अस्पतालों में ले जाया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच और चश्मदीदों के अनुसार, यह विस्फोट नाव के इंजन में जमी पेट्रोल की गैस के कारण हो सकता है।

होर्मुज में गोलीबारी का शिकार हुआ भारतीय जहाज, गुजरात के नाविक की मौत; 5 घायल

तेहरान, एजेंसी। होर्मुज में एक और भारतीय जहाज गोलीबारी का शिकार हुआ है। नाविकों के एक संगठन के प्रतिनिधि के अनुसार, बीते शुक्रवार को यह घटना हुई, जब होर्मुज स्ट्रेट में दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में फंस जाने से गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। शिपिंग निदेशालय के अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि तो की, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने बताया कि वे इस मामले में सहायता प्रदान कर रहे हैं।

यह लकड़ी से बना जहाज था, जिसकी पहचान अल फैज नूर-ए-सुलेमानी 1 नाम से हुई है। इस जहाज में 18 लोगों का क्रू सवार था। यह 7 मई को दुबई से निकला था और यमन के मुक्कम की ओर जा रहा था, तभी 8 मई को रात करीब एक बजे, होर्मुज स्ट्रेट पार करते समय यह गोलीबारी की चपेट में आ गया। बता दें कि

ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद से ही होर्मुज टकराव का केंद्र बना हुआ है। ईरान ने लंबे समय से बिना इजाजत किसी भी जहाज को निकलने देने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। इसकी वजह से कच्चे तेल के दामों में भी बढ़ोतरी हो रही है। अधिकारियों को लिखे एक लेटर में इंडियन सेलिंग वेसल्स एसोसिएशन (गुजरात) के महासचिव, आदम भाया ने इस घटना को अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण और हिंसक झड़प बताया। मृतक अल्ताफ तालाब केर उस जहाज पर इंजन ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। वे गुजरात के द्वारका जिले के सलाया गांव के रहने वाले थे। बाकी क्रू सदस्यों को सुबह करीब 7 बजे (स्थानीय समय) MSV प्रेम सागर-I (BDI-1491) द्वारा बचा लिया गया और वे उसी दिन शाम 6 बजे तक दुबई पोर्ट पहुंच गए। उनका इलाज एक स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। एक सूत्र ने बताया कि घटना के तुरंत बाद भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने बचाए गए नागरिकों से मुलाकात की। 11 भारतीय जहाज होर्मुज से बाहर निकले इससे पहले गुरुवार को, विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि 11 भारतीय जहाज होर्मुज से बाहर निकल चुके हैं, जबकि 13 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी में मौजूद हैं। एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, जायसवाल से उन रिपोर्टों के बारे में पूछा गया कि क्या ईरानी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी से बचने के लिए पाकिस्तानी समुद्री सीमा और फिर भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजर सकते हैं, और क्या ऐसा करने के लिए भारतीय अधिकारियों से विशेष अनुमति लेने की आवश्यकता है। जायसवाल ने कहा, 'उन रिपोर्टों के संबंध में कि ईरानी जहाज नाकेबंदी से बचने के लिए भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजर सकते हैं। यदि अन्य देशों के जहाज अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में चलना चाहते हैं, तो किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है।

ईरान के परमाणु हथियार बनाने का कोई सबूत नहीं: व्लादिमीर पुतिन

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को 'बहुत कठिन संघर्ष' बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। संकट का समाधान निकालने की कोशिश कर रहा रूसः पुतिन पुतिन ने विक्ट्री डे परेड के बाद मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, रूस के ईरान और खाड़ी देशों दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। रूस दोनों पक्षों के संपर्क में है। इस संकट का समाधान निकालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ईरान और अमेरिका के बीच यह बहुत कठिन संघर्ष है। इससे हमारी स्थिति भी कठिन हो जाती है, क्योंकि हमारे ईरान और खाड़ी देशों दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। हम दोनों पक्षों के संपर्क में हैं। मुझे उम्मीद है कि यह संघर्ष जल्द खत्म होगा। मेरा मानना है कि कोई भी इसे जारी रखना नहीं चाहता। उन्होंने यह भी कहा, समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर क्या कहा? ईरान के परमाणु कार्यक्रम और परमाणु हथियार बनाने के आरोपों पर पुतिन ने कहा कि रूस ने 2015 में भी इस मामले में सहयोग किया था। उन्होंने बताया कि ईरान में बुशेहर परमाणु संयंत्र जैसी परियोजना केवल शांतिपूर्ण ऊर्जा उद्देश्यों के लिए हैं। उन्होंने कहा, हमने 2015 में भी ऐसा किया था। उस समय ईरान ने हम पर भरोसा किया था और उसके पीछे ठोस कारण थे। हम आज भी ईरान में परमाणु कार्यक्रमों पर काम कर रहे हैं। हमने बुशेहर संयंत्र का निर्माण पूरा किया। मौजूदा स्थिति से शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर हमारा काम प्रभावित नहीं है। 2015 में यह सभी देशों और ईरान के बीच समझौते की नींव बना था और इसका बहुत सकारात्मक असर हुआ था। हम फिर से वही करने के लिए तैयार हैं। 'ईरान के परमाणु हथियार विकसित करने के सबूत नहीं' पुतिन ने कहा कि रूस को कभी ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करना चाहता है। उन्होंने कहा, अगर सभी पक्ष सहमत हों, तो ईरान भरोसा कर सकता है कि वह अपनी परमाणु सामग्री एक मित्र देश को भेज सकता है, जो शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग करता रहेगा। हमने कभी नहीं कहा कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। मेरी राय में दूसरे देशों की भी इसमें रुचि हो सकती है। उन्होंने ईरान के यूरेनियम कार्यक्रम को लेकर पहले दिए गए प्रस्तावों का भी जिक्र किया। पुतिन ने कहा कि रूस ने सुझाव दिया था कि अंतरराष्ट्रीय निगरानी में संयुक्त परियोजनाओं के जरिये यूरेनियम का प्रसंस्करण किया जाए। यह पूरा काम संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए की निगरानी में हो सकता है।

मिस्र और कतर ने अमेरिका और ईरान से 'जिम्मेदारी और समझदारी' दिखाने की अपील की

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और कतर के प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान जसीम अल-थानी ने अमेरिका और ईरान से इस संवेदनशील समय में 'जिम्मेदारी' और 'समझदारी' से काम लेने की अपील की है। शनिवार को दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि विवादों को सुलझाने के लिए कूटनीति और बातचीत का रास्ता अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता प्रक्रिया को समर्थन देने पर भी जोर दिया। यह जानकारी मिस्र के विदेश मंत्रालय ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा की। उनका कहना था कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए राजनीतिक समाधान को प्राथमिकता देना जरूरी है, ताकि क्षेत्र के लोगों के संसाधनों और हितों की रक्षा हो सके।

28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमले किए थे। इसके बाद 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हुआ। बाद में पाकिस्तान में लंबी शांति वार्ता भी हुई, लेकिन उससे कोई ठोस समझौता नहीं निकल सका।

कूटनीतिक कोशिशों के बावजूद हाल के दिनों में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास फिर तनाव बढ़ गया। अमेरिका ने ईरानी

जहाजों और तटीय इलाकों पर हमले किए, जबकि ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर मिसाइल और ड्रोन से जवाबी हमला किया। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स नेवी ने शुक्रवार को कहा कि ईरानी सेना ने बड़े पैमाने पर संयुक्त सैन्य अभियान चलाया।

इसमें बैलिस्टिक मिसाइल, जहाज रोधी क्रूज मिसाइल और विस्फोटक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। ईरान ने दावा किया कि इन हमलों का निशाना अमेरिकी युद्धपोत थे। ईरान ने यह भी कहा कि खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी जहाजों को काफी नुकसान पहुंचा, जिसके बाद तीन अमेरिकी युद्धपोतों को होर्मुज क्षेत्र से पीछे हटना पड़ा। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 'बिना उकसावे वाले हमलों' को रोक दिया और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। सेंटकॉम के मुताबिक, अमेरिका तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन अपनी सेना की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तीनों अमेरिकी युद्धपोतों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

पीटर मगयार ने हंगरी के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली, जो ओर्बन युग के अंत का प्रतीक है

बुडापेस्ट, हंगरी , एजेंसी। हंगरी के नए प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार शनिवार को संसद भवन पहुंचे और उन्होंने पद की शपथ ली, जिससे विक्टर ओर्बन के 16 साल के निरंकुश शासन का अंत हो गया। पिछले महीने, मैग्यार की मध्य-दक्षिणपंथी टिस्ज़ा पार्टी ने एक आश्चर्यजनक उलटफेर में ओर्बन की राष्ट्रवादी-लोकप्रिय फ़िडेज़ पार्टी को हरा दिया, और हंगरी के साम्यवाद-पश्चात इतिहास में किसी भी अन्य पार्टी की तुलना में अधिक वोट और संसद में सीटें हासिल कीं। इस जीत से टिस्ज़ा को संसद में दो-तिहाई बहुमत मिला है, जिससे वह उन कई नीतियों को पलट सकती है जिनके कारण ओर्बन को उनके कई आलोचकों के बीच एक धुर दक्षिणपंथी तानाशाह के रूप में ख्याति मिली थी, कथित भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा सकती है और यूरोपीय संघ के भीतर राजनीतिक गतिशीलता को बदल सकती है, जहां पूर्व प्रधानमंत्री ने महत्वपूर्ण निर्णयों को बार-बार वीटो करके ब्लॉक को उलट-पुलट कर दिया था। शनिवार को, मैग्यार अपने दल के 140 प्रतिनिधियों के साथ विशाल नव-गॉथिक शैली के संसद भवन में दाखिल हुए। हंगरी की 199 सीटों वाली संसद में अब उनके पास 141 सीटें हैं। ओर्बन के फिडेज़-केडीएनपी गठबंधन के पास अब 135 सीटों के मुकाबले 52 सीटें रह जाएंगी, जबकि धुर दक्षिणपंथी मी हाज़ांक (हमारी मातृभूमि) पार्टी के पास छह सीटें होंगी। स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11 बजे 199 प्रतिनिधियों ने पद की शपथ ली। 1990 में हंगरी की पहली कम्युनिस्ट-बाद की संसद के गठन के बाद से पहली बार ऐसा हुआ है कि ऑर्बन उनमें शामिल नहीं थे। नई राष्ट्रीय सभा में 54 महिला सांसद हैं, जिनमें से अधिकांश टिस्ज़ा पार्टी से हैं - जो कुल संख्या का एक चौथाई से अधिक है और हंगरी के इतिहास में सबसे अधिक है। मैग्यार, एक 45 वर्षीय

वकील, जिन्होंने ओर्बन की पार्टी में कई वर्षों तक अंदरूनी सूत्र के रूप में काम करने के बाद 2024 में टिस्ज़ा की स्थापना की, ने आधिकारिक भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संकल्प लिया है, जिसके बारे में उनका तर्क है कि इसने हंगरीवासियों को आर्थिक अवसरों से वंचित कर दिया है। नए प्रधानमंत्री ने हंगरीवासियों से संसद के बाहर पूरे दिन चलने वाले 'सत्ता परिवर्तन' समारोह में शामिल होने का आह्वान किया है, जो उनके शपथ ग्रहण और ओर्बन युग के अंत का प्रतीक है। नए प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ही कई हजार लोग पहले से ही एकत्रित हो चुके थे। स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3 बजे शपथ लेने के बाद, मैग्यार बाहर मौजूद भीड़ को संबोधित करेंगे। मैग्यार ने यूरोपीय संघ के साथ अपने देश के संबंधों को सुधारने का वादा किया है, जिसे ओर्बन ने टूटने की कगार पर पहुंचा दिया था, और पश्चिमी लोकतंत्रों के बीच हंगरी के स्थान को बहाल करने का भी वादा किया है, जिसकी प्रतिष्ठा पर तब सवाल उठने लगे थे जब ओर्बन रूस के और करीब आते जा रहे थे। हंगरी के लिए यूरोपीय संघ के लगभग 17 अरब यूरो (20 अरब डॉलर) के फंड को जारी करना, जिसे ओर्बन के कार्यकाल के दौरान कानून के शासन और भ्रष्टाचार संबंधी चिंताओं के कारण रोक दिया गया था, नए प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। हंगरी की संघर्षरत अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए इस धन की सख्त जरूरत है, जो पिछले चार वर्षों से स्थिर है। इस प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में, टिस्ज़ा के अधिकारियों का कहना है कि वे संसद भवन के अग्रभाग पर एक बार फिर यूरोपीय संघ का ध्वज फहराएंगे, जिसे ओर्बन की सरकार ने 2014 में हटा दिया था। बुडापेस्ट के उदारवादी मेयर, गेर्गेली कराक्सोनी ने ऑर्बन के पतन और नई सरकार के गठन का जश्न मनाने के लिए शनिवार को बाद में डेन्यूब नदी के किनारे एक पार्टी का खुला निमंत्रण पोस्ट किया। कराक्सोनी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि पार्टी उन हंगेरियन लोगों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहती है जिन्होंने वर्षों से ओर्बन की व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई हैः 'शिक्षकों को बर्खास्त किया गया, नागरिकों और पत्रकारों को अपमानित किया गया।

परफेक्ट बनने के चक्कर में औरतें हो रही हैं सुपरवुमन सिंड्रोम का शिकार

औरतें अपनी इमेज को लेकर काफी कॉन्शियस होती हैं। घर हो या दफ्तर हर जगह महिलाएं अपनी परफेक्ट इमेज बनाना चाहती हैं, लेकिन इसके कारण वो सुपरवुमन सिंड्रोम की गिरफ्त में आती जा रही हैं। यह एक तरह का मानसिक अवसाद है, जो परफेक्ट दिखने की होड़ में लगी महिलाओं में देखने को मिल रहा है। परफेक्ट दिखने का जुनून महिलाओं को धीरे-धीरे इस अवसाद की ओर धकेल रहा है। चलिए आपको बताते हैं कि क्या है यह सिंड्रोम और कैसे करें इससे बचाव।

क्या है सुपरवुमन सिंड्रोम?

एक्सपर्ट के मुताबिक, घर-परिवार की जिम्मेदारी हो या फिर करियर में कोई ऊंचा मुकाम पाना हो, आजकल की महिलाएं हर काम में एकदम फिट बैठना चाहती हैं। जिंदगी में हर भूमिका को अच्छे से निभाने की लत की वजह से ही महिलाएं सुपरवुमन सिंड्रोम का शिकार होती जा रही हैं। अगर वो किसी काम में चूक जाएं तो खुद को दोष देने लगती हैं। इतना ही नहीं, इसके चलते तो कभी-कभी महिलाएं डिप्रेशन का शिकार भी हो जाती हैं।

इन महिलाओं को अधिक खतरा

हाउसवाइफ, नई माताओं, कामकाजी महिला हो या सोशल एक्टिविस्ट, यह सिंड्रोम किसी भी महिला को हो सकता है। शोध के अनुसार, पढ़ाई में परफेक्ट बनने के चक्कर में 13 से 18 साल की लड़कियां भी इस सिंड्रोम से गुजर रही हैं।

सेरोटोनिन हो सकता है कारण

एक्सपर्ट की मानें तो महिलाओं में इस सिंड्रोम की एक वजह सेरोटोनिन नामक तत्व भी है। यह एक ब्रेन केमिकल है, जो उदासी को दूर करके एवं मूड को अच्छा बनाकर उसे तनावग्रस्त होने से बचाता है। मस्तिष्क में सेरोटोनिन की कमी पूरी करने के लिए आप दवाइयों और एस्ट्रोजन बढ़ाने वाले फूड का सेवन कर सकते हैं।

सुपरवुमैन सिंड्रोम के लक्षण

- एक परफेक्ट महिला की इमेज बनाकर रखना।
- तारीफ सुनने के लिए लोगों को खुश रखना।
- सर्वगुण सपन्न होने की भावना।
- किसी से ज्यादा बात न करना।
- दूसरों का ध्यान अपनी तरफ खींचना।
- कम आत्मसम्मान होना।
- परफेक्ट बनने की ज्यादा कोशिश करना।

ऐसे करें बचाव

आत्म-अनुशासन है जरूरी

इस सिंड्रोम से बचने के लिए आत्म-अनुशासन कारगार साबित हो सकता है। घर और ऑफिस के लिए समय निकालने के साथ खुद को भी टाइम दें। इस दौरान आप वो सब काम करें, जिससे आपको खुशी मिले।

प्राथमिकताओं को करें सुनिश्चित

एक वक्त में हर काम कर पाना या हर फील्ड में परफेक्ट हो पाना किसी के लिए भी संभव नहीं है। ऐसे में अपनी प्राथमिकताओं को कम करें और जरूरी चीजों पर ध्यान दें। जैसे कि अगर आप अभी-अभी मां बनी हैं तो यह समय पूरी तरह अपने बच्चे एवं मातृत्व को दें और ऑफिस वर्क को अवॉइड करें।

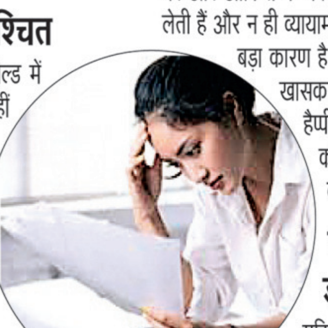

उम्मीदों को करें सीमित

भारतीय समाज में सिर्फ आसपास के लोग ही नहीं बल्कि खुद महिलाओं को भी स्वयं से कुछ ज्यादा ही उम्मीदें होती हैं। जो पूरी न होने पर सुपर वुमन सिंड्रोम जैसी मानसिक बीमारी को जन्म देती है। ऐसे में ये समझना बहुत जरूरी है कि आपकी अपनी भी कुछ सीमाएं हैं और आप हर काम नहीं कर सकती। अपने हिस्से उतना ही काम लें, जितना आपके लिए संभव हो।

दूसरों की मदद लेना

परफेक्ट दिखने के लिए अक्सर महिलाएं दूसरों की मदद लेने से हिचकिचाती है, लेकिन ऐसा करना बिल्कुल गलत है। अगर आपका वर्कलोड अधिक हो तो मदद मांगने से बिल्कुल न हिचकिचाएं, फिर चाहे बात ऑफिस की हो या घर की। साथ ही न कहना भी सीखें। अगर आपने यह गुण सीख लिया तो बहुत सी समस्याओं एवं बीमारियों से बची रहेंगी।

दिनचर्या में बदलाव

घर और ऑफिस के काम के चक्कर में महिलाएं न सही आहार लेती हैं और न ही व्यायाम करती है, जो कि इस सिंड्रोम का सबसे बड़ा कारण है। ऐसे में अपनी डेली लाइफ में व्यायाम, खासकर योगा को जगह दें। इससे दिमाग में हैप्पी हार्मोन रिलीज होते हैं, जिससे आप खुद को अधिक उर्जावान एवं खुश महसूस करती है।

स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ डाइट भी है जरूरी

महिलाओं को अपने डाइट चार्ट में जरूरी पोषक तत्व जैसे ओमेगा-3, विटामिन्स, जिंक, प्रोटीन, कैल्शियम आदि शामिल करना चाहिए, ताकि वह स्वस्थ रहें। इसके लिए अपनी डाइट में हरी सब्जियां, फल, ओट्स, बीन्स, अंडा, दूध, नट्स, ब्रोकली, पालक, चिकन या मछली और गाजर जैसी चीजों का सेवन करें। इसके साथ ही शराब, जंक और प्रोसेस्ड फूड्स से परहेज करें।

अच्छी नींद भी है जरूरी

पूरा दिन काम करने के बाद आप देर रात तक काम या मोबाइल में ही उलझी रहती है। मगर शरीर एवं दिमाग को आराम देने के लिए जरूरी है कि आप 7-8 घंटे की नींद लें। ऐसे में रात को ज्यादा देर तक मोबाइल का यूज करने की बजाए सो जाएं।

रेसिपी

कोकोनट पुडिंग

सामग्री

- कच्चा नारियल : 3/4
- कच्चे नारियल का पानी: 1 कप
- दूध:1 कप
- कंडेंस्ड मिल्क:1/2 कप
- चीनी : 2 चम्मच
- खसखस (चाइना ग्रास पाउडर): 1/2 चम्मच
- पुडिंग बनाने के लिए सांचा

विधि

सबसे पहले ताजे नारियल से पानी निकालें। अब नारियल के भूरे हिस्से को हटाएं और सफेद हिस्से को मिक्सर में डालकर पीस लें। एक भारी तले वाले बर्तन में नारियल पानी लेकर खसखस पाउडर को घोल लें। इसे तब तक गर्म करें, जब तक कि खसखस पूरी तरह घुल न जाए। एक दूसरे बर्तन में कंडेंस्ड मिल्क और सामान्य दूध गर्म करें। साथ में चीनी भी मिलाएं। अब इसमें खसखस का मिश्रण एवं पिसा हुआ नारियल मिलाएं। इस मिश्रण को सांचे में डालें, फिर इसे रूम टेम्परेचर पर आने दें। इसके बाद 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखें। अगर पुडिंग के सांचे से निकालने में दिक्कत हो रही है, तो चाकू से धीरे-धीरे निकालें और अपने मेहमानों में सर्व करें।

आलू का शीरा

सामग्री

- उबले आलू: 250 ग्राम
- चीनी: 100 ग्राम
- घी: 2 चम्मच
- इलायची पाउडर: 1/2 चम्मच
- कटे हुए सूखे मेवे: 3 चम्मच

विधि

उबले आलू का छिलका छीलकर उसे अच्छी तरह से मैश कर लें। कढ़ाही में घी गर्म करें और मैश किए हुए आलू को अच्छी तरह से भून लें। चीनी डालें और मिलाते हुए पकाएं। जब मिश्रण एक-सा हो जाए और चीनी घुल जाए तब उसमें इलायची पाउडर डाल दें। अब उसमें कटे हुए मेवे मिला दें। सर्विंग बाउल में निकालें। मेवों से सजा कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

जज- तुम्होर विरूद्ध तीन बार जाली नोट छापने का आरोप है।

मुल्जिम- मुझसे घोखा हुआ है।

जज- क्या मतलब ?

मुल्जिम- मुझे पैसे केवल दो बार के दिए गए है।

□ □ □

एक चर्च का निर्माण हो रहा था कि एक मजदूर काफी ऊंचाई से गिर गया, उसकी जान तो बच गई लेकिन चोटें बहुत आई।

एक फादर जो दूर खडे हुए उसे गिरता देख रहे थे, दौडकर उसके पास आये और उसे जिंदा पाकर बोले- खुदा तुम्हारे साथ था बेटे।

मजदूर कराहते हुए बोला- हां कोई न कोई जरूर मेरे पास था वरना मुझे घक्का कौन देता।

□ □ □

पत्नी ने अपने सैल्समैन पति से कहा- जब तुम काम के सिलसिले में बाहर चले जाते हो तो मुझे हमेशा घबराहट होती रहती है।

पति- घबराओं नही मैं इतनी जल्दी वापस आंऊगा कि तुमको पता ही नही चलेगा।

पत्नी- तुम्हारी यही हरकत तो मेरी

काकुरो पहेली - 4082

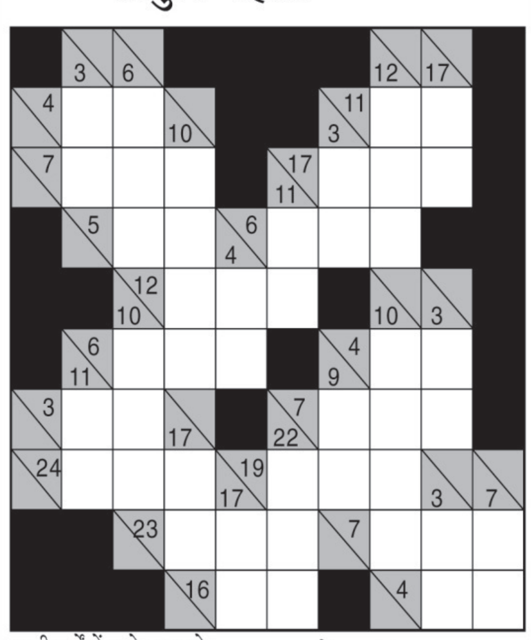

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

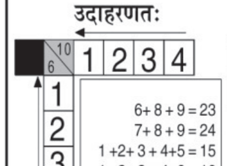

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4081 का हल

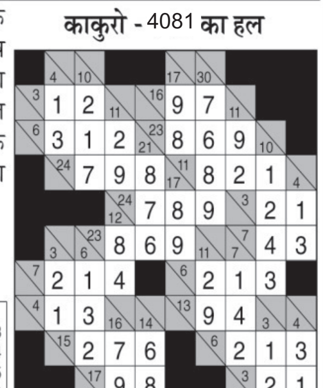

फिल्म वर्ग पहेली- 4082

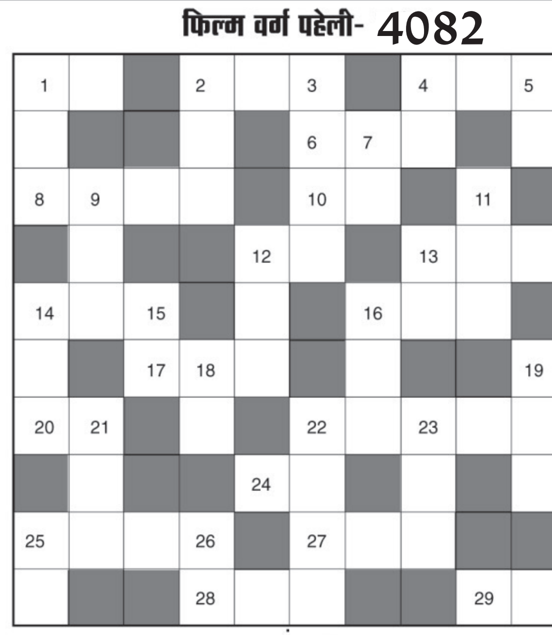

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धमेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4081

सूडोकु 4082

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4081 हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली -4082

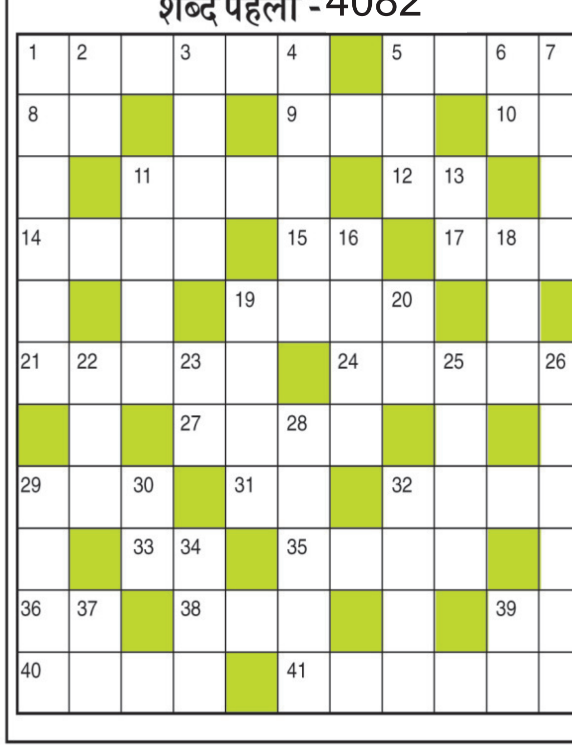

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणतः-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली -4081 हल

तेलुगु अभिनेता भरत कांत का सड़क हादसे में निधन

एजेंसी

हैदराबाद। तेलुगु अभिनेता भरत कांत का हैदराबाद में हुए सड़क हादसे में निधन हो गया। हादसे के वक्त उनके साथ सिनेमैटोग्राफर जी साई त्रिलोक भी थे। इस दुर्घटना में उनकी भी मौत हो गई। पुलिस ने इसकी पुष्टि की। पुलिस के अनुसार, यह हादसा हैदराबाद के आउटर रिंग रोड पर आदिबतला पुलिस थाना क्षेत्र में हुआ। एग्जिट 12 के पास अभिनेता की कार और एक ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हुई, जिसमें 31 वर्षीय भरत कांत और जी साई त्रिलोक की मौके पर ही मौत हो गई। भरत कांत मूल रूप से नेल्लोर के रहने वाले थे। वह अभिनेता होने के साथ-साथ डांसर और कंटेंट क्रिएटर भी थे। उन्होंने साल 2021 में निर्देशक चेन्ना नारायण की फिल्म ग्रामम से अभिनय की शुरुआत की । वह साल 2024 में टेनेंट में नजर आए थे।

बंगाल के नए मुख्यमंत्री 'सबके लिए शासन' की संवैधानिक शपथ का पालन करें : जमीअत उलमा-ए-हिंद

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी से कहा है कि वे राज्यपाल और बंगाल की जनता के समक्ष ली गई अपनी संवैधानिक शपथ की भावना और शब्दों का पूरी ईमानदारी के साथ पालन करें तथा बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों के साथ समान न्याय सुनिश्चित करें। मौलाना मदनी ने कहा कि यह संवैधानिक शपथ केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि अपने पद के प्रति कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी का सार्वजनिक स्वीकार है। इस शपथ के बिना कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन सकता और न ही इसके विपरीत आचरण करते हुए उस पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार रखता है। मौलाना मदनी ने यह बातें मुख्यमंत्री के उस पूर्व बयान के संदर्भ में कहीं जिसमें उन्होंने खुलकर कहा था कि वे 'सिर्फ हिंदुओं के लिए काम करेंगे।' उन्होंने कहा कि इस प्रकार के बयान भारत के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के विरुद्ध हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता किसी एक धर्म या राजनीतिक समूह की जागीर नहीं बल्कि पूरी जनता की अमानत है, जिसमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई तथा सभी वर्ग शामिल हैं। मौलाना मदनी ने कहा कि बंगाल की जनता नफरत की राजनीति या धार्मिक विभाजन नहीं बल्कि वास्तविक विकास और प्रभावी शासन चाहती है। हम यह नहीं कहते कि सरकार केवल मुसलमानों के लिए काम करे, बल्कि हम यह कहते हैं कि वह पूरे बंगाल और सभी नागरिकों के लिए काम करे।

बेटी की याद में गूंजा गीत, आरजी कर कॉलेज में भावुक पल

कोलकाता। आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में उस समय भावनात्मक माहौल बन गया, जब एक छात्रा ने गीत के माध्यम से उस मां का स्वागत किया जिसकी बेटी की दर्दनाक मौत ने कभी पूरे राज्य को झकझोर दिया था। हाल ही में विधायक चुनी गईं इस मां के कॉलेज पहुंचते ही वहां मौजूद छात्र-छात्राओं के बीच गहरी संवेदना का वातावरण बन गया। उपस्थित पार्टी सहयोगी सोनिया जोसफ ने बताया कि कॉलेज परिसर में एक छात्रा ने गीत गाते हुए उनका स्वागत किया। गीत की पंक्तियां थीं– 'तुम सच हो, तुम आग हो, तुम लड़ाई का चेहरा हो, बंगाल तुम्हारे साथ है, बुराई के काले चेहरे को तोड़ दो। मैदान में उतर कर लड़ाई करो... तुम मां हो, झूठ को मिटा दोगी और बेसहारों को न्याय मिलेगा। ' गीत आगे बढ़ते हुए मां के संघर्ष और साहस को समर्पित रहा– 'तुम सत्य हो, तुम संध्या हो, तुम मां दुर्गा हो। असुरों का दमन तुम्हारे हाथों होगा मां। रत्ना मां की आंखों के आंसुओं का जवाब जनता देगी, अभया के साथ हुए अन्याय का बदला अब जनता लेगी। ' गीत की इन मार्मिक पंक्तियों को सुनते ही वातावरण भावुक हो उठा। बेटी की यादों से जुड़े उसी कॉलेज में खड़ी मां की आंखें नम हो गईं। वहां मौजूद कई छात्र-छात्राएं भी इस दृश्य को देखकर भावुक हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ देर के लिए परिसर में गहरी खामोशी छा गई और फिर तालियों की गूंज सुनाई दी। कई लोगों ने इस क्षण को अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से साझा किया जा रहा है।

कश्मीर में गोल्फ पर्यटन को दिया जाएगा बढ़ावा: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि सरकार कश्मीर को एक प्रमुख गोल्फिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर के आयोजन करेगी। घाटी के गोल्फ कोर्स देश के सर्वश्रेष्ठ गोल्फ कोर्सों में शुमार हैं। मुख्यमंत्री ने रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में इंडिया गोल्फ कार्निवल 2026 का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से चर्चा में यह बात कही। मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि कश्मीर का गोल्फ से एक लंबा और ऐतिहासिक संबंध है और यहां विश्व स्तरीय गोल्फिंग बुनियादी ढांचा मौजूद है। उन्होंने कहा, 'गोल्फ के साथ कश्मीर का बहुत पुराना रिश्ता है। अगर आप देश के सबसे खूबसूरत गोल्फ कोर्सों को देखें तो श्रीनगर, गुलमर्ग और पहलगाम के कश्मीरी कोर्स आसानी से उनमें गिने जा सकते हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्थानीय गोल्फ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और साथ ही जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस खेल का उपयोग कर रही है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर से नक्सलियों के छिपाकर रखी मशीनरी और अन्य सामग्री बरामद

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के थाना गंगालूर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डोडीतुमनार पटेलपारा पहाड़ी इलाके से नक्सलियों के पूर्व में छिपाकर रखे गये विस्फोटक तैयार करने के मशीन एवं अन्य नक्सल सामग्री बड़ी मात्रा में सुरक्षाबलों ने सोमवार को बरामद किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि डोडीतुमनार के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में नक्सली गतिविधियां संचालित होती रही हैं और वहां भारी मात्रा में नक्सल सामग्री छिपाकर रखी गई है। इस पर पुलिस सहायता केंद्र पीडिया और थाना गंगालूर की संयुक्त पुलिस टीम ने इलाके में सघन सर्चिंग अभियान चलाया। सर्चिंग के दौरान जवानों को जमीन के भीतर बनाया गया एक संदिग्ध बंकर मिला। डिमाइनिंग और सुरक्षा जांच के बाद बंकर को खोला गया, जहां से बड़ी मात्रा में डंप नक्सली सामान बरामद किया गया।

बरामद नक्सल सामग्री में होंडा कंपनी के दो जनरेटर, दो लेथ मशीन, एक इन्वर्टर, चार बड़ी बैटरियां, एक छोटी बैटरी, आठ सोलर प्लेट, एक मोटर, एक वेल्डिंग मशीन, एक ड्रिल मशीन, एक देशी बीजीएल लॉन्चर, 29 बीजीएल सेल, लगभग 50 मीटर कॉर्डेक्स वायर और दो प्लास्टिक ड्रम शामिल हैं। बीजापुर पुलिस अधीक्षक डॉ. जीतेंद्र कुमार यादव ने पुष्टि करते हुए बताया कि बरामद सामग्री का उपयोग नक्सली विस्फोटक तैयार करने और तकनीकी गतिविधियों में करते थे। सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र में लगातार सर्चिंग अभियान जारी है। फिलहाल मामले में बरामद सामग्री को जब्त कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पांच सौ वर्ष पुरानी सांस्कृतिक विरासत का डिजिटल संरक्षण- पेंड्रा में मिलीं दुर्लभ पांडुलिपियां

एजेंसी

रायपुर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित 'ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान' के तहत छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। पेंड्रा नगर की पुरानी बस्ती में सदियों पुरानी दुर्लभ पांडुलिपियों और दस्तावेजों को खोज निकाला गया है, जिन्हें अब डिजिटल माध्यम से भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया है। दो प्रमुख स्थानों से अमूल्य धरोहरें प्राप्त- सर्वेक्षण दल को पेंड्रा के वार्ड क्रमांक 4 में दो प्रमुख स्थानों से अमूल्य धरोहरें प्राप्त हुई हैं। 500 वर्ष पुरानी अथ श्रीमद्भागवत गीता पंडित मोहन दत्त शर्मा के निवास से हस्तलिखित गीता सहित कई धार्मिक ग्रंथ मिले। यह पांडुलिपियां आकर्षण का केंद्र रहीं, जिन पर कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने श्रद्धापूर्वक मत्था टेका। सर्वेक्षण के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह के निवास से लगभग 200 वर्ष पुरानी हस्तलिखित जमींदारी वंशावली तथा पेंड्रागढ़ क्षेत्र के राजस्व एवं वन विभाग से संबंधित ऐतिहासिक नक्शे भी प्राप्त हुए। इन दस्तावेजों को भी डिजिटल तकनीक के माध्यम से संरक्षित किया गया।

कलेक्टर ने राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी शिखा सिंह से पारिवारिक इतिहास, जमींदारी परंपरा और ऐतिहासिक धरोहरों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऐसे दस्तावेज स्थानीय इतिहास और प्रशासनिक संरचना को समझने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मप्र के कूनो नेशनल पार्क में मोहन यादव ने छोड़े दो मादा चीते, संख्या बढ़कर 57 हुई

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में 2 मादा चीतों को खुले जंगल में विमुक्त किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश 'चीता स्टेट' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है और देश के चीता पुनर्स्थापना प्रोजेक्ट को नई सफलता मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहा कि मध्य प्रदेश की धरती ने चीतों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर उन्हें पुनर्स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर अपने परिवार का हिस्सा बनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगभग साढ़े तीन वर्ष पहले कूनो में चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। आज देश में चीता पुनर्स्थापना का यह प्रोजेक्ट सफलता के साथ में आयामों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्य में मध्यप्रदेश नित नए कीर्तिमान रच रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो नदी के किनारे स्थित चीता रिलीज साइट पर सीसीवी-2, सीसीवी-3 चीतों को खुले जंगल में छोड़ा। उन्होंने कहा कि

मध्य प्रदेश धर्म, निवेश एवं जैव विविधता के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका और अब बोत्सवाना से लाए गए चीतों के पुनर्स्थापन को निरंतर सफलता मिल रही हैं और आज प्रदेश ने देशभर में चीता स्टेट के रूप में पहचान बनाई है। वर्तमान में चीतों की संख्या बढ़कर 57 हो गई है, जिनमें से 54 कूनो नेशनल पार्क में और 03 गांधी सागर अभ्यारण्य में है। इस अवसर पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, मध्यप्रदेश वन विकास निगम के अध्यक्ष रामनिवास रावत, सहरिया विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष गुड्डी बाई आदिवासी, शशांक भूषण, राघवेन्द्र जाट, सुमित सिंघल, शुभम मुदगल, बाबू सिंह यादव, कौशल गोयल आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मनाली घूमने गए गुजरात के लोगों की कार खाई में गिरी, छह की मौत, चार घायल

एजेंसी

भावनगर। गुजरात के भावनगर से हिमाचल प्रदेश घूमने गए सिंधी समाज के एक परिवार की कार मनाली के पास खाई में गिर गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। हादसे की खबर मिलने के बाद यहां परिवार के बाकी सदस्यों और समाज में शोक की लहर फैल गई। रिश्तेदारों ने बताया कि ललितभाई फतनानी अपने परिवार के साथ हिमाचल प्रदेश घूमने गए थे। सोमवार तड़के करीब 3:30 से 4 बजे के बीच परिवार कार से मनाली से बेला जा रहा था। रास्ते में कांगड़ा जिले के छाबा क्षेत्र में नेशनल हाइवे-28 पर उनकी कार अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। वाहन में बच्चों और ड्राइवर समेत कुल 10 लोग सवार थे। राहत और बचाव टीम ने 4 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतकों में ललितभाई फतनानी, सोनियाबेन

फतनानी, प्रियंकभाई भोपाणी, काजलबेन भोपाणी, दिव्यांशु भोपाणी ड्राइवर यशवंत कुमार हैं। घायलों में मयंकभाई फतनानी, फोरमबेन फतनानी, जियांश फतनानी और प्रियांशी भोपाणी शामिल हैं। सिंधु सेना प्रदेश अध्यक्ष कमलेश चंदाणी लगातार हिमाचल प्रदेश प्रशासन के संपर्क में हैं और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटे हैं। कमलेश चंदाणी ने बताया कि तड़के उन्हें हादसे की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने तत्काल हिमाचल प्रदेश प्रशासन और डिजास्टर टीम से संपर्क कर राहत एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करवाई। उन्होंने कहा कि फतनानी और भोपाणी परिवार के कुल 9 सदस्य यात्रा पर गए थे, जिनमें से 5 पारिवारिक सदस्य व एक ड्राइवर समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

तमिलनाडु : सबसे युवा मुख्यमंत्रियों की सूची में शामिल हुए जोसेफ विजय

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत हुई, जब अभिनेता से राजनेता बने जोसेफ विजय ने राज्य के 18वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही वह तमिलनाडु के सबसे कम उम्र में मुख्यमंत्री बनने वाले नेताओं की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनकी यह उपलब्धि इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने अपनी पार्टी 'तमिलग वेट्री काजगम' की स्थापना के केवल दो वर्षों के भीतर सत्ता हासिल कर ली।

तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास में अब तक 18 नेता मुख्यमंत्री पद संभाल चुके हैं। इनमें सबसे कम उम्र में मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड जे. जयललिता के नाम दर्ज है। उन्होंने वर्ष 1991 में मात्र 43 वर्ष की आयु में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रचा था। जयललिता राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री भी थीं और लंबे समय तक तमिलनाडु की सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिनी जाती रहीं।

सबसे कम उम्र में मुख्यमंत्री बनने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर द्रविड़ राजनीति के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि हैं, जिन्होंने 44 वर्ष की उम्र में मुख्यमंत्री पद संभाला था। तीसरे स्थान पर ओ. पन्नीरसेल्वम हैं, जिन्होंने 50 वर्ष की आयु में मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज 51 वर्ष की आयु में मुख्यमंत्री बने थे। अब जोसेफ विजय ने भी 51 वर्ष की उम्र में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर इस सूची में अपना स्थान बना लिया है। हालांकि समान आयु होने के बावजूद कामराज को उनसे पहले स्थान दिया गया है। इसके अलावा द्रविड़ आंदोलन के प्रमुख नेता सी. एन. अन्नादुरई 57 वर्ष की आयु में मुख्यमंत्री बने थे, जबकि लोकप्रिय अभिनेता-राजनेता एम. जी. रामचंद्रन ने 60 वर्ष की आयु में राज्य की कमान संभाली थी। हाल के वर्षों में मुख्यमंत्री बने नेताओं की बात करें तो एदप्पाड़ी के. पलानीस्वामी 62 वर्ष की आयु में मुख्यमंत्री बने, जबकि एम. के. स्टालिन ने 68 वर्ष की उम्र में मुख्यमंत्री पद संभाला। तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास में के. कामराज को उनकी सादगी, प्रशासनिक क्षमता और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए विशेष सम्मान प्राप्त है। उन्हें 'शिक्षा की आंखें खोलने वाले नेता' के रूप में याद किया जाता है। वहीं, सी. एन. अन्नादुरई ने तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव लाते हुए कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर पहली बार द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को सत्ता तक पहुंचाया। उनके निधन के बाद एम. करुणानिधि लंबे समय तक राज्य की राजनीति के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल रहे।स्अब जोसेफ विजय की एंट्री को तमिलनाडु की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

मध्य प्रदेश में विकास का महायज्ञ चल रहा है : शिवराज

एजेंसी

भोपाल। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश में विकास का महायज्ञ चल रहा है। प्रदेश में 973 सड़कों को मंजूरी दी गई है। प्रदेश का कोई गांव पक्की सड़कों से वंचित नहीं रहेगा। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 261 करोड़ लागत की नई सड़कों की सौगात मिली है।

केन्द्रीय मंत्री चौहान सीहोर जिले के भैरुंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-4 एवं प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन-मन) के कार्यों के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री चौहान, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर राज्य स्तरीय समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पीएमजीएसवाय की 25 वर्षों की यात्रा पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि प्रदेश का कोई गरीब बिना छत के नहीं रहेगा। इसके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2055 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता का स्वीकृति पत्र मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपा है। मध्य प्रदेश प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़कों के निर्माण में नंबर 1 है। इसके लिए राज्य सरकार और अधिकारी बधाई के पात्र हैं। आज देश के विभिन्न राज्यों को सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए 18 हजार 907 करोड़ रुपये की राशि का आवंटन किया। इसमें से 830 करोड़ रुपये मध्यप्रदेश को मिले हैं।

उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्रियों ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर वैज्ञानिकों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत कई अन्य मंत्रियों और राज्यो के मुख्यमंत्रियों ने आज देश के सभी वैज्ञानिकों, अभियंताओं , नवप्रवर्तकों और शोधकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। उपराष्ट्रपति ने एक्स संदेश में कहा कि 1998 में इस दिन पोखरण परीक्षण रेंज में किए गए परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की उल्लेखनीय वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता से परिचित कराया, जो आत्मनिर्भरता और रणनीतिक ताकत की दिशा में देश की यात्रा में एक निर्णायक क्षण था। देश के लोगों की प्रतिभा और समर्पण के बल पर विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। भारत राष्ट्रीय विकास और मानवता की प्रगति के लिए नई उपलब्धियां हासिल करता रहा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि 11 मई 1998, वह ऐतिहासिक दिन, जब पोखरण (राजस्थान) की धरती से भारत ने दुनिया को अपनी वैज्ञानिक क्षमता, आत्मविश्वास और सामरिक शक्ति का परिचय कराया। पोखरान-द्वद्व परमाणु परीक्षण आत्मनिर्भर, सशक्त और निर्णायक भारत के उदय की घोषणा थी। इस उपलब्धि ने भारत को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाई और हमारी सुरक्षा, संप्रभुता एवं तकनीकी सामर्थ्य को मजबूती प्रदान की। बिरला ने कहा कि इस दिवस पर हम उन वैज्ञानिकों, इंजीनियर्स और हर उस भारतीय को नमन करते हैं, जिनके परिश्रम और संकल्प ने भारत को तकनीक एवं नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। चंद्रयान, मंगलयान से लेकर गगनयान, सेमीकंडक्टर से लेकर एआई और रक्षा उत्पादन से लेकर परमाणु ऊर्जा तक, भारत आज आत्मनिर्भरता और आधुनिक तकनीक के नए युग की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर, विकसित और तकनीकी रूप से समृद्ध भारत के हमारे संकल्प को और मजबूत करता है।

केंद्रीय गृह और सहकारितामंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार गेम-चेंजिंग पहलों के माध्यम से अपनी नवोन्मेषी क्षमता का उपयोग करके भारत के विकास को गति दे रहा है। यह दिन उनका लाभ उठाने और महानता की ओर हमारी यात्रा को और तेज करने के लिए प्रेरणा बने।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और शोधकर्ताओं के समर्पण, नवाचार और दृढ़ता को सलाम करते है जो भारत की प्रगति को आकार देने और देश की रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करने में लगे हुए हैं। वैज्ञानिकों और उनके प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिसके कारण 1998 में पोखरण परीक्षण सफल हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्वदेशी विकास में नई ऊंचाइयों को छू रहा है, एक मजबूत और भविष्य के लिए तैयार भारत का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 1998 के पोखरण परीक्षण ने एक आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में भारत के साहसिक उदय को चिन्हित किया। केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले सभी वैज्ञानिकों एवं तकनीकी विशेषज्ञों के समर्पण, नवाचार और अमूल्य योगदान को नमन। केंद्रीयमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि आज ही के दिन 1998 में पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण कर भारत ने पूरे विश्व में अपनी वैज्ञानिक क्षमता, सामर्थ्य और आत्मविश्वास का परचम लहराया था।

बिहार में आईएएस अधिकारियों का तबादला

कुमार रवि स्वास्थ्य, लोकेश कुमार सिंह पर्यटन, प्रणव कुमार भवन निर्माण विभाग के सचिव बनें

एजेंसी

पटना। बिहार में नई सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही सरकार ने राज्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का तबादला किया है। इसे लेकर सामान्य प्रशासन विभाग के विशेष सचिव संजय कुमार ने अधिसूचना जारी कर दी है।

जारी अधिसूचना के अनुसार आनन्द किशोर, अध्यक्ष, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना (अतिरिक्त प्रभार-अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग/अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग) को अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग, बिहार, पटना के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है। एच. आर. श्रीनिवास, से., अपर मुख्य सचिव, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार-जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग को स्थानांतरित करते हुए अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। श्री श्रीनिवास अपर मुख्य सचिव, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार, पटना/जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। संतोष कुमार मल्ल, प्रधान सचिव, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार-जाँच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना/विशेष कार्य पदाधिकारी, स्थानिक आयुक्त का कार्यालय, बिहार भवन, नई दिल्ली) को स्थानांतरित करते हुए प्रधान सचिव, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। श्री मल्ल जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना/विशेष कार्य पदाधिकारी स्थानिक आयुक्त का कार्यालय, बिहार भवन, नई दिल्ली के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। लोकेश कुमार सिंह, सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना (अ.प्र. जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग / सचिव, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग) को स्थानांतरित करते हुए सचिव, पर्यटन विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। श्री सिंह सचिव, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग /सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। कुंदन कुमार, सचिव, उद्योग विभाग, बिहार, पटना (अ.प्र. स्थानिक आयुक्त, बिहार भवन, नई दिल्ली/निवेश आयुक्त, मुम्बई/मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार फाउंडेशन / प्रबंध निदेशक, बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (बियाडा), पटना/प्रबंध निदेशक, आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार-आइडा) को स्थानिक आयुक्त, बिहार भवन, नई दिल्ली एवं निवेश आयुक्त, मुम्बई के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है। कुमार रवि, सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय, बिहार, पटना (अ.प्र. सचिव, भवन निर्माण विभाग / प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य भवन निर्माण निगम, पटना) को स्थानांतरित करते हुए सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। श्री रवि सचिव, संसदीय कार्य विभाग के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे।अजय यादव, सचिव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना (अ.प्र. प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना/जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग) को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक सचिव, ऊर्जा विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। श्री यादव सचिव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना/अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर (होल्डिंग) कम्पनी लिमिटेड, पटना/प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना/जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगें। संजय कुमार सिंह, सचिव, वाणिज्य कर विभाग, बिहार, पटना (अ.प्र.-सचिव, स्वस्थ्य विभाग / वाणिज्य-कर, आयुक्त/अपर आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर / जाँच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग / विशेष कार्य पदाधिकारी, गृह विभाग) को स्थानांतरित करते हुए सचिव, वित्त विभाग (सम्पूर्ण प्रभार) बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। श्री सिंह सचिव, वाणिज्य कर विभाग, बिहार, पटना/वाणिज्य-कर, आयुक्त/अपर आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर / सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय, बिहार, पटना के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगें।

उत्तराखंड में 12-13 मई को मौसम हो सकता है खराब, चारधाम यात्रियों से सावधानी बरतने की अपील

एजेंसी

देहरादून। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने 12 और 13 मई को उत्तराखंड के कई पर्वतीय जिलों में तेज बारिश, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली और 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने की चेतावनी आज जारी की है। इसके बाद प्रशासन ने चारधाम यात्रियों और पर्यटकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ वर्षा होने की संभावना है। 4500 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। अन्य पर्वतीय जिलों में भी कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और गर्जन की संभावना बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी दी है कि 12 मई और 13 मई को मौसम में बदलाव होने से भूस्खलन, चट्टान गिरने,

सड़क अवरोध और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति की आशंका है। इसलिए चारधाम यात्रा मार्गों पर भी विशेष सतर्कता बरती जाए। तीर्थयात्री और स्थानीय लोग इस दौरान सुरक्षित स्थान पर रहें। पेड़ों के नीचे शरण न लें। संवेदनशील ढलानों और नदी-नालों के आसपास सावधानी बरतें। केंद्र के अनुसार अगले एक-दो दिनों में अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद फिर तापमान में गिरावट दर्ज होने की संभावना है। पर्वतीय क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम की संभावना को देखते हुए गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों से मौसम की ताजा जानकारी लेकर ही यात्रा करने की अपील की है। आयुक्त ने कहा कि मौसम सामान्य होने के बाद यात्रा करना अधिक सुविधाजनक रहेगा। उन्होंने सभी से प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों के दिशा-निर्देशों का पालन करने का भी आग्रह किया।

आईपीएल में आज प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेंगे गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। दोनो ही टीमों ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 11 मैचों में 14 अंक हासिल किये है और बेहतर नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 14 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है। इनका लक्ष्य अब ये मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी अच्छी रही है और वह जीत की दावेदार है। उसके पास साई सुदर्शन और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज हैं।

वहीं पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स के पास भी वैभव सूर्यवंशी ओर यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज हैं। दोनो ही टीमों की गेंदबाजी भी अच्छी है सनराइजर्स के पास पैट कमिंस जबकि गुजरात के पास कागिसो रबाडा जैसा गेंदबाज है।

अब तक दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं उसमें से गुजरात ने 5 जबकि सनराइजर्स ने 1 जीता है।

टीम इस प्रकार है

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, निशांत सिंधु, राशिद खान, अरशद खान, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- साई किशोर

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, इम्पैक्ट प्लेयर- हर्ष दुबे

स्पेन के राफेल जोडार इटैलियन ओपन टेनिस के चौथे दौर में पहुंचे

-अर्नाल्डी को हराया, टिएन से होगा मुकाबला

रोम (एजेंसी)। स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी राफेल जोडार ने इटैलियन ओपन टेनिस में जीत के साथ ही चौथे दौर में प्रवेश किया है। जोडार ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में इटली के माटेओ अर्नाल्डी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वाइल्डकार्ड धारी अर्नाल्डी को हराकर जोडार ने अपनी क्षमताओं को साबित किया है।

स्पेनिश खिलाड़ी ने पहले सेट को 6-1 से जीता पर दूसरे सेट में अर्नाल्डी ने 6-4 से जीत दर्ज कर अच्छी की। वहीं निर्णायक तीसरे सेट में जोडार ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही जोडार ने इस साल क्ले कोर्ट पर अपना 14-2 का रिकॉर्ड बरकरार रखा है। इस सत्र में उन्होंने माराकेच में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था। साथ ही बार्सिलोना में सेमीफाइनल और मैड्रिड में क्वार्टर फाइनल तक वह पहुंचे थे।

जीत के बाद जोडार ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। रोम में किसी इटैलियन खिलाड़ी के साथ खेलना कभी आसान नहीं रहता। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया पर मैटेओ ने दूसरे और तीसरे सेट में बहुत अच्छा खेला। अब जोडार का मुकाबला लर्नर टिएन से होगा।

इससे पहले, लर्नर अलेक्जेंडर बुब्लिक को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। इंडियन वेल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने के बाद से ही टिएन की यह अच्छी वापसी है। टिएन साल 2002 में एंडी रोडिक के बाद रोम के चौथे राउंड में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के अमेरिकी खिलाड़ी हैं। एक अन्य मुकाबले में विश्व के पूर्व नंबर 2 कैस्पर रूड ने भी चेक गणराज्य के 11वें वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को ठीक 80 मिनट में 6-3, 6-4 से आसानी से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया है।

मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुए

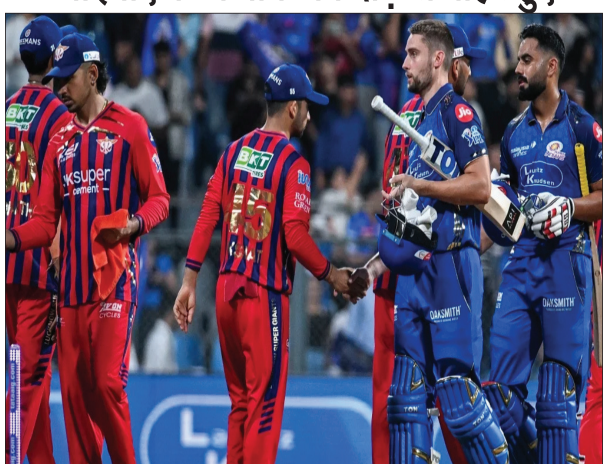

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद मुंबई इंडियंस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है। ये दोनो ही टीमों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और अंतिम पायदान पर होने के करण ये प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच पायीं। लखनऊ को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) जबकि मुंबई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इससे दोनो का ही अभियान समाप्त हो गया।

मुंबई को अंतिम गेंद पर आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा।

मुंबई इंडियंस के लिए यह सीज़न अच्छा नहीं रहा था। टीम की कप्तानी में बदलाव, लगातार हार और सही संयोजन न मिल पाने के कारण उसके प्लेऑफ की रहा बंद हो गयी। टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या भी कई मैचों में खेल नहीं पाये। रोहित शर्मा की भी फिटनेस ठीक नहीं रही जिससे भी टीम को नुकसान हुआ। इस प्रकार 11 मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में नौवें स्थान पर है।वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स का हाल भी इसी प्रकार का रहा है। सीएसके से मिली हार के बाद वह भी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी। 11 मैच खेलने के बाद लखनऊ की टीम ने केवल 3 मैच ही जीते। इससे उसे 6 अंक ही मिल पाये। उसका नेट रन रेट भी काफी कम रहा। अंक तालिका में ये दोनो अपने बचे हुए मैच जीतने के बाद भी केवल 12 अंक तक ही पहुंच पाते। अभी शीर्ष चार टीमों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के ही 14-14 अंक हैं, जबकि पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे नंबर पर बरकरार है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे हैं हेल्स

लंदन (एजेंसी)। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जैसे छोटे प्रारुप में जहां कई खिलाड़ियों ने शतक लगाये हैं। वहीं कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो केवल एक रन से शतक नहीं लगा पाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स थे। साल 2012 में नॉटिंघम के मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए एक मुकाबले में हेल्स ने केवल 68 गेंदों में 99 रन रन बनाये। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 4 छक्के लगाये थे पर वह अपना पहला शतक पूरा नहीं कर पाये। रवि रामपॉल की एक गेंद पर वह आउट हो गये। वह टी20 अंतराराष्ट्रीय में 99 पर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी रहे हैं।

वहीं 99 पर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज डेनमार्क के हामिद शाह रहे हैं। साल 2022 में हामिद ने फिनलैंड के खिलाफ 68 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्के लगाकर 99 रन बनाए। हामिद भी 99 पर पहुंचकर आउट हो गये। साल 2024 में थाईलैंड के बैंकॉक में सऊदी अरब के अब्दुल वहीद ने कंबोडिया के खिलाफ केवल 58 गेंदों में ही 99 रन बना दिये। इस पारी में ये 9 शानदार चौके और 6 विशाल छक्के शामिल थे पर वह भी शतक से ठीक पहले आउट हो गये।

इसके अलावा ओमान के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी प्रकार आउट हुएहुए। ओमान के खिलाफ उन्होंने 55 गेंदों में 99 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 5 छक्के लगाये पर वह शतक पूरा नहीं कर पाये। ये चारों ही पारियों इन खिलाड़ियों के साथ ही क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी निराशाजनक रही। ये चारों घटनाएं इस बात साबित करती है कि क्रिकेट में कभी-कभी एक रन की दूरी भी बड़ी बन जाती है। भले ही ये बल्लेबाज अपने शतक नहीं लगा पाये पर उनकी ये 99 रन की पारियां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा याद की जाती रहेंगी।

आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

-निगार सुल्ताना करेंगी कप्तानी

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स, टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं जिससे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज़ में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी। यह सीरीज खिलाड़ियों को यूरोपीय हालातों के अनुसार ढ़लने और अपनी रणनीति को परखने का अवसर देगी। त्रिकोणीय-सीरीज़ के समाप्त होने के बाद, टीम लॉफबोरो जाएगी, जहां वे अपने टी-20 विश्व कप वार्म-अप मैचों में भाग लेंगी। टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को एजबेस्टन में

नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। बीसीबी के अनुसार टीम की कप्तान निगार सुल्ताना और उपकप्तान नाहिदा अख्तर अनुभवी हैं जो टीम को प्रेरित करेंगी। बीसीबी को उम्मीद है कि टीम विश्वकप में भाग ही नहीं लेगी बल्कि अपने प्रदर्शन से भी प्रभावित करेंगी।

बीसीसीआई ने अंपायर से बहस के लिए फ्लावर पर जुर्माना लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए जुर्माना लगाया है। बीसीसीआई के अनुसार मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है । उन पर मैच के दौरान आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगे हैं । फ्लावर ने इसे स्वीकार कर लिया है जिस कारण उनपर आगे कार्रवाई नहीं होगी । इस मैच में आरसीबी लक्ष्य का पीछा कर रही थी । तभी 18वें ओवर के दौरान नमन धीर ने कुनाल पंड्या का का कैच पकड़ने का प्रयास किया । इसके बाद अंपायर ने कुनाल को आउट करार दिया हालांकि इस पर संशय था जिससे फ्लावर भड़क गए और चौथे अंपायर से बहस करने लगे । इसी दौरान उन्होंने अंपायर को अपशब्द कह दिये। इसी कारण उन्हें आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया। इसी को लेकर मैच रेफरी अमित शर्मा ने फ्लावर पर जुर्माना ठोक दिया। आईपीएल में किसी मैच अधिकारी पर उठे विवाद का ये पहला मामला नहीं है । इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर पर भी डगआउट में मोबाइल पर बात करने के कारण विवाद उठा था । इसके बाद उन पर भी भारी भरकम जुर्माना लगा था ।

वैभव को बटलर ने उपहार में दिया बल्ला

जयपुर । आईपीएल के इस सत्र में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन कर 400 से अधिक रन बनाये हैं । इस दौरान वैभव ने कई रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं । वैभव की इस सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी देखकर सभी हैरान हैं। जिस प्रकार से वह निडर होकर बल्लेबाजी करते हैं उसकी सभी ने प्रशंसा की है। वैभव के इस प्रदर्शन पर गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज ने उन्हें उपहार में एक बल्लास दिया है । बल्ला देते हुए बटलर ने कहा कि इसपर ऑटोग्राफ नहीं दूंगा बल्कि इससे तुम्हें खेलना है। इस नजारे को देख क्रिकेट प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गयी । बटलर ने स्वयं वैभव से मुलाकात की । इस वीडियो में वैभव की मासूमियत और खेल के प्रति उनका जुनून नजर आया । वीडियो में वैभव कहते सुनाई देते हैं, 'बल्ला ले लेता हूं जाकर ।' इसके बाद दोनों खिलाड़ी डगआउट की ओर बढ़ते हैं। बटलर ने तभी वैभव को अपना एक बल्ला उपहार में दिया। जब वैभव से कहा गया कि इस बल्ले पर बटलर के ऑटोग्राफ ले लो, तो वैभव ने कहा कि इसे उन्हें खेलने के लिए दिया गया है । वैभव ने इस मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ केवल 16 गेंदों पर ही 36 रनों की आक्रामक पारी खेली थी पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये हालांकि इस दौरान उन्होंने रिकार्ड जरुर बना लिया । वैभव ने पारी का पहला छक्का लगाते ही टी20 क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए । वैभव की सबसे बड़ी ताकत उनका 236.56 का स्ट्राइक रेट है। जहां अन्य बल्लेबाज 150–160 का स्ट्राइक रेट के रन बना रहे हैं।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं।

मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो और संगीता कुमारी जैसी आक्रामक खिलाड़ी हैं, जिनसे गोल दागने की उम्मीद है।

शिविर के महत्व पर जोर देते हुए मुख्य कोच शॉर्ड मारिन ने कहा, यह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले एक छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण कैंप होगा। हमारा मुख्य ध्यान खिलाड़ियों की फिटनेस और खेल के उन विशिष्ट क्षेत्रों पर रहेगा, जहां हमें सुधार की आवश्यकता है। हम लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और एक टीम के तौर पर अगले स्तर तक पहुंचना चाहते हैं। है।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2–0 से हराकर 29 वीं बार जीता ला लीगा खिताब

मैड्रिड । बार्सिलोना ने यहां हुए एक मुकाबे में रियल मैड्रिड को 2–0 से हराकर 29 वीं बार स्पेनिश ला लीगा फुटबॉल खिताब जीता है । इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ने एक बार फिर अपने को साबित किया है । एक बार फिर फुटबॉल जगत में अपनी श्रेष्ठता साबित की । वहीं रियल मैड्रिड को इस खिताबी मुकाबले में अपने तीन प्रमुख खिलाड़ियों की कमी खली। उसके स्टार खिलाड़ी काइलियन एम्बाप्पे हैमस्ट्रिंग फेडेरिको वाल्वरडे और डीन हुइजसेन चोटिल होने के कारण इस मैच में शामिल नहीं हुए । इससे टीम के खेल पर काफी प्रभाव पड़ा उसकी आक्रामकता और मध्यपंक्ति कमजोर हुई। बार्सिलोना ने इस स्थिति का लाभ उठाते हुए शुरुआती मिनटों में ही दबाव बनाना शुरू कर दिया । मैच के नौवें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने पहला गोल दागकर बार्सिलोना को 1–0 की बढ़त दिला दी । इसके कुछ ही देर बाद, 18वें मिनट में टोरेस ने डैनी ओल्मो के पास पर खेल कर बार्सिलोना की बढ़त को 2–0 कर दिया । वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही रियल मैड्रिड ने वापसी का अच्छा प्रयास किया पर बार्सिलोना की रक्षापंक्ति ने इस प्रयास को विफल कर दिया । इसके बाद देनो ही टीमों ने गोल करने के प्रयास किये पर असफल रहे । मुकाबले के दौरान, रियल मैड्रिड ने वापसी करने के कई प्रयास किए, लेकिन बार्सिलोना के रक्षापंक्ति ने उसे अवसर नहीं दिया । जीत के बाद बार्सिलोना के खिलाड़ी जश्न में डूबे दिखे ।

कुश्ती से संन्यास नहीं लूंगी, विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर लगाया आरोप

गोंडा (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। विनेश फोगाट ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) में सत्ता में बैठे लोग चाहते हैं कि वह इस खेल को छोड़ दें, लेकिन उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह हार स्वीकार नहीं करेंगी और उन्हें अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगी। WFI ने विनेश को यहां होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए तब तक अयोग्य घोषित कर दिया था, जब तक उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती।

विनेश प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचीं और दावा किया कि वह मुकाबले में वापसी के लिए पात्र हैं, जबकि महासंघ ने डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य छह महीने की नोटिस अवधि का हवाला देते हुए उन्हें 26 जून 2026 तक अयोग्य घोषित कर दिया है। WFI ने उनकी भागीदारी को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। WFI अधिकारियों से मिलने के बाद विनेश ने पत्रकारों से कहा, 'आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं? क्या मैं संन्यास ले लूं और दूर हो जाऊं? हार मान लूं? जिससे कि मेरे खिलाफ उनकी साजिश कामयाब हो जाए? वे चाहते हैं कि मैं कुश्ती छोड़ दूं, मैं थक जाऊं, मैं हाथ जोड़ लूं और चली जाऊं। संजय सिंह, बृज

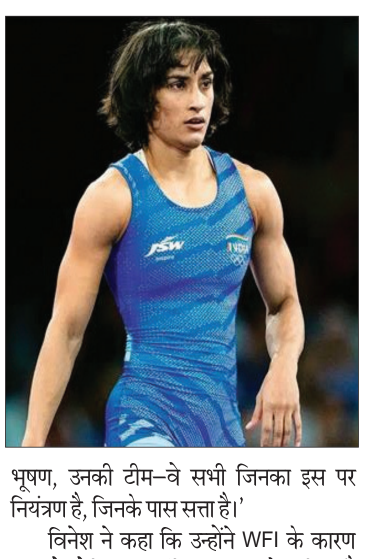

भूषण, उनकी टीम–वे सभी जिनका इस पर नियंत्रण है, जिनके पास सत्ता है।'

विनेश ने कहा कि उन्होंने WFI के कारण बताओ नोटिस पर संक्षिप्त जवाब भेज दिया है और 14 दिनों के भीतर विस्तृत जवाब देंगी। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे (संजय सिंह) कहा कि 14 दिनों में विस्तृत जवाब दे दूंगी, लेकिन उससे पहले ही मुझे दोषी कैसे माना जा सकता है? कम से कम 14 दिनों तक तो मुझे मत रोकिए। उसके बाद जो कार्रवाई करनी हो, कर लीजिए। लेकिन वह विस्तृत जवाब पर ही अड़े हुए हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैंने 12 दिसंबर को पत्र भेजकर बताया था कि मैं खेल में वापसी करना चाहती हूं और प्रशिक्षण शुरू कर चुकी हूं। फिर छह महीने तक इंतजार क्यों किया गया? मैं प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंची और तब मुझ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यह बात पहले भी बताई जा सकती थी। ऐसा लगता है कि मुझे प्रतिबंधित करने का पहले से ही फैसला कर लिया गया था। यह पूरी तरह पूर्व-नियोजित है।' विनेश ने कहा, 'हम अपने वकील के जरिए पहले ही जवाब दे चुके हैं। अब हम एक और विस्तृत जवाब तैयार कर रहे हैं, जिसमें अपनी ओर से हर संभव बात रखेंगे। लेकिन मैं उन बातों को स्पष्ट करना चाहती हूं जो नोटिस में लिखी गई हैं। उनमें से एक बिंदु विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से संबंधित था।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या हाल के घटनाक्रमों के बाद वह अदालत का रुख करेंगी, तो विनेश ने कहा, 'देखते हैं। हम अपनी क्षमता के अनुसार जो कुछ भी कर सकते हैं, करने की कोशिश करेंगे।' विनेश ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी भी डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन नहीं किया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी के लिए उन्हें वाडा से अनुमति मिल चुकी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने एक बार अपनी उपस्थिति' की जानकारी अपडेट नहीं की थी, जबकि खिलाड़ियों को तीन बार ऐसी छूट होती है। कोई भी शीर्ष खिलाड़ी कभी-कभी ऐसी भूल कर सकता है। उस समय मैं विधानसभा सत्र में व्यस्त थी और अपडेट करना भूल गई थी। इसके लिए मैंने वाडा से माफी भी मांगी।'

विनेश के अनुसार, 'वाडा ने मुझे क्लीन चिट दी और कहा कि मैं किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकती हूं। लेकिन यहां (WFI) कहा जा रहा है कि वे संतुष्ट नहीं हैं। मैंने डोप टेस्ट के बाद ही प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं डोपिंग को लेकर पूरी तरह पाक-साफ हूं और हमेशा रही हूं। मैं किसी का हक नहीं छीन रही, बस अपने लिए निष्पक्ष मौका चाहती हूं।'

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पिछले साल जून में ही खेल में वापसी की सूचना दे दी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने जून में ही बता दिया था कि मैं फिर से कुश्ती शुरू कर रही हूं, आप मेरा टेस्ट (डोपिंग जांच) कर सकते हैं। मैंने उन्हें छह महीने का समय दिया। अब यह उनका अधिकार है कि वे कब टेस्ट करना चाहते हैं।' विनेश ने यह भी दावा किया कि उन्हें बताया गया था कि एक जनवरी 2026 से वे अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में हिस्सा ले सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं नियम जानती हूं और वाडा के प्रति जवाबदेह हूं। मैंने ब्रेक के लिए अनुरोध किया था क्योंकि मैं गर्भवती थी। बाद में मैंने वापसी की सूचना भी दे दी थी।'

विनेश ने कहा कि पहलवानों को जिन असुरक्षाओं का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें दूर करना डब्ल्यूएफआई नेतृत्व की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'मैं इतने वर्षों से इस दौर से गुजर रही हूं, इसलिए मेरे मन में ये असुरक्षाएं हैं। डब्ल्यूएफआई के प्रमुख के तौर पर इन असुरक्षाओं को दूर करना आपकी जिम्मेदारी है।' पास के अयोध्या हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद विनेश ने WFI के कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया। उन्होंने दावा किया कि संन्यास लेने वाले खिलाड़ियों से संबंधित विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) का नियम 5.6.1 उन पर लागू नहीं होता, क्योंकि उन्होंने जून में ही यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) को संन्यास के बाद दोबारा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के अपने फैसले के बारे में सूचित कर दिया था।

UWW के सूत्रों ने हालांकि बताया कि महासंघ उनके जवाब से संतुष्ट नहीं था। उनका मानना था कि पहलवान ने केवल पात्रता वाले पहलू पर ही बात की है, जबकि शनिवार को जारी विस्तृत नोटिस में उन पर लगाए गए व्यापक अनुशासनात्मक आरोपों का उन्होंने पूरी तरह से जवाब नहीं दिया है।

मुंबई को हराकर अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंची आरसीबी

रायपुर । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने मुम्बई इंडियंस को आईपीएल 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद पर हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है । वहीं इस हार के साथ ही मुंबई की टीम अंतिम स्थान पर खिसक गयी है । इस जीत के साथ ही आरसीबी की प्लेऑफ के लिए दावेदारी मजबूत होगी । इस मैच में 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने अंतिम गेंद पर जीत हासिल की । इसी के साथ ही मुंबई की टीम को11 मैचों में आठवीं हार का सामना करना पड़ा है । इसी के साथ ही मुम्बई की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद प्लेऑफ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है । वहीं इस जीत के साथ ही आरसीबी के अब सबसे अधिक 14 अंक हो गये हैं और वर नंबर एक पर पहुंच गयी है । वहीं इतने ही अंक लेकर सरनरइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि इनका नेट रन रेट कम रहा है । इस में आरसीबी को जीत के लिए 15 रनों की जरुर थी । मुंबई की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने राज अंगद बावा को ओवर दिया । ओवर की शुरुआत में वाइड और नो–बॉल से हुई, जिससे आरसीबी को आसानी से 5 रन मिल गए। बावा ने तीसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड का विकेट लेकर मुंबई की उम्मीदें जगा दीं पर इसके बाद एक और वाइड से टीम को नुकसान हुआ । अगली गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने छक्का लगाकर मैच एक बार फिर आरसीबी के पाले में कर दिया । इसके बाद आरसीबी को केवल गेंदों में तीन रन चाहिए थे । पांचवीं गेंद पर एक रन लेने के बाद अंतिम गेंद पर दो रन की जरूरत थी ।

अगले प्रोजेक्ट में कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

अभिनेता ईशान खट्टर ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। पिछले साल आई उनकी फिल्म 'होमबाउंड' को ग्लोबल स्तर पर काफी सराहा गया। फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री भी थी। अब ईशान खट्टर एक बार फिर एक नए तरह के किरदार में नजर आने वाले हैं। दर्शकों ने ईशान को इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा है।

कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

रिपोर्ट के मुताबिक, ईशान खट्टर अब एक कॉमेडी फिल्म में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म का निर्देशन पलाश वासवानी करेंगे, जो 'गुल्लक' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में ईशान पहले ही मुख्य भूमिका में हैं। निर्माता अब फीमेल एक्ट्रेस और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगी।

'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे ईशान

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर को आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'होमबाउंड' में देखा गया था। नीरज घायवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म उत्तर भारतीय शहर में दो बचपन के दोस्तों चंदन, एक दलित और शोएब एक मुस्लिम की कहानी है। दोनों पुलिस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन परीक्षा परिणामों में देरी से सब कुछ बदल जाता है। ईशान अब 'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे। निर्माताओं ने इस साल की शुरुआत में सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की थी।

टॉक्सिक में यश के साथ बोल्ड सीन वाली खबरों पर कियारा आडवाणी ने दिया रिएक्शन

कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इस साल सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। जब इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ तो इसमें दिखाए गए बोल्ड सीन चर्चा का विषय बन गए। हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि कियारा और यश के बीच फिल्म में कुछ बोल्ड सीन हैं। खबरें यह भी थीं कि कियारा ने मेकर्स से उन सीन को थोड़ा कम करने की गुजारिश की है। इस मामले पर अब कियारा ने रिएक्शन दिया है।

कियारा ने दिया रिएक्शन

इस तरह की खबरों को कियारा आडवाणी ने सिरे से खारिज किया है जिनमें कहा गया था कि उन्होंने मेकर्स से बोल्ड सीन कम करने की गुजारिश की है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें यश के साथ उनकी तस्वीर है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा 'बिल्कुल बकवास!' कियारा के यह साफ करने के बाद कि ये खबरें झूठी हैं, यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म में उनके और यश के बीच कोई बोल्ड सीन होंगे या नहीं।

इस वजह से टल गई रिलीज डेट

'टॉक्सिक' इस साल मार्च में, ईद के मौके पर रिलीज होने वाली थी। हालांकि, इसकी रिलीज डेट 4 जून 2026 तक के लिए टाल दी गई थी, ताकि यह फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' के साथ क्लैश होने से बच जाए। मगर कुछ दिनों पहले मेकर्स ने एलान किया कि फिल्म की रिलीज डेट एक बार फिर आगे बढ़ाई जा रही है।

4 जून को नहीं रिलीज होगी फिल्म

मेकर्स ने एक नोट शेयर किया, जिसमें लिखा था, 'टॉक्सिक' पूरी हो चुकी है। हम इस समय इसके ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन और पार्टनरशिप को अंतिम रूप देने में लगे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने अपनी रिलीज टाइमलाइन को फिर से तय करने का फैसला किया है। हालांकि पहले घोषणा की गई थी कि हम इसे 4 जून को रिलीज नहीं करेंगे। हम इसे बाद में तय की गई किसी तारीख पर रिलीज करेंगे।'

कौन है फिल्म की निर्देशक

अब यश के फैंस बेसब्री से फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में कियारा और यश के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसमें यश डबल रोल में होंगे। इसके निर्देशक गीतू मोहनदास हैं।

मेरे लिए 'लुक्खे' में गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है

म्यूजिकल एक्शन-ड्रामा वेब सीरीज 'लुक्खे' पंजाब की गलियों, वहां की आपसी प्रतिद्वंद्विता, जबरदस्त एक्शन और रैप संगीत के शानदार मेल को बखूबी दर्शाता है। इसकी कहानी एक युवा एथलीट लकी के इर्द-गिर्द घूमती है। उसकी दुनिया में तब मोड़ आता है, जब उसे ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए पंजाब की खतरनाक रैप दुनिया में कदम रखना पड़ता है। जैसे-जैसे वह इस अंडरवर्ल्ड के भीतर जाता है, वह न केवल अपराध बल्कि प्यार, परिवार, पछतावे और दोस्ती के जटिल जाल में फंस जाता है। ट्रेलर एक ऐसे सफर की ओर इशारा करता है, जहां एक खिलाड़ी को अपनी नैतिकता और मिशन के बीच चुनाव करना पड़ता है। इस सीरीज के जरिए रैपर किंग अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं। सीरीज में अभिनेत्री राशी खन्ना पुलिस अधिकारी गुरबानी की भूमिका में नजर आएंगी। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'यह सीरीज केवल रोमांस और रैप बैटल्स के बारे में नहीं है, बल्कि उस धुंधली सीमा के बारे में है, जहां सही और गलत के बीच फर्क करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मेरे लिए गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है। क्योंकि भले ही मैंने कई भाषाओं में काम किया हो, लेकिन पंजाबी मेरी असली जड़ है। गुरबानी एक ऐसी लड़की है, जो अपने अंदर बहुत सारा अनकहा दुख समेटे हुए है। वह अपनी आवाज ऊंची नहीं करती, लेकिन उसकी मौजूदगी स्क्रीन पर गहरा असर डालती है। वह एक कोमल लड़की भी है और जरूरत पड़ने पर एक तेज-तर्रार पंजाबन भी।' राशी ने स्क्रिप्ट की सराहना करते हुए शो के निर्माता अग्रिम, डेबोज और निर्देशक हिमांकर का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस जटिल कहानी को खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है।

रश्मिका मंदाना ने पूरा किया फिल्म 'माइसा' का शेड्यूल

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने मंगलवार को अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'माइसा' का केरल शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की टीम के साथ एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपनी पूरी टीम के साथ मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। वीडियो में सेट की थकान के बावजूद पूरी टीम के चेहरे पर काम पूरा होने की खुशी साफ देखी जा सकती है। रश्मिका ने टीम का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, 'दोस्तों, एक छोटा सा अपडेट यह है कि हमने केरल में माइसा का एक लंबा शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। ये कुछ प्यारे लोग हैं, जिन्होंने बहुत मेहनत की और इस प्रोजेक्ट को मुमकिन बनाया। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया। मैं जल्द ही दोबारा सेट पर वापसी करूंगी।' फिल्म 'माइसा' में रश्मिका का किरदार उनके पिछले किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। केरल की खूबसूरत लोकेशन्स पर इस फिल्म के कई अहम सीन फिल्माए गए हैं। रश्मिका ने निर्देशक रविंद्र पुल्ले और प्रोडक्शन हाउस 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' को भी इस बेहतरीन अनुभव के लिए टैग किया है। 'माइसा' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन राविंद्र पुल्ले कर रहे हैं। वहीं अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने अपने बैनर अनफॉर्मूला फिल्म्स के तहत इसे प्रोड्यूस किया है। 'माइसा' हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। बातचीत में रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, 'मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है। हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए।' उन्होंने कहा, ''मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए।'' रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं। सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है।'' उन्होंने कहा, ''एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।'' रश्मि ने कहा मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं।

इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है

पंजाबी फिल्मों और बॉलीवुड में काम कर चुकीं एक्ट्रेस सोनम बाजवा फिर से अपनी एक पंजाबी फिल्म 'पिट्टू सियापा' के साथ लौट आई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में बातचीत में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में काफी कुछ बताया।

आपकी फिल्मी सफर बहुत ही दिलचस्प रहा। आपने मॉडलिंग भी की है, साउथ में भी काम किया है और पंजाबी से लेकर बॉलिवुड तक में काम किया है। आप अपनी इस यात्रा को कैसे देखती हैं?

जब मैं अपना सफर देखती हूं, तो कभी सोचा नहीं था कि यहां तक पहुंच जाएंगे या ज़िंदगी में कुछ कर लेंगे। जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो सोचती हूं कि आखिर कैसे हुआ। क्योंकि मैंने सारे डिसीज़न तो सही नहीं लिए। जब आप एक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, आपकी कोई ट्रेनिंग नहीं है, कोई आपको गाइड करने वाला नहीं है, आपको पीछे से सपोर्ट देने वाला नहीं है, तो आपकी एक गलती भी आपको बहुत पीछे लेकर जा सकती है। मुझे लगता है कि मैंने ऐसे कई फैसले लिए जो शायद नहीं लेने चाहिए थे, कई जगह हां बोला, जहां ना कहना चाहिए था। लेकिन वही है न कि आप अपनी गलतियों से सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं। तो बस मुझे यही लगता है कि मैंने बहुत शिद्दत और ईमानदारी से काम किया और लोगों का प्यार मिलता रहा। तभी तो इतनी सारी गलतियां भी माफ हो गईं। कई प्रोजेक्ट्स जो शायद नहीं करने चाहिए थे, वह भी ऑडियंस भूल जाती है क्योंकि ऑडियंस को आप अपने लगने लगते हैं। इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था मैं यहां तक पहुंच जाऊंगी।

आपकी फिल्म पिट्टू सियापा का कॉन्सेप्ट बहुत दिलचस्प है। क्या आप कभी ऐसी सिचुएशन से असल ज़िंदगी में भी रूबरू हुई हैं?

समाज में जब आप रहते हैं तो आपकी ज़िंदगी में कभी ना कभी तो होता ही है कि जब आप किसी के फ्यूनरल में जाते हैं। मेरी भी लाइफ में ऐसा हुआ है। मुझे पक्का यकीन था कि मेरी पहली फिल्म के बाद मुझे कोई काम नहीं मिलने वाला। पता नहीं कैसे मुझे पंजाब 1984 मिली, जिसे नैशनल अवॉर्ड मिला। उस फिल्म ने मेरे करियर का ग्राफ तो चेंज किया ही, मेरा सोचने का तरीका भी बदल दिया। और वहां से मैंने सोचा कि अब मैं फिल्मों में ही काम करूंगी। और वहां से यहां तक के सफर में बहुत कुछ मिला, जो कि बिल्कुल भी आसान नहीं था।

आपकी फिल्म में डायलॉग है जिसमें आप कहते हैं कि दिलजीत दोसांझ जिंदाबाद थे, हैं और रहेंगे। आपने तो फिल्म बॉर्डर 2 में साथ काम भी किया है। उनके साथ आपका अनुभव कैसा रहा?

बॉर्डर 2 दिलजीत के साथ मेरी दूसरी फिल्म थी। पहली थी पंजाब 1984, उनकी भी सफलता बेमिसाल है, पंजाब में दर्शकों का दिल जीतने से लेकर भारत और अब एक ग्लोबल स्टार बनने तक। मैं जब भी उनकी तरफ देखती हूं तो यही अहसास होता है कि लाइफ में हमेशा बड़े सपने देखने चाहिए कि अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो मेरे साथ भी हो सकता है। दिलजीत वाकई बहुत मेहनती हैं और बहुत फोकस्ड भी हैं।

पंजाबी सिनेमा ने अपनी पहचान बनाई, इसकी क्या वजह मानती हैं

मैं आपकी इस बात से बिल्कुल सहमत हूं कि लोग पंजाबियों को बहुत प्यार करते हैं, उनकी भाषा लोगों को बहुत स्वीट लगती है, बड़ी अपनी सी लगती है। संगीत में भी, कोई नॉन पंजाबी भी है, तो भी हर एक की प्ले लिस्ट में पंजाबी गाना होगा। पहले तो लोग कहते थे अरे ये डांसिंग डांस वाले गाने हैं, लेकिन आप सतेंद्र सरताज जी के गाने सुनें, वह जब मुंबई या पुणे में कॉन्सर्ट करते हैं, तो उनका कार्यक्रम सोल्ड आउट होता है। वह कोलकाता में करें, मुंबई में करें या पुणे में करें, बहुत सारे नॉन पंजाबी लोग उनके कॉन्सर्ट में आते हैं। तो शायद ये मेहरबानी कुदरत की है कि लोगों को इस भाषा से बहुत प्यार है, इस कल्चर से बहुत प्यार है। हिंदी सिनेमा भी बहुत समय तक पंजाब से जुड़ी कहानियां दिखाता आया है, तो लोगों के अंदर वह प्यार बना हुआ है। अभी पंजाबी इंडस्ट्री दूसरी फिल्म इंडस्ट्रीज़ की तुलना में बहुत नई और काफी छोटी है। इस इंडस्ट्री में अच्छा करने की बहुत संभावनाएं हैं। हम कोरियन सिनेमा, फ्रेंच कॉन्टेंट या इस्राइली सिनेमा भी सब-टाइटल्स के साथ देखते हैं। तो थोड़ा सा जो बैरियर है भाषा का, वह भी कम होता जा रहा है। मुझे लगता है कि ये भी एक कारण है कि लोग पंजाबी सिनेमा को इतना प्यार करते हैं।

जीभ खोलती है आपकी सफाई की पोल!

फेमस अमेरिकी सिंगर ऐंड ऐक्ट्रेस केर को मशहूर युवा पॉप गायिका माइली सायरस से प्रस्तुति देते वक्त अपनी जीभ बाहर निकालने से मना किए अभी बहुत दिन नहीं बीते हैं, कि विशेषज्ञों ने जीभ को लेकर बहुत ही दिलचस्प तथ्य का खुलासा किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, जीभ को देखकर किसी व्यक्ति की स्वच्छता के प्रति उसके रुख एवं उस व्यक्ति के स्वास्थ्य के बारे में जाना जा सकता है। आप अपने किसी ऐसे मित्र या किसी ऐसी लोकप्रिय हस्ती के बारे में सोचिए जो अक्सर अपनी जीभ बाहर निकालता रहता है। अगर उसकी जीभ पर मोटी सफेद पर्त दिखाई दे निश्चित ही यह उसके लिए बहुत बड़ी परेशानी का सबब बन सकती है।

आप अपने किसी ऐसे मित्र या किसी ऐसी लोकप्रिय हस्ती के बारे में सोचिए जो अक्सर अपनी जीभ बाहर निकालता रहता है। अगर उसकी जीभ पर मोटी सफेद पर्त दिखाई दे निश्चित ही यह उसके लिए बहुत बड़ी परेशानी का सबब बन सकती है।

2-3 बार करें हल्के हाथ से सफाई

जीभ को स्वच्छ रखने का दूसरा सबसे बेहतर उपाय है माउथवॉश का उपयोग करना। मजूमदार ने बताया कि सांसों की दुर्गंध का सबसे बड़ा कारण जीभ पर बैठी गंदगी ही होती है। हमारे पास कम से कम 70 फीसदी लोग इसी तरह की शिकायतें लेकर आते हैं। अपनी सांसों को तरोताजा बनाए रखने के लिए दिन में कम से कम एक बार माउथवॉश का उपयोग करें।

गुड़गांव के कोलंबिया एशिया अस्पताल में दंत चिकित्सक एकता सिंह ने बताया कि दांतों में ब्रश करना जितना महत्वपूर्ण है, जीभ को स्वच्छ रखना भी उतना ही जरूरी है। जीभ साफ करने से पहले टंग क्लीनर को साफ कर लेना चाहिए। टंग क्लीनर से जीभ पर बहुत दबाव नहीं डालना चाहिए, और 2-3 बार हल्के हाथों से जीभ की सफाई करनी चाहिए। अपने मुंह में हानिकारक जीवाणुओं को पनपने से रोकने के लिए जीभी (टंग क्लीनर) का प्रयोग अवश्य करें।

वेबसाइट पैरेंट्यून डॉट कॉम ने मुंह से संबंधित बीमारियों की विशेषज्ञ सोनाली बस्सी के हवाले से कहा कि गाढ़े रंगों वाले खाद्य पदार्थ खाने से भी जीभ का रंग परिवर्तित हो जाता है। हल्दी, काले अंगूर, जामुन या इसी तरह के गहरे रंग वाले खाद्य पदार्थ खाने से आपकी जीभ का रंग बदल सकता है। लेकिन यह इतना हानिकारक नहीं होता, तथा टंग क्लीनर की सहायता से आसानी से साफ किया जा सकता है। धातु या प्लास्टिक से बने टंग क्लीनर का उपयोग किया जा सकता है। कई कंपनियां इस तरह का ब्रश भी बनाती हैं जिसके पिछले हिस्से का उपयोग जीभ को साफ करने के लिए किया जा सकता है। दंत चिकित्सक अयान मजूमदार ने बताया कि जीभ साफ करने के लिए ब्रश के पिछले हिस्से का उपयोग सुरक्षित है, लेकिन ब्रश वाले हिस्से से ऐसा करना हानिकारक हो सकता है। अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि सामान्य ब्रश की अपेक्षा जीभ साफ करने की सुविधा से युक्त ब्रश कहीं प्रभावी होते हैं। मजूमदार ने हालांकि धातु की अपेक्षा प्लास्टिक की जीभी को अधिक सुरक्षित बताया, क्योंकि जंग लगने के कारण धातु का टंग क्लीनर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। जीभ को स्वच्छ रखने का दूसरा सबसे बेहतर उपाय है माउथवॉश का उपयोग करना। मजूमदार ने बताया कि सांसों की दुर्गंध का सबसे बड़ा कारण जीभ पर बैठी गंदगी ही होती है। हमारे पास कम से कम 70 फीसदी लोग इसी तरह की शिकायतें लेकर आते हैं।

अपनी सांसों को तरोताजा बनाए रखने के लिए दिन में कम से कम एक बार माउथवॉश का उपयोग करें।

मुंह को नमक के पानी से धोकर भी स्वच्छ रखा जा सकता है। बस्सी ने बताया कि आधे ग्लास गुनगुने पानी में आधा चम्मच नमक डालें। इस पानी से अपने मुंह को दिन में 5-6 बार धोएं। जीभ पर खाने के बाद जमा गंदगी कई तरह के रोगों को जन्म दे सकती है। एकता सिंह ने बताया कि कई बार जीभ के गंदे होने के कारण डिहाइड्रेशन की शिकायत भी हो सकती है। इसलिए घर से निकलते हुए इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि चेहरे और दांतों के साथ-साथ आपकी जीभ का भी स्वच्छ रहना बेहद जरूरी है।

आधी रात में भी खाओगे तो मोटे हो जाओगे

हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि मिड नाइट स्नैक्स लेना हेल्थ के नजरिए से सही नहीं है। आप बिना वक्त के जो भी खाते हैं, वह सीधे कैलरीज में चेंज हो जाता है। इसकी वजह यह है कि मिड नाइट स्नैक्स लेने के बाद कोई फिजिकल एक्टिविटीज नहीं हो पाती और आप सीधे बेड पर सोने चले जाते हैं। फिजिशियन डॉ. निखिल श्रीवास्तव कहते हैं कि मिडनाइट स्नैक्स की यह आदत आपको कई तरह की फिजिकल प्रॉब्लम्स दे सकती है। सबसे बड़ी प्रॉब्लम खाना डाइजेस्ट न होना है।

नीलिमा अक्सर देर रात तक टीवी देखती है। इसी के साथ कुछ न कुछ खाना-पीना भी चलता रहता है। जब उसने अपना वेट किया, तो देखा कि दो महीने में उसका वेट तीन से चार किलो तक बढ़ गया। खाना डाइजेस्ट होने में भी प्रॉब्लम होने लगी। यही हाल स्टूडेंट शिल्पी का है। वह टीवी देखते हुए तो नहीं, लेकिन देर रात तक पढ़ाई करने के दौरान कुछ न कुछ खाती रहती है। यही नहीं, पढ़ाई के दौरान नींद न आए, इसके लिए एक से दो कप कॉफी भी पीती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि मिड नाइट स्नैक्स लेना हेल्थ के नजरिए से सही नहीं है। आप बिना वक्त के जो भी खाते हैं, वह सीधे कैलरीज में चेंज हो जाता है। इसकी वजह यह है कि मिड नाइट स्नैक्स लेने के बाद कोई फिजिकल एक्टिविटीज नहीं हो पाती और आप सीधे बेड पर सोने चले जाते हैं। फिजिशियन डॉ. निखिल श्रीवास्तव कहते हैं कि मिडनाइट स्नैक्स की यह आदत आपको कई तरह की फिजिकल प्रॉब्लम्स दे सकती है। सबसे बड़ी प्रॉब्लम खाना डाइजेस्ट न होना है। इसके बाद दांतों का खराब होना और फैट बढ़ना भी बेहद कॉमन प्रॉब्लम है।

दांतों पर कैवेटीज

डॉ. अजय कहते हैं कि मिड नाइट स्नैक्स लेने के बाद ज्यादातर लोग ब्रश नहीं करते और खाकर सीधे सो जाते हैं। इससे खाई हुए चीजों का कुछ हिस्सा दांतों पर रह जाता है, जिससे बाद में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। खासतौर से अगर आपने मिठाइयां और डेजर्ट्स खाया है, तो आपके लिए इससे बचना नामुमकिन है। मिड नाइट स्नैक्स से न केवल दांतों में

बैक्टीरिया पनपने का खतरा रहता है, बल्कि इससे दांतों पर कैवेटीज भी हो जाती हैं।

डाइजेशन में प्रॉब्लम

भले ही मिड नाइट स्नैक्स खाने में आपको मजा तो खूब आता है, लेकिन यह स्नैक्स आपके डाइजेस्टिव सिस्टम को बिगाड़ देता है। क्या आपको पता है कि कुकीज और चिप्स जैसे जंक फूड को पचाने में बॉडी को दो से तीन घंटा तक लग जाता है, वह भी दिन में। ऐसे में अगर आप रात को इसे खाते हैं, तो पेट की क्या हालत हो सकती है, अंदाजा लगाया जा सकता है।

?सीधे फैट में तब्दील

स्नैक्स चाहे दिन में खाएं या रात को, उसका फैट में तब्दील होना तय है। स्नैक्स चटपटे, ऑयली और फ्राइड होते हैं। हां, अगर आप वर्कआउट करते हैं, तो एक निश्चित क्वॉन्टिटी में इस तरह के स्नैक्स ले सकते हैं। अगर आपकी आदत में इस तरह के स्नैक्स आ चुके हैं, तो जंक फूड की जगह हेल्दी फूड खाने की आदत डालें।

देर रात तक न जागें

देर रात तक जागने की आदत से तौबा करें। डिनर के बाद अगर आप बहुत देर रात तक जगे रहते हैं, तो लंबा गैप होने से आपका ध्यान इन चीजों की तरफ खाने को जरूर जाएगा। इस तरह की चीजों से बचने का सबसे कारगर तरीका यही है कि आप समय पर सोएं।

मजबूत हड्डियां चाहिए तो आजमाएं यह उपाय

- ?हाल में हुए शोध की मानें तो दिन में दो बार दस दफा कूदने को अगर कसरत के तौर पर नियमित किया जाए तो इससे हड्डियां काफी मजबूत होंगी।
- अमेरिकन जर्नल ऑफ हेल्थ प्रमोशन में प्रकाशित शोध की मानें तो सुबह और शाम लगातार दस-दस बार कूदने की प्रक्रिया में हड्डियों को मजबूती मिलती है और इससे जुड़ी समस्याओं से बचाव होता है।
- शोध के दौरान 25 से 50 वर्ष की आयु वाली 60 महिलाओं को कूदने की कसरत का अभ्यास दिन में दो बार नियमित तौर पर करवाया गया और पाया गया कि इससे उनकी हड्डियों में पांच प्रतिशत का सुधार देखा गया।
- शोधकर्ता डॉ. लैरी टकर के अनुसार, यह कसरत चलने या जॉगिंग करने की अपेक्षा अधिक फायदेमंद है और इससे हड्डियों के घनत्व में 1.3 प्रतिशत सुधार देखा गया है।

हरी सब्जियों के जूस का ऐसा भी हो सकता नुकसान

हरे साग-सब्जा?यों का सेवन जा?तना अधिक फायदेमंद है, इनके जूस का एक चौंकाने वाला नुकसान भी है। फीमेलफस्ट में प्रकाशित शोध की मानें तो हरी सब्जियों दांतों की सफेदी के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि हरी सब्जियों में रंग बनाने वाला क्रोमोजेन दांतों को सफेद रखने वाले मॉलिक्यूल को नुकसान पहुंचाता है। इतना ही नहीं, उनका यह भी मानना है कि हरी सब्जियों के जूस के बजाय इनके सेवन से दांतों को कम नुकसान पहुंचता है।

ऐसे में अगर आप सब्जियों के जूस के फायदों को देखते हुए इनका सेवन करना ही चाहते हैं तो इन बातों का ध्यान जरूर रखें।

- हरी सब्जियों के जूस को स्ट्रा से पिएं जिससे इसका दांतों से संपर्क कम से कम हो।
- हरी सब्जियों के जूस में नींबू सा साइट्रस फलों को न मिलाएं क्योंकि क्रोमोटेन और साइट्रस फलों में मौजूद टैनिन के मिलने से दांतों को अधिक नुकसान पहुंचता है।
- रोज हरी सब्जियों का जूस पीते हैं तो दिन में कम से कम तीन बार ब्रश करें।

20 मिनट कसरत का ऐसा फायदा नहीं जानते होंगे आप

- मौसम बदलने पर बदन दर्द, बुखार यानी फ्लू की समस्या से बचना भी अपनेआप में एक चुनौती है। ऐसे में अगर आप बदलते मौसम में अक्सर फ्लू का शिकार होते हैं तो इससे बचाव का कारगर उपाय है।
- हाल में हुए एक शोध में माना गया है कि नियमित रूप से 20 मिनट तक व्यायाम करने से फ्लू से बचाव 10 प्रतिशत आसान हो जाता है।
- लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन ने 4,800 प्रतिभागियों पर किए गए अपने अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है।
- इतना ही नहीं, उन्होंने फ्लू के 100 मामलों में केवल कसरत की मदद से उपचार का भी दावा किया है।
- शोधकर्ता डॉ. एल्मा एडलर के अनुसार, हम अपने शोध से मिले परिणाम को लेकर बेहद उत्साहित हैं हालांकि यह अभी शुरुआती दौर में है और इसपर अधिक अध्ययन बाकी है। लेकिन इससे फ्लू से बचाव की दिशा में मदद मिल सकती है।